हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, सोमवार 2 मार्च 2026

जंग के 48 घंटे... बरसाए 12 हजार से ज्यादा बम

इजराइल-अमेरिका के हमले से लहूलुहान ईरान ने कई देशों पर किया अटैक

तेहरान/दुबई। पश्चिम एशिया में तनाव उस समय चरम पर पहुंच गया, जब गुस्साए ईरान ने कई देशों की ओर मिसाइलें दागीं। सरकारी सूत्रों के अनुसार यह कार्रवाई हालिया सैन्य घटनाओं और सुरक्षा खतरों के जवाब में की गई है। ईरानी रक्षा मंत्रालय ने दावा किया कि मिसाइल हमले "रक्षा और प्रतिरोध" की नीति के तहत किए गए। वहीं प्रभावित देशों ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताते हुए कड़ी निंदा की है। कुछ स्थानों पर हवाई रक्षा प्रणालियों ने मिसाइलों को हवा में ही नष्ट कर दिया, जबकि कुछ इलाकों में नुकसान की खबरें सामने आई हैं। क्षेत्रीय शक्तियों और वैश्विक संगठनों ने स्थिति पर चिंता जताई है। संयुक्त राष्ट्र ने सभी पक्षों से संयम बरतने और तुरंत वार्ता शुरू करने की अपील की है। विश्लेषकों का मानना है कि यदि तनाव कम नहीं हुआ तो इसका असर वैश्विक तेल बाजार और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति पर पड़ सकता है। फिलहाल क्षेत्र में सुरक्षा अलर्ट बढ़ा दिया गया है और कई देशों ने अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय की निगाहें अब आगे की कूटनीतिक गतिविधियों पर टिकी हैं।

एयरपोर्ट, मिलिट्री बेस पर मिसाइल हमले, सऊदी अरब ने किए नाकाम

सऊदी अरब ने रियाद के इंटरनेशनल एयरपोर्ट और प्रिंस सुल्तान एयरबेस को निशाना बनाने वाली ईरानी मिसाइलों के हमले को नाकाम करने का दावा किया है। यहां अमेरिकी मिलिट्री के लोग रहते हैं। समाचार एजेंसी एएफपी के हवाले से अल जजीरा की रिपोर्ट में कहा गया कि यूएई की एयर डिफेंस सिस्टम ने रविवार दोपहर को रियाद एयरपोर्ट और प्रिंस सुल्तान एयरबेस के पास ईरानी मिसाइलों को रोकने में सफलता पाई। एयरपोर्ट के पास मौजूद एक चश्मदीद ने कहा, उन्होंने 'एयर डिफेंस को आसमान में मिसाइल को रोकते हुए देखा और सुना।' बता दें कि दुबई, अबू धाबी, कुवैत और मनामा एयरपोर्ट भी ईरान ने मिसाइलों से हमले किए हैं।

अभियान में तीन अमेरिकी सैनिकों की मौत

अमेरिकी सेना ने कहा है कि ईरान के अभियान में तीन सैनिक मारे गए हैं और पांच गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। अमेरिकी सेना की केंद्रीय कमान ने रविवार को सोशल मीडिया पर यह घोषणा की, लेकिन अतिरिक्त जानकारी नहीं दी।

तेल टैंकर पर हमला

विरोध प्रदर्शन हिंसक होने की आशंका, अमेरिकी दूतावास ने चेतावनी जारी की

इराक में अमेरिकी दूतावास ने विरोध प्रदर्शन के हिंसक होने की आशंका को लेकर नागरिकों के लिए चेतावनी जारी की है। बगदाद स्थित अमेरिकी दूतावास ने कहा, इस देश में मौजूद सभी अमेरिकी नागरिक खतरों से सतर्क रहें। परिसर के पास विरोध प्रदर्शन हिंसक हो सकते हैं। रेस्त्रां, बिज़नेस और इराक में अमेरिका के हितों का ध्यान रखने वाले लोगों पर मंडरा रहे खतरों पर पैनी नजर रखी जा रही है।

फ्रांसीसी सेना वाले बेस पर आग लगी

यूएई ने दावा किया है कि ईरानी मिसाइल हमले से फ्रांसीसी सेना वाले बेस पर आग लग गई। फ्रांसीसी सेना वाले अबू धाबी नेवल बेस पर ईरानी ड्रोन हमले का जिक्र करते हुए यूएई के रक्षा मंत्रालय ने कहा, आग से कोई हताहत नहीं हुआ है। स्पेशल टीमों ने अबू धाबी में अल सलाम नेवल बेस पर एक वेयरहाउस में दो कंटेनरों में आग लगने के बाद तत्परता से कार्रवाई की। जानमाल का नुकसान नहीं हुआ है। इस बेस को कैंप डे ला पैक्स (पीस कैंप) के नाम से भी जाना जाता है। फ्रांस की सेना ने हमले की खबरों पर फिलहाल कोई बयान नहीं दिया है।

दुबई में ईरानी हमले...

ईरान ने क्या-क्या मानने पर सहमति दी थी?

- यह वह समझौता था, जो इतिहास बदल सकता था। फरवरी के मध्य तक ईरान ने कई अभूतपूर्व शर्तें मान ली थीं। ये शर्तें इस प्रकार थीं:
- संवर्धित यूरेनियम का भंडार शून्य रखना।
- मौजूदा भंडार को न्यूनतम संभव स्तर तक कम करना।
- उन्हें अपरिवर्तनीय ईंधन में बदलना।
- संभावित अमेरिकी निरीक्षकों की पहुंच के साथ अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी से सत्यापन कराना।
- बम के लिए परमाणु सामग्री की चाहत को 'नहीं, कभी नहीं' (never, ever) रखना।
- राजनयिक सहायक के अनुसार, रियायतों की स्प्रेडशीट 21 फरवरी तक पूरी तरह 'ग्रीन' हो चुकी थी।

हमले से ठीक पहले के 24 घंटे कैसे थे?

27 फरवरी की सुबह ओमान के विदेश मंत्री बद्र बिन हमद अल बुसैदी ने एक चैनल से कहा कि समझौता हमारी पहुंच के भीतर है। बड़ी राजनीतिक शर्तें कल तक तय हो सकती हैं और तकनीकी अमल के लिए 90 दिन वियना में काम होगा। उन्होंने अमेरिकी राजनयिकों की तारीफ की थी। साथ ही यह भी कह दिया था कि ईरान शून्य भंडारण के लिए पूरी तरह राजी हो चुका है। उसी दोपहर 2 बजे विदेश मंत्री की अमेरिका के उपराष्ट्रपति वेंस से मुलाकात हुई। वेंस ने प्रगति को उत्साहजनक कहा, लेकिन उसी शाम 4 बजे राष्ट्रपति ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि वे बातचीत में हो रही प्रगति से खुश नहीं हैं। नोट्स के मुताबिक, शून्य भंडारण, पूरी निगरानी के लिए रजामंदी और बम बनाने के लिए परमाणु सामग्री जुटाने की चाह के लिए 'नहीं, कभी नहीं' जैसे वाक्यांश मेज पर थे। फिर भी ट्रंप प्रगति से खुश नहीं थे।

अमेरिका-ईरान के बीच विवाद क्या था?

बात परमाणु कार्यक्रम की थी। अमेरिका और इस्राइल का आरोप था कि ईरान चुपके-चुपके परमाणु हथियार बनाने की कोशिश कर रहा है। ईरान कहता रहा कि यह सब शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है, हम हथियार नहीं बना रहे। दुनिया में जिन देशों के पास परमाणु हथियार नहीं हैं, उनमें से ईरान अकेला था, जिसने यूरेनियम को हथियार बनाने के करीब तक जाकर संवर्धित किया था। यही बात अमेरिका को खलती थी।

खामेनेई की मौत के बाद दुनियाभर में गम-गुस्सा

जम्मू-कश्मीर

पटना

तेहरान

ईरान पर हमला, भड़का रूस कहा-कूटनीति के साथ विश्वासघात

नई दिल्ली। अमेरिका और इस्राइल के हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दुख जताया। उन्होंने इसे हत्या करार दिया। पुतिन ने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन को भेजे संदेश में कहा, इस्लामी गणराज्य ईरान के सर्वोच्च नेता की हत्या पर मेरी गहरी संवेदना स्वीकार करें। यह मानवीय नैतिकता और अंतरराष्ट्रीय कानून के सभी नियमों का खुला उल्लंघन है। इस संदेश को क्रेमलिन ने जारी किया है। पुतिन ने आगे कहा कि रूस में खामेनेई को एक बड़े नेता के रूप में याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि रूस और ईरान के संबंधों को मजबूत करने में खामेनेई का अहम योगदान रहा। रूस के वरिष्ठ राजनयिकों ने चेतावनी दी कि अमेरिका और इस्राइल के हमले क्षेत्र को परमाणु संकट के कगार पर ले जा सकते हैं और तनाव को और बढ़ा सकते हैं।

खामनेई की मौत पर पुतिन ने दुख जताया

सशस्त्र आक्रमण

रूसी विदेश मंत्रालय ने शनिवार अमेरिका और इस्राइल के हमलों की निंदा की। मंत्रालय ने इसे 'जानबूझकर पहले से योजना बनाकर और बिना उकसावे के किया गया सशस्त्र आक्रमण करार दिया। मंत्रालय ने कहा कि यह हमला उस समय किया गया, जब वार्ता की प्रक्रिया फिर से शुरू हुई थी। मंत्रालय ने चेतावनी दी कि इन हमलों से क्षेत्र मानवीय, आर्थिक और यहां तक कि रेडियोधर्मी आपदा के कगार पर पहुंच सकता

उत्तर कोरिया बोला-राष्ट्रीय संप्रुभता का उल्लंघन

उत्तर कोरिया ने भी अमेरिका और इस्राइल के ईरान पर हमलों की निंदा की है। उसने इन हमलों को 'गैरकानूनी, आक्रामकता' और राष्ट्रीय संप्रुभता का उल्लंघन करार दिया। सरकारी मीडिया कोरिया सेंट्रल न्यूज एजेंसी ने यह जानकारी उत्तर कोरियाई विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के हवाले से दी है। प्रवक्ता ने कहा कि इस मामले में अमेरिका का शामिल होना कोई हैरानी की बात नहीं है। उन्होंने अमेरिका के स्वभाव को वर्चस्ववादी और गैंगस्टर जैसा बताया और कहा कि ऐसी कार्रवाई उसी का नतीजा है। बयान में कहा गया कि अमेरिका और इस्राइल की ओर से शुरू किया गया आक्रामकता किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं है।

एक बार फिर तेहरान की पीठ में छुरा घोंपा

संयुक्त राष्ट्र में रूस के स्थायी प्रतिनिधि वेसिली नेबेंज्या ने इन हमलों को कूटनीति के साथ विश्वासघात बताया। उन्होंने पश्चिमी देशों के इस तर्क को खारिज किया कि ईरान परमाणु हथियार हासिल करना चाहते था। उन्होंने इसे पूरी तरह बेबुनियाद बताया। नेबेंज्या ने शनिवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आपात बैठक में कहा, कूटनीतिक प्रक्रिया में शामिल होने की इच्छा रखने के बावजूद एक बार फिर तेहरान की पीठ में छुरा घोंपा गया है। ईरान की ओर से इराक और खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर की गई जवाबी कार्रवाई का जिक्र करते हुए नेबेंज्या ने कहा कि अमेरिका-इस्राइल के हमलों ने क्षेत्र में तनाव को और बढ़ा दिया है और यह संघर्ष क्षेत्र से बाहर भी फैल सकता है।

संकट में भारतीय

केरल के नोर्का हेल्पडेस्क को आए 381 फोन

एजेंसी ⏭ तिरुवनंतपुरम

इजराइल और ईरान संघर्ष के मद्देनजर 'नोर्का रूट्स' द्वारा स्थापित 24 घंटे संचालित विशेष हेल्प डेस्क को रविवार सुबह 11.30 बजे तक 381 फोन आए। मुख्यमंत्री कार्यालय के निर्देशानुसार, यह हेल्प डेस्क क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच 'नॉन रेजिडेंट केरलाइट्स' (एनआरके) और उनके परिवार के सदस्यों की सहायता के लिए स्थापित किया गया था। 'नोर्का रूट्स' केरल सरकार की एक आधिकारिक संस्था है, जो प्रवासी केरल वासियों के कल्याण और सहायता के लिए काम करती है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक बयान में कहा कि प्राप्त कुल फोन में से 137 कॉल विदेश से और 244 देश के भीतर से थीं। बयान में कहा गया, अधिकांश प्रश्न उड़ान सेवाओं की वर्तमान स्थिति, उनके रद्द होने, यात्रा परामर्श और सुरक्षा निर्देशों से संबंधित थे।

मप्र के दो पूर्व विधायक समेत 700 से ज्यादा यात्री यूएई में फंसे

भोपाल। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण उड़ानें रद्द होने के बाद मध्यप्रदेश के दो पूर्व विधायक समेत राज्य के 700 से ज्यादा यात्री संयुक्त अरब अमीरात में फंस गए हैं। ट्रेवल एजेंटों के एक संगठन के एक पदाधिकारी ने रविवार को यह दावा किया। फिलहाल प्रदेश के 700 से ज्यादा यात्री संयुक्त अरब अमीरात में फंसे हैं। ये लोग पर्यटन और कारोबार के लिए वहां गए थे।

पुणे के एक संस्थान के 84 छात्र दुबई में फंसे

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे स्थित एक संस्थान में एमबीए की पढ़ाई करने वाले 84 छात्र पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के मद्देनजर हवाई क्षेत्र पर लगाए गए प्रतिबंधों के कारण दुबई में फंसे हुए हैं। संस्थान ने यह जानकारी दी। 'इंदिरा स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज' के अधिकारियों ने बताया कि संस्थान के छात्र वार्षिक पांच दिवसीय अध्ययन यात्रा के तहत दुबई गए थे।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

एयरस्पेस बंद होने के कारण भारत ने रोकी 350 से अधिक उड़ानें

अमेरिका-इजराइल ने ईरान पर 24 घंटे में 1200 बम गिराए

ईरान ने दी धमकी, कहा- खतरनाक बदला लेंगे

कतर, दुबई, अबू धाबी में मिसाइल-ड्रोन से अटैक

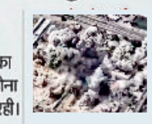

अबूधाबी में ईरानी हमले से एक भारतीय घायल, दुबई में फंसे कई भारतीय

ईरान में कत्लेआम

हमले में मौत

अयातुल्ला अली खामेनेई
सुप्रीम लीडर

अमीर नसीरजादेह
रक्षा मंत्री

मे. जनरल मोहम्मद पकपोर
रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स के कमांडर

अली शमखानी
नेशनल डिफेंस काउंसिल के प्रमुख

दुनिया के कई शहरों में सड़कों पर शिया समुदाय के लोग | रायपुर में प्रदर्शन, कश्मीर में कई जगह विरोध, यूपी में हाई अलर्ट

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की इजराइल और अमेरिका द्वारा किए गए एक बड़े हमले में मौत हो गई है। दुनिया के कई शहरों में शिया समुदाय ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया। राजधानी रायपुर समेत देश के कई शहरों में विरोध जताया गया। इधर, ईरान ने इजरायल पर फिर मिसाइलें दागी, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। इस बीच, वरिष्ठ धर्मगुरु अयातुल्ला अलीरेजा अराफी को ईरान का नया अंतरिम सुप्रीम लीडर नियुक्त किया गया है।

पाक में कोहराम, दहल गया दुबई

अमेरिका-इजराइल के हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई की मौत

ईरान संकट पर पीएम मोदी ने ली बैठक

नई दिल्ली। अमेरिका और इजरायल के ईरान पर बड़े हमले और ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के बाद पश्चिम एशिया में पैदा हुए गंभीर तनाव को लेकर भारत ने उच्च स्तरीय समीक्षा शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में रविवार रात सुरक्षा मामलों की सीसीएस की अहम हुई। इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मौजूद रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार रात यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से बात की और खाड़ी देश पर हुए हमलों की कड़ी निंदा की। भारत इस मुश्किल घड़ी में यूएई के साथ पूरी एकजुटता से खड़ा है। मोदी ने खाड़ी देश में रहने वाले भारतीय समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यूएई के राष्ट्रपति को धन्यवाद भी दिया और कहा कि भारत तनाव कम करने, क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और स्थिरता का समर्थन करता है।

एजेंसी ▶▶| दुबई

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कुछ घंटे पहले खामेनेई की मौत की घोषणा करते हुए कहा कि इससे ईरानियों को अपने देश की बागडोर अपने हाथों में 'वापस लेने का सबसे बड़ा मौका' मिला है। सरकारी मीडिया ने बताया कि 86 वर्षीय खामेनेई की तेहरान के मध्य क्षेत्र में उनके परिसर को निशाना बनाकर किए गए हवाई हमले में मौत हुई। यूरोपीय एयरोस्पेस कंपनी 'एयरबस' द्वारा ली गई सैटेलाइट तस्वीरों में वह स्थान भारी बमबारी से क्षतिग्रस्त दिखायी दिया, जहां खामेनेई की मौत हुई है। सरकारी मीडिया में आ रही खबरों के अनुसार, अमेरिकी-इजराइली हमलों में ईरान के अर्द्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख और एक शीर्ष सुरक्षा सलाहकार की भी मौत हो गई है। ▶▶| शेष पेज 6 पर

करांची में अमेरिकी दूतावास के बाहर झड़प, 10 की मौत

करांची। पाकिस्तान के करांची में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के गेट तोड़कर अंदर घुसने की कोशिश कर रहे प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच रविवार को हुई झड़पों में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। सिविल अस्पताल की प्रवक्ता डॉ. सुमैय्या सैयद ने बताया कि अब तक 10 शव अस्पताल लाए गए।

ईरान के अंतरिम सुप्रीम लीडर

वरिष्ठ धर्मगुरु अयातुल्ला अलीरेजा अराफी को ईरान का नया अंतरिम सुप्रीम लीडर नियुक्त किया गया है। अयातुल्ला अलीरेजा अराफी ईरान के वरिष्ठ धार्मिक नेता माने जाते हैं। उन्हें अंतरिम नेतृत्व परिषद में न्यायविद सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। यही परिषद अब सुप्रीम लीडर की जिम्मेदारियां संभालेगी।

यूएन के दफ्तर फूंका

स्कार्दू में प्रदर्शनकारियों ने संयुक्त राष्ट्र के एक कार्यालय भवन को आग के हवाले कर दिया, जिससे परिसर के कुछ हिस्सों और शिया-बहुल गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में स्थित आसपास की सार्वजनिक तथा संस्थागत सुविधाओं को नुकसान पहुंचा।

अमीर नसीरजादेह

मे. जनरल मोहम्मद पकपोर

अली शमखानी

ईरान में 40 दिनों का शोक

इस बीच, खामेनेई की मौत से शोकाकुल लोगों ने इमाम रजा दरगाह पर काला झंडा फहरा दिया। यह स्थान ईरान के दूसरे सबसे बड़े शहर मशहद में स्थित है और शिया मुसलमानों के लिए एक प्रमुख तीर्थस्थल है। ईरानी सरकार ने खामेनेई की मौत के बाद 40 दिनों के सार्वजनिक शोक और सात दिनों के राष्ट्रव्यापी सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की।

बेटी-दामाद, पोता-पोती भी मारे गए

अज्ञात सूत्रों के हवाले से अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी 'फार्स' ने बताया कि खामेनेई के कई रिश्तेदार भी इस हमले में मारे गए, जिनमें उनकी एक बेटी, दामाद, बहू और एक पोता/पोती शामिल हैं। अमेरिका और इजराइल का यह संयुक्त अभियान मुस्लिमों ▶▶| शेष पेज 6 पर

15 माओवादियों ने छोड़ी हिंसा, 73 लाख के इनामी नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

- ओडिशा राज्य कमेटी का पश्चिमी सब जोन पूरी तरह समाप्त

नक्सलवाद के खिलाफ सुरक्षा बलों को एक बड़ी सफलता मिली है। शासन की पुनर्वास नीति पूना मारगेम (पुनर्वास से पुनर्जीवन) से प्रभावित होकर प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के 15 सक्रिय सदस्यों ने रविवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आत्मसमर्पण कर दिया। इन नक्सलियों ने हिंसा का मार्ग त्यागकर संविधान और तिरंगे के प्रति अपनी निष्ठा जताई। आत्मसमर्पण करने वाले इन 15 नक्सलियों पर शासन द्वारा कुल 73 लाख रुपए का ▶▶| शेष पेज 6 पर

क्षेत्र हुआ नक्सल मुक्त

पुलिस प्रशासन के अनुसार, इस आत्मसमर्पण के बाद ओडिशा राज्य कमेटी का पश्चिमी सब जोन पूरी तरह समाप्त हो गया है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ का रायपुर पुलिस रेंज और ओडिशा का संबलपुर रेंज अब पूरी तरह से नक्सल मुक्त हो गए हैं।

नक्सल-मुक्त बस्तर का सपना हो रहा साकार

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि महासमुंद जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में सक्रिय 15 सशस्त्र माओवादियों ने आज हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटने का निर्णय लिया। लोकतंत्र पर विश्वास जताते हुए उन्होंने सुरक्षा, विकास और शांतिपूर्ण जीवन की राह चुनी। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में 9 महिलाएँ और 6 पुरुष शामिल ▶▶| शेष पेज 6 पर

सीएम फडणवीस ने दिए जांच के आदेश

एसबीएल एनर्जी प्लांट में ब्लास्ट, 17 की मौत

एजेंसी ▶▶| नागपुर

महाराष्ट्र के नागपुर जिले में विस्फोटक पदार्थ बनाने वाले एक कारखाने में रविवार सुबह हुए शक्तिशाली धमाके में कम से कम 17 लोगों की मौत हो गयी और 18 अन्य घायल हो गए। यह घटना आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले में एक पटाखा कारखाने में हुए विस्फोट के एक दिन बाद हुई है, जिसमें 21 लोगों की जान चली गई थी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह विस्फोट कटोल तहसील के राउलगांव स्थित खनन और औद्योगिक कार्यों के लिए विस्फोटक पदार्थ बनाने वाली कंपनी 'एसबीएल एनर्जी लिमिटेड' के कारखाने में हुआ।

पैकिंग क्षेत्र में हादसा

एसबीएल एनर्जी लिमिटेड के प्रतिनिधियों ने बताया कि यह घटना कंपनी की डेटोनेटर पैकिंग इकाई में सुबह सात बजे से सवा सात बजे के बीच हुई। कंपनी ने एक बयान में कहा, यह घटना कारखाने के पैकिंग क्षेत्र में घटी, जहां उस समय कोई सक्रिय विनिर्माण कार्य नहीं चल रहा था। घटना के सटीक कारण की जांच अभी जारी है और हम संबंधित अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग कर रहे हैं। इसमें कहा गया है कि एक आंतरिक समीक्षा शुरू कर दी गई है और जांच के निष्कर्षों के आधार पर उचित सुधारात्मक और निवारक उपाय लागू किए जाएंगे। कंपनी ने कहा कि पीड़ित कर्मचारियों और उनके परिवारों को हरसंभव सहायता पहुंचाना उनकी पहली प्राथमिकता है।

विस्फोटकों की एक प्रमुख निर्माता कंपनी

नागपुर के कलमेश्वर में स्थित एसबीएल एनर्जी लिमिटेड (पूर्व में स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड) औद्योगिक विस्फोटकों की एक प्रमुख निर्माता कंपनी है। यह कंपनी खनन परियोजनाओं के लिए विस्फोटक, डेटोनेटर जैसे विस्फोटक बनाती है।

चिंतन

बम से नहीं, वार्ता से सुलझाएं विवाद

संयुक्त राज्य अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान पर किए गए व्यापक सैन्य हमलों ने क्षेत्रीय तनाव को चरम पर पहुंचा दिया है। विभिन्न शहरों में सैन्य ठिकानों के साथ-साथ नागरिक ढांचे को भी नुकसान पहुंचने की खबरें हैं। बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु एवं घायल होने की सूचना ने मानवीय संकट को और गहरा कर दिया है। जवाबी कार्रवाई में ईरान द्वारा भी हमले किए जाने से स्थिति और विस्फोटक हो गई है। यह संघर्ष यदि इसी दिशा में आगे बढ़ता रहा, तो इसका प्रभाव केवल मध्य पूर्व तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया इसकी चपेट में आ सकती है। सैंकड़ों निर्दोष लोग मारे जाएंगे, आर्थिक संकट भी बढ़ेगा। इतिहास इस बात का साक्षी है कि बम और मिसाइलें क्षणिक बढ़त तो दिला सकती हैं, लेकिन वे स्थायी शांति की नींव नहीं रख सकतीं। इस संघर्ष ने न केवल हजारों परिवारों को शोक में डुबोया है, बल्कि क्षेत्रीय अस्थिरता को भी बढ़ाया है। स्कूलों, रिहायशी इलाकों और नागरिक प्रतिष्ठानों को हुए नुकसान ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आधुनिक युद्धों में सबसे बड़ी कीमत आम नागरिक ही चुकाते हैं। ऐसे समय में वार्ता, संयम, संवाद और कूटनीति ही एकमात्र रास्ता हैं जो व्यापक विनाश को रोक सकते हैं। मध्य पूर्व का भू-राजनीतिक महत्व पूरी दुनिया जानती है। ऊर्जा आपूर्ति का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से होकर गुजरता है। यदि तनाव और बढ़ता है और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग बाधित होते हैं, तो वैश्विक तेल आपूर्ति पर गहरा असर पड़ेगा। तेल की कीमतों में उछाल से विश्व अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ेगा, महंगाई बढ़ेगी और विकासशील देशों की आर्थिक स्थिति और कठिन हो जाएगी। स्पष्ट है कि यह केवल दो या तीन देशों का मामला नहीं है, बल्कि पूरी वैश्विक व्यवस्था की स्थिरता का प्रश्न है। भारत ने ईरान और खाड़ी क्षेत्र की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए सभी पक्षों से तनाव कम करने और नागरिकों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने का आग्रह किया है। भारत का यह रुख संतुलित और जिम्मेदार कूटनीति का परिचायक है। इसी प्रकार चीन और रूस ने भी सैन्य कार्रवाई की निंदा करते हुए संवाद और शांतिपूर्ण समाधान पर जोर दिया है। यह सकारात्मक संकेत है कि वैश्विक शक्तियां कम से कम औपचारिक रूप से ही सही, शांति की वकालत कर रही हैं। वास्तव में, यह समय आरोप-प्रत्यारोप का नहीं, बल्कि आत्ममंथन का है। क्या सैन्य हमले किसी परमाणु या सुरक्षा विवाद का स्थायी हल दे सकते हैं? क्या क्षेत्रीय प्रभुत्व की राजनीति निर्दोष नागरिकों के जीवन से अधिक मूल्यवान है? इन प्रश्नों का उत्तर स्पष्ट है। विश्व व्यवस्था नियम-आधारित होनी चाहिए, जहां सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान हो। यदि कूटनीतिक प्रयासों को मजबूत किया जाए, तो विवादों का समाधान संभव है। अतीत में भी कई जटिल अंतरराष्ट्रीय विवाद वार्ता की मेज पर सुलझे हैं। संयुक्त राष्ट्र और अन्य बहुपक्षीय मंचों की भूमिका भी इस समय अत्यंत महत्वपूर्ण है। परमाणु कार्यक्रम, क्षेत्रीय सुरक्षा और प्रतिबंधों जैसे मुद्दों पर व्यापक और पारदर्शी वार्ता ही आगे का रास्ता दिखा सकती है। सैन्य टकराव से केवल अविश्वास बढ़ता है, जबकि संवाद से पुल बनते हैं। विश्व समुदाय को स्पष्ट संदेश देना होगा कि 21वीं सदी में संघर्षों का समाधान युद्ध नहीं, बल्कि वार्ता है। इसलिए यही उचित होगा कि सभी पक्ष तुरंत सैन्य कार्रवाइयों पर विराम लगाएं, तनाव कम करें और बातचीत की प्रक्रिया को पुनः आरंभ करें। बम से नहीं, बल्कि वार्ता से ही स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त हो सकता है।

तनाव
डॉ. जयंतीलाल भंडारी

ईरान युद्ध से बढ़ी आर्थिक चिंताएं

ईरानी और इजराइल-अमेरिका युद्ध लंबा खिंचने की आशंका से भारत की भी कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, शेयर बाजार में गिरावट, माल ढुलाई की लागत बढ़ने, खाद्य वस्तुओं की महंगाई, भारत से बासमती चावल, चाय, मशीनरी, इस्पात तथा फुटवियर जैसे क्षेत्रों में निर्यात, निर्यात के लिए बीमा लागत में वृद्धि, पश्चिम एशिया में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा की चिंता तथा इजराइल और ईरान के सहित पश्चिम एशिया के अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार में कमी जैसी चिंताएं बढ़ सकती हैं। लेकिन ईरान और इजराइल-अमेरिका युद्ध के बीच भारत के कई ऐसे मजबूत आर्थिक पक्ष हैं, जिनसे भारत के आम आदमी और भारतीय अर्थव्यवस्था को अधिक नुकसान नहीं होगा।

इजराइल-अमेरिका द्वारा 28 फरवरी को ईरान पर हमले और उसके बाद ईरान के द्वारा इजरायल व अमेरिका के सैन्य ठिकानों पर हमलों से निर्मित युद्ध ने दुनिया की चिंताएं बढ़ा दी हैं। खास तौर से इस युद्ध में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई के मारे जाने के बाद जहां ईरानी सेना ने इजराइल-अमेरिका से इसका पूरा बदला लेने और इजराइल- अमेरिका के द्वारा ईरान को पूरी तरह से कमजोर किए जाने के वक्तव्यों से इस युद्ध के लंबा खिंचने की आशंका बढ़ गई है। ऐसे भारत की भी चिंताएं बढ़ सकती हैं। ये चिंताएं कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, शेयर बाजार में गिरावट, माल ढुलाई की लागत बढ़ने, खाद्य वस्तुओं की महंगाई, भारत से बासमती चावल, चाय, मशीनरी, इस्पात तथा फुटवियर जैसे क्षेत्रों में निर्यात, निर्यात के लिए बीमा लागत में वृद्धि, पश्चिम एशिया में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा की चिंता तथा इजराइल और ईरान के सहित पश्चिम एशिया के अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार में कमी की आशंकाओं से संबंधित हैं।

उल्लेखनीय है कि ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच युद्ध का असर वैश्विक शिपिंग रूट्स पर भी पड़ सकता है, खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य पर। ईरान ने 33 किलोमीटर चौड़ा यह जल मार्ग रोक दिया है। यह वैश्विक यातायात का एक अत्यन्त महत्वपूर्ण मार्ग है। दुनिया को मिलने वाला करीब एक तिहाई तेल और खाद्य व कृषि उत्पादों का अधिकांश यातायात इसी मार्ग से होता है। ऐसे में इस क्षेत्र में शिपिंग बाधित होने से कच्चे तेल की ग्लोबल सप्लाई चेन प्रभावित हो सकती है। साथ ही इससे खाद्य पदार्थों, जैसे कि गेहूं, चीनी और अन्य कृषि उत्पादों की कीमतें बढ़ने लगेंगी। चूंकि भौगोलिक रूप से ईरान भारत का पड़ोसी क्षेत्र है और कच्चे तेल के लिहाज से भारत का करीब आधा कच्चा तेल इसी रास्ते से होकर आता है, ऐसे में यह युद्ध भारत के लिए कच्चे तेल संबंधी चिंता निर्मित करते हुए दिखाई दे रहा है। वजह यह है कि भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों के करीब 85 फीसदी तक आयात पर निर्भर है, अतएव कच्चे तेल के दाम में बढ़ोतरी भारत के आयात बिल की चिंता बढ़ा सकती है। स्थिति यह है कि युद्ध के तनाव के बीच 28 फरवरी को कच्चे तेल की कीमत 73 डॉलर प्रति बैरल के मूल्य स्तर पर पहुंच गई, जो सात माह का रिकॉर्ड मूल्य स्तर है। युद्ध के लंबा खिंचने पर कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार जा सकती है। ईरान दुनिया के सबसे बड़े कच्चा तेल उत्पादकों में से एक है और यह देश युद्धग्रस्त है। ऐसे में ईरान के तेल बाजार में अस्थिरता से कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ने पर पेट्रोल, डीजल और अन्य पेट्रोलियम उत्पाद महंगे होने लगेंगे। इसका असर भारत पर भी हो सकता है।

इस युद्ध से वैश्विक शेयर बाजार के साथ-साथ भारत के शेयर बाजार पर भी बड़ा असर पड़ने की आशंका है। इस युद्ध से भारत के शेयर बाजार में बड़ी संख्या में विदेशी निवेशकों के द्वारा जोखिम वाली संपत्तियां बेचने और बड़ी संख्या में निवेश निकालने की स्थिति दिखाई दे सकती है। सेंसेक्स और निफ्टी के लिए मार्च 2026 बड़ी गिरावट का महीना होगा। इस युद्ध के कारण निवेशक तेजी से सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने की खरीदी का भी

रुख करते हुए दिखाई देंगे। इससे वैश्विक स्तर के साथ-साथ भारत में भी सोने की खपत और सोने की कीमत और तेजी से बढ़ेगी। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच युद्ध के लंबा खिंचने पर पश्चिम एशिया में रहने वाले करीब 90 लाख भारतीयों की सुरक्षा भी भारत के लिए चिंता का कारण बन सकती है। इस युद्ध का प्रभाव भारत के वित्तीय बाजार पर भी पड़ सकता है और भारतीय रुपया कमजोर भी हो सकता है। लेकिन ईरान और इजराइल-अमेरिका युद्ध के बीच भारत के कई ऐसे मजबूत आर्थिक पक्ष हैं, जिनसे भारत के आम आदमी और भारतीय अर्थव्यवस्था को अधिक नुकसान नहीं होगा। खास बात यह है कि इस समय भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। भारत खाद्यान्न अतिशेष वाला देश है और देश के 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को निशुल्क खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। वर्ष 2025 में भारत में 35.70 करोड़ टन खाद्यान्न का उत्पादन हुआ था और इस वर्ष 2026 में रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन की संभावना है। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के पास केंद्रीय पूल में इस समय लगभग 182 लाख टन गेहूं उपलब्ध होने का अनुमान है। इसी तरह इस वित्त वर्ष 2025-26 के लिए निजी कंपनियों और व्यापारियों के पास लगभग 75 लाख टन गेहूं का स्टॉक मौजूद है। यह पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में करीब 32 लाख टन ज्यादा है। यह भी महत्वपूर्ण है कि रबी सीजन 2026 में गेहूं की बुवाई का रकबा बढ़कर 334.17 लाख हेक्टेयर हो गया है, जो पिछले साल 328.04 लाख हेक्टेयर था।

एक खास बात यह है कि भारत में महंगाई नियंत्रित है भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। महंगाई दर 4 प्रतिशत के लक्ष्य से नीचे है। थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर जनवरी 2026 में 1.81 प्रतिशत पर रही है। इसी तरह उपभोक्ता महंगाई दर 2.75 प्रतिशत रही है। भारत में महंगाई रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के निर्धारित लक्ष्य से भी कम है। निश्चित रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। यदि युद्ध से जरूरी दवाइयों की आपूर्ति में कोई कमी आती है, तो सरकार पीएलआई योजना के तहत दवाई उद्योग में काम आने वाले 35 प्रमुख कच्चे माल (एपीआई) का उत्पादन देश में ही तेजी से बढ़ाते हुए दिखाई दे सकेगी। इससे दवाइयों के दामों पर नियंत्रण रखा जा सकेगा। इस युद्ध के चलते वैश्विक तेल की कीमतों में आए उछाल पर भारत कच्चे तेल के किसी भी संकट से निपटने में सक्षम होगा। इस समय भारत के पास 74 दिनों की रणनीतिक कच्चा तेल भंडार उपलब्ध है। पहले भारत 27 देशों से कच्चा तेल खरीदता था, अब इन देशों की संख्या बढ़कर 39 हो गई है। इससे कुछ ही देशों से तेल खरीदने संबंधी जोखिम कम हो गया है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि आगामी वित्त वर्ष 2026-27 के बजट के तहत शीघ्र खराब होने वाले सामान की बाजार में समुचित आपूर्ति सुनिश्चित करने, महंगाई नियंत्रण व जरूरी दवाइयों की किफायती दाम पर आपूर्ति के लिए जो प्रभावी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, वे युद्ध की चुनौती के बीच भारत के आम आदमी को राहत देते हुए दिखाई दे सकेंगी।

हम उम्मीद करें कि सरकार ईरान और इजराइल-अमेरिका के युद्ध के दुर्भाग्यपूर्ण रूप से विस्तारित होने पर युद्ध से निर्मित आर्थिक चुनौतियों की आशंका के मद्देनजर ऐसी बहुआयामी रणनीति के साथ आगे बढ़ेगी, जिससे देश के आमजन व देश की अर्थव्यवस्था को ईरान और इजराइल-अमेरिका युद्ध के दुष्प्रभावों से बचाया जा सकेगा।

(लेखक वरिष्ठ अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

कूटनीति
महेन्द्र तिवारी

खामेनेई के बाद ईरान की रणनीति व भारत पर असर

अयातुल्लाह अली खामेनेई की मृत्यु और उसके बाद मोजतबा खामेनेई का सत्ता के केंद्र में आना ईरान के इतिहास का वह मोड़ है, जहां से वापसी का रास्ता केवल संघर्ष और रणनीतिक आक्रामकता से होकर गुजरता है। ईरान की आगामी रणनीति अब केवल अस्तित्व बचाने की नहीं, बल्कि अपने खोये हुए गौरव और नेतृत्व के अपमान का बदला लेने की है। अहमद वाहिदी जैसे कट्टरपंथी सैन्य रणनीतिकार के हाथों में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की कमान होने का सीधा अर्थ है कि ईरान अब 'रणनीतिक धैर्य' की नीति को त्यागकर 'प्रत्यक्ष प्रतिशोध' के युग में प्रवेश कर चुका है। मोजतबा खामेनेई के लिए चुनौती दोहरी हैः उन्हें न केवल अपने पिता की विरासत को सुरक्षित रखना है, बल्कि देश के भीतर पनप रहे असंतोष और बाहर से हो रहे सैन्य प्रहारों के बीच एक संतुलन बनाना है। ईरान की अगली चालों में सबसे महत्वपूर्ण उसका परमाणु कार्यक्रम होगा। अंतरराष्ट्रीय दबाव व हमलों के बावजूद, ईरान अब परमाणु हथियार की क्षमता को 'अंतिम सुरक्षा कवच' के रूप में देख रहा है। 2025-26 के इस कालखंड में ईरान का 90% तक यूरेनियम संवर्धन करना केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि एक भू-राजनीतिक ब्लैकमेलिंग का हथियार है, जो पश्चिम को सीधे टकराव से रोकने के लिए इस्तेमाल होगा। क्षेत्रीय स्तर पर, ईरान अपने 'एक्सिस ऑफ रेसिस्टेंस' यानी हिजबुल्लाह, हूती व हमास को नई ऊर्जा और आधुनिक हथियारों से लैस करेगा ताकि इजरायल-अमेरिकी ठिकानों पर दबाव बना रहे। होर्मुज जलडमरूमध्य की घेराबंदी ईरान का वह ब्रह्मास्त्र है, जिसे वह वैश्विक अर्थव्यवस्था को घुटनों पर लाने में इस्तेमाल कर सकता है।

इस भीषण उथल-पुथल के बीच भारत की स्थिति अत्यंत नाजुक और चुनौतीपूर्ण हो गई है। भारत के लिए ईरान केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि पश्चिम और मध्य एशिया तक पहुंचने का प्रवेश द्वार है। ईरान में इस तरह का नेतृत्व परिवर्तन और युद्ध की स्थिति भारत की 'स्ट्रेटेजिक ऑटोनोमी' यानी रणनीतिक स्वायत्तता की कड़ी परीक्षा है। भारत ने हमेशा से एक संतुलनकारी शक्ति की भूमिका निभाई है, जहां उसने एक तरफ इजरायल के साथ गहरे रक्षा संबंध बना रखे हैं, वहीं दूसरी तरफ ईरान के साथ चाबहार पोर्ट जैसे रणनीतिक निवेशों के जरिए अपनी कनेक्टिविटी को सुरक्षित किया है। खामेनेई के बाद यदि ईरान पूरी तरह से चीन और रूस के पाले में चला जाता है, जैसा कि वर्तमान संकेतों से लग रहा है, तो भारत के लिए अपनी स्वायत्तता बनाए रखना कठिन होगा। अमेरिका और इजरायल के साथ भारत की बढ़ती निकटता के बीच ईरान का नया कट्टरपंथी नेतृत्व नई दिल्ली को संदेह की दृष्टि से देख सकता है। यदि ईरान पर और कड़े प्रतिबंध लगते हैं या वह पूर्ण युद्ध में उलझता है, तो चाबहार बंदरगाह और 'इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर' जैसे प्रोजेक्ट ठंडे बस्ते में जा सकते हैं, जो भारत के लिए मध्य एशिया और यूरोप तक पहुंचने का सबसे छोटा और सस्ता रास्ता हैं। भारत की विदेश नीति के लिए यह वह समय है जब उसे 'गुटनिरपेक्षता 2.0' के सिद्धांतों पर चलते हुए यह सुनिश्चित करना होगा कि वह किसी एक पक्ष का मोहरा न बने। सामाजिक और सुरक्षा के दृष्टिकोण से देखें तो ईरान और पश्चिम के बीच बढ़ता तनाव भारत के भीतर के जनसांख्यिकीय संतुलन और प्रवासी सुरक्षा को भी प्रभावित करता है। पश्चिम एशिया में लाखों भारतीय काम करते हैं, जिनकी सुरक्षा और वहां से आने वाला प्रेषण भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यदि युद्ध फैला, तो उनकी सुरक्षित वापसी बड़ी लॉजिस्टिक चुनौती होगी।

अंततः, खामेनेई के बाद का ईरान एक ऐसा ज्वालामुखी है जिसके फटने का असर वाशिंगटन से लेकर नई दिल्ली तक महसूस किया जाएगा। मोजतबा खामेनेई और अहमद वाहिदी की जोड़ी ईरान को एक सैन्यीकृत धार्मिक शासन की ओर ले जा रही है, जो कूटनीति से अधिक शक्ति प्रदर्शन में विश्वास रखता है। भारत को ऐसे समयय में अपनी 'रणनीतिक स्वायत्तता' को ढाल बना अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करनी होगी, भले ही इसके लिए उसे कठिन कूटनीतिक फैसले लेने पड़ें। उसे चाहिए कि वह ईरान के नए नेतृत्व के साथ अनौपचारिक माध्यमों से संवाद बनाए रखे और साथ ही अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार को और मजबूत करे। ईरान का यह संकट वैश्विक व्यवस्था के पुनर्निर्धारण का संकेत है, और भारत को इस बदलती व्यवस्था में एक दर्शक के बजाय निर्णायक भूमिका निभानी होगी, ताकि उसकी ऊर्जा सुरक्षा और संप्रभुता पर आंच न आए। ईरान की अगली चालें केवल उसके भविष्य को ही नहीं, बल्कि भारत की रणनीतिक महत्वाकांक्षाओं को भी नई दिशा देंगी।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

कुंभकर्ण एवं रावण के पिछले जन्म का रहस्य

संकलित
दर्शन

सनक, सनंदन, सनातन तथा सनतकुमार भगवान विष्णु से मिलने वैकुंठ लोक गए। वहां उनके द्वारपाल जय-विजय ने उन्हें अंदर जाने से रोक दिया और उनका अपमान किया। इससे क्रुद्ध होकर चारों मुनि कुमारों ने जय-विजय को पृथ्वी लोक पर असुर के रूप में जन्म लेने का शाप दे दिया। ऋषि कुमारों द्वारा शाप मिलने पर दोनों द्वारपालों को अपनी गलती का अहसास हुआ। वे दोनों उनके चरणों पर गिरकर पश्चाताप करने लगे और अपने अपराध के लिए क्षमा मांगने लगे। उसी समय वहां देवी लक्ष्मी सहित विष्णु पधारे। चारों मुनि कुमारों ने उन्हें प्रणाम किया। जय-विजय ने भगवान विष्णु को सास वृत्तांत सुनाया और प्रार्थना करते हुए कहा, 'प्रभु हम पर दया करें। हमें शाप मुक्त करें।' भगवान विष्णु ने कहा, 'यह मेरे वश में नहीं है। ये चारों मुनि कुमार ही तुम्हें इस शाप से मुक्त कर सकते हैं।' मुनि कुमारों को दोनों द्वारपालों पर दया आ गई। उन्होंने जय-विजय से पूछा, 'आप सौ योनियों में जन्म लेकर भगवान विष्णु के भक्त बनकर जीने के बाद शाप मुक्त होना चाहेंगे या फिर तीन योनियों में भगवान के शत्रु बनकर जीने के बाद मुक्त होना चाहेंगे। दोनों ने कहा, 'सौ जन्म भगवान से दूर रहने की बजाय हम तीन जन्मों का ही चयन करेंगे।' जय और विजय ने असुरों के रूप में पहली योनि में हिरण्याक्ष तथा हिरण्यकशिपु, दूसरी योनि में कुंभकर्ण एवं रावण और तीसरी योनि में शिशुपाल तथा दंतवक्र के रूप में जन्म लिया। भगवान विष्णु ने नरसिंह, राम तथा कृष्ण का अवतार धारण कर उनका संहार कर शाप से मुक्ति दिलाई।

आपकी इच्छाशक्ति में सफलता का बीज

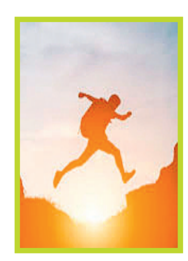

संकलित
प्रेरणा

दुर्बल इच्छाशक्ति एक सीमित इच्छाशक्ति है। जैसे ही कठिनाइयां और असफलताएं उसे नष्ट कर देती हैं, अनंत शक्ति के स्रोत से उसका संबंध टूट जाता है। अच्छे उद्देश्य के लिए इच्छाशक्ति के पीछे ईश्वर की इच्छाशक्ति होती है, जो कभी विफल नहीं हो सकती। यहां तक कि ईश्वर की इच्छाशक्ति को रोकने की शक्ति मृत्यु में भी नहीं है। जिस प्रार्थना के पीछे अनवरत इच्छाशक्ति हो, उस प्रार्थना का उत्तर प्रभु अवश्य देंगे। अधिकांश लोग जब कुछ ऐसा पाने की कोशिश कर रहे होते हैं, जिसका उनके लिए बहुत महत्व है, तो वे अत्यधिक अशांत या तनावग्रस्त हो जाते हैं। अधीर और अशांत कार्य ईश्वर की शक्ति को आकर्षित नहीं करते, परंतु इच्छाशक्ति का निरंतर शांत, शक्तिपूर्ण प्रयोग सृष्टि की शक्तियों को झकझोर देता है और अनंत से उत्तर प्राप्त करता है। आप जो कुछ भी करना चाहते हैं, उसकी सफलता का बीज आपकी इच्छाशक्ति में है। कठिनाइयों से बुरी तरह आहत हुई इच्छाशक्ति थोड़े समय के लिए पंगु हो जाती है, परंतु जो कृतसंकल्प मनुष्य यह कहता है, 'मेरा शरीर भले ही टूट जाए, परंतु इच्छाशक्ति रूपी मेरा सिर झुक नहीं सकता।' वह इच्छाशक्ति की सबसे बड़ी अभिव्यक्ति को प्रदर्शित करता है। इच्छाशक्ति ही आपको दिव्य बनाती है। जब आप उस इच्छाशक्ति का प्रयोग करना बंद कर देते हैं, तो आप नश्वर मानव बन जाते हैं। बहुत-से लोग कहते हैं कि हमें अपनी इच्छाशक्ति का प्रयोग परिस्थितियों को बदलने के लिए नहीं करना चाहिए।

अंतर्मन

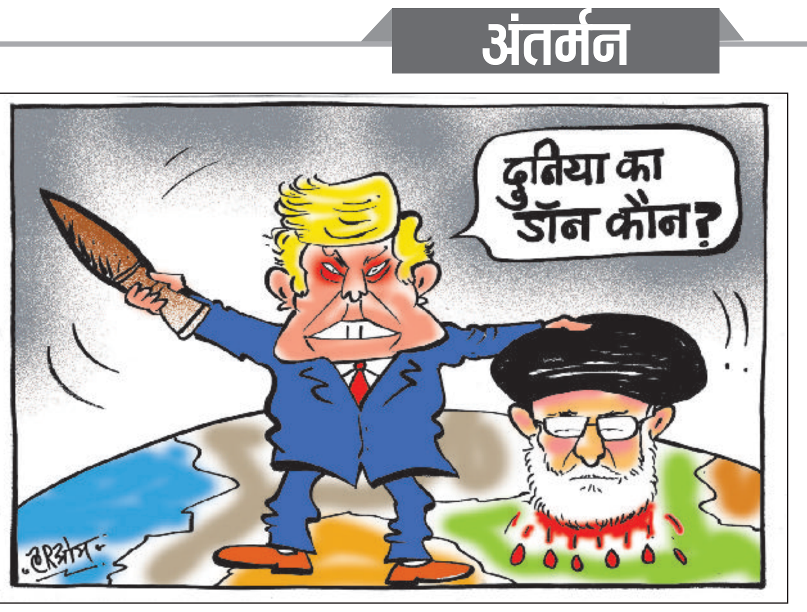

आज की पाती

शेयर धारकों को नुकसान

आजकल शेयर बाजार में गिरावट की खबरें सुर्खियों में हैं। इससे बहुत से लोगों को आर्थिक नुकसान भी हो रहा है। शेयर बाजार में ऐसी गिरावट काफी वर्षों बाद देखने को मिल रही है। इस गिरावट से बहुत से उन लोगों की उम्मीदें धराशायी हुई जिनका कारोबार ही शेयर बाजार पर निर्धारित है। शेयर कब औंधे मुंह गिरे, कोई पता नहीं, क्योंकि शेयर बाजार कंपनियों पर ही ज्यादा निर्भर होता है और कोई बड़ी कंपनी कब घाटे में चली जाए, यह पता नहीं चलता। दूसरा, शेयर बाजार दुनिया के किसी भी देश में होने वाले युद्ध से प्रभावित होते हैं। हमारे देश में कम लोग ही शेयर बाजार के बारे में जानते हैं, इसलिए यह कहना उचित होगा कि हमारे देश में शेयर बाजार में निवेश करना ही बेहतर विकल्प नहीं है। *– रमेश कुमार साहू, रायपुर*

ट्रेंड

अहम भूमिका निभाएगा तमिलनाडु

तमिलनाडु राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में निर्णायक भूमिका निभाएगा। हमारा सामूहिक लक्ष्य एक विकसित भारत के लिए एक विकसित तमिलनाडु है। तमिलनाडु एक तटीय राज्य है और इसमें विकास की अपार संभावनाएं हैं। लेकिन जब कांग्रेस और डीएमके पहले सत्ता में थीं, तब वे निष्क्रिय थीं। **-नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

ममता को हटाना चाह रही जनता

तृणमूल पश्चिम बंगाल की जनसांख्यिकी में बदलाव कर इसे 'पश्चिम बांग्लादेश' बनाना चाहती है। राज्य का हर सही सोच रखने वाला नागरिक अब अपनी सुरक्षा और अस्तित्व के लिए ममता बनर्जी की इस सरकार को हटाना चाहता है। **-धर्मेंद्र प्रधान,** केंद्रीय मंत्री

पिंक कार्ड से फ्री यात्रा

पिंक कार्ड से दिल्ली की महिलाओं को डीटीसी की बसों में मुफ्त यात्रा करने की सुविधा मिलेगी, साथ ही इसका उपयोग मेट्रो, क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली (आरआरटीएस) और अन्य सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में सशुल्क यात्रा के लिए भी किया जा सकेगा। **-रेखा गुप्ता,** सीएम, दिल्ली

पीएम को देश से मतलब नहीं

भाजपा ने एक साल के शासन में राष्ट्रीय राजधानी को बर्बाद कर दिया। यहां की सड़कें टूटी हुई हैं, पानी भी दूषित है और वायु प्रदूषण के कारण लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। प्रधानमंत्री का देश से कोई मतलब नहीं है। **-अरविंद केजरीवाल,** पूर्व सीएम, दिल्ली

करंट अफेयर

ईरान में सत्ता परिवर्तन के आसार कम

ईरान में गूंजे धमाकों ने पश्चिम एशिया को एक बार फिर युद्ध के मुहाने पर ला खड़ा किया है। अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमलों के बाद यह सवाल खड़ा हो गया है कि क्या यह कार्रवाई सिर्फ सैन्य दबाव है या ईरान में सत्ता परिवर्तन की शुरुआत। इन हमलों के पैमाने से आपको क्या संकेत मिलता है? मुझे लगता है कि इन बड़े हमलों और क्षेत्र में कई हफ्तों से तैनात जहाजों तथा कुछ सैनिकों के जरिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनका प्रशासन ईरान में सत्ता परिवर्तन की कोशिश कर रहा है। मेरा अनुमान है कि अगले कुछ दिनों तक और हमले हो सकते हैं। शुरुआत में वे उस पारंपरिक रणनीति को अपनाएंगे जिसमें सेना के कमांड और नियंत्रण प्रणाली यानी सैन्य नियंत्रण के मुख्य केंद्रों को निशाना बनाया जाता है। मीडिया में आ रही खबरों से हमें पहले ही पता लग गया है कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के आवास पर हमला किया गया है। यहां अमेरिका की रणनीतिक अंतिम योजना क्या है? सत्ता परिवर्तन करना आसान नहीं होगा। आज ट्रंप ने ईरानी जनता से सरकार को गिराने की अपील की है लेकिन यह बहुत कठिन काम है। बिना हथियारों के लोग उस शासन को मुश्किल गिरा पाएंगे जो बहुत कड़े नियंत्रण में है और जिसके पास भारी हथियार हैं।

ऑफ बीट

विकसित भारत 2047 युवाओं की आकांक्षाओं पर आधारित

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि 'विकसित भारत 2047' का विजन भारत के युवाओं की आकांक्षाओं में निहित है। उन्होंने विज्ञान, प्रौद्योगिकी और भविष्य के लिए तैयार नवाचार से होने वाले बदलावों के लिए एक व्यापक रूपरेखा प्रस्तुत की। सिंह ने शनिवार को यहां पांचवें पी. परमेश्वरन स्मृति व्याख्यान में इस बात पर जोर दिया कि 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में भारत की यात्रा सशक्त युवा प्रतिभाओं, एक मजबूत अनुसंधान प्रणाली और साहसिक नीतिगत सुधारों पर आधारित होगी। विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री ने कहा कि 'विकसित भारत' देश के युवाओं को समर्पित है और केंद्र सरकार ने युवा सशक्तिकरण को शासन के केंद्र में रखा है। सिंह ने प्रमुख योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए विश्वविद्यालयों व संस्थानों में अनुसंधान संस्कृति को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन की स्थापना, साथ ही अटल नवाचार मिशन और अटल टिंकरिंग लैब का उल्लेख किया, जो स्कूली विद्यार्थियों में वैज्ञानिक जिज्ञासा और नवाचार को बढ़ावा दे रहे हैं। केंद्रीय मंत्री के अनुसार, भारत ने वैश्विक नवाचार सूचकांक में उल्लेखनीय प्रगति की है, जो नवाचार और अनुसंधान के केंद्र के रूप में इसकी बढ़ती प्रतिष्ठा को दर्शाती है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

बिलासपुर

सोमवार 2 मार्च 2026

फाल्गुन शुक्ल पक्ष चर्तुदशी
वर्ष : 25, अंक : 339
पृष्ठ : 12+6 =18, मूल्य : 4.00***

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मौसम

अधि. 35.4
न्यून. 21.60

भारत टी-20 वर्ल्डकप के सेमीफाइनल में

5 मार्च को इंग्लैंड से मुकाबला होगा, वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराया, संजू के नाबाद 97 रन।

पायलट प्रोजेक्ट के जरिए जल्द कुपोषण मुक्त होगा प्रदेश: राजवाड़े

सूरजपुर में खुलेगा केंद्रीय विद्यालय उद्यानिकी व डाइट कालेज भी जल्द

हरिभूमि न्यूज ⏭ सूरजपुर

छत्तीसगढ़ सरकार की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा है कि प्रदेश जल्द ही कुपोषण मुक्त होगा और इसके लिए कई पायलट प्रोजेक्ट चलाए जा रहे हैं। बस्तर और सरगुजा के चार-चार जिलों को प्रथम चरण में इसमें शामिल करते हुए अतिरिक्त पोषण उपलब्ध कराया जा रहा है। विशेष तौर पर अधिकारियों की ड्यूटी इस योजना के लिए लगाई गई है। डे केयर के साथ ही दृष्टि और अस्थि बाधित केंद्र खोले जा रहे हैं।

खास खबर

सूरजपुर जिले में हुए हरिभूमि आईएनएच के जिला संवाद कार्यक्रम में प्रधान संपादक डॉ हिमांशु द्विवेदी ने महिला बाल विकास मंत्री से खास बातचीत की।

सूरजपुर। रविवार को शहर के साधुराम सेवाकुंज में हरिभूमि-आईएनएच के जिला संवाद कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते अतिथि।

महिला बाल विकास मंत्री से प्रधान सम्पादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी की चर्चा

डॉ.द्विवेदी- मंत्री पद की दौड़ में कई दिग्गज नेता थे, यह मौका आपको कैसे मिल गया ?

श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े: सच कहूं तो इस बारे में कभी कुछ सोचा नहीं था। विधानसभा में बडगांव क्षेत्र से जीत मिलने के बाद यह था कि बस अपनी जनता के लिए काम करना है। भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है और मेहनत और लगन का फल हमेशा मिलता है। मंत्री पद का दायित्व देने के लिए पार्टी को धन्यवाद देती हूं।

डॉ. द्विवेदी: मंत्री बनने के बाद क्या कुछ बदल गया आपके जीवन में ?

श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े: दायित्व बदला है और इसे स्वीकार करना होगा। विधायक रहते हुए सिर्फ अपने भटगांव क्षेत्र की जनता के लिए काम करना था। अब जब महिला और बाल विकास मंत्री का दायित्व मिला है तो यह पूरे राज्य के 90 विधानसभा क्षेत्र के लिए है। राज्य सरकार की योजनाएं इन क्षेत्रों तक पहुंच सकें उसके लिए पूरा काम किया जा रहा है। लोगों की अपेक्षाएं और उम्मीदें होती हैं। शिक्षा स्वास्थ्य पर भी बेहतर काम हो रहा है।

डॉ. द्विवेदी: आप भटगांव क्षेत्र से हैं , मंत्री बनने के बाद विधानसभा को क्या मिला ?

श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े: पिछले 2 सालों में भटगांव क्षेत्र में काफी काम हुए हैं। केंद्र और राज्य की योजनाओं को भी इस दूरस्थ अंचल तक पहुंचाया जा रहा है। क्षेत्र में सड़कों पर खास तौर पर काम हो रहा है। प्रधानमंत्री सड़क योजना के तौर पर 33 काम स्वीकृत हुए हैं और कई का काम तेजी से जारी हैं। इससे पहले जिन भी क्षेत्र में कोई भी जनप्रतिनिधि नहीं पहुंच पाता था वहां मैं बाइक से गई हूं। लोगों की समस्याओं को सुनकर और समझकर काम कराया जा रहा है। सड़क, नाली, पानी, बिजली के साथ आवास स्वीकृत कराए गए हैं। भैयाथान चांदनी बिहार और दूसरे क्षेत्र के लिए इस बजट में भी राशि मिली है।

डॉ. द्विवेदी: विधानसभा क्षेत्र से आपको 44 हजार से अधिक मतों से जीत मिली है यह हुआ कैसे ?

श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े: मुझे लगता है कार्यकर्ताओं की मेहनत और व्यक्तिगत व्यवहार इसमें बहुत काम आया है। इसके साथ थी पिछले 5 सालों में कांग्रेस के कामों से लोग तंग आ चुके थे और बदलाव का पूरा मन बना चुके थे। इसका भी पूरा फायदा मिला। साथी जनता को यह विश्वास दिलाया गया कि भाजपा की सरकार लोगों के हित में काम करती है और लोक कल्याणकारी योजनाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचती है। साथ ही कांग्रेसी उम्मीदवार इससे पहले दो बार विधायक रह चुके थे तो उनके प्रति नाराजगी भी स्वाभाविक थी।

डॉ. द्विवेदी: सूरजपुर जिले की पिछले 2 सालों में क्या स्थिति है?

श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े: इसे बिल्कुल स्वीकार करना होगा कि सूरजपूर जिले में अभी और विकास कार्य किए जाने हैं। हमने 2 सालों में फिर भी बहुत काम किया है। केंद्रीय विद्यालय खुलने वाला है ⏭ शेष पेज 6 पर

आज मध्यरात्रि पश्चात ही कर सकेंगे होलिका दहन, लेकिन कल नहीं खेलेंगें रंग

भद्रा-ग्रहण के रंग एक संग...संध्या 5.56 से भद्रा का साया, दहन के लिए मिलेगा केवल 1 घंटा 10 मिनट

रायपुर। इस बार होली भद्रा और ग्रहण के रंग में रंग गई है। रंगोत्सव के दिन जहां वर्ष का प्रथम चंद्रग्रहण लगने जा रहा है, तो वहीं होलिका दहन के दिन भद्रा का साया रहेगा। दहन पूर्णिमा तिथि पर किए जाने का प्रावधान है, इसलिए दहन 2 मार्च को ही होगा। आज शाम 5:45 बजे से भद्राकाल ⏭ शेष पेज 6 पर

- **फाल्गुन पूर्णिमा-** 2 मार्च शाम 5.56 मिनट से 3 मार्च- शाम 5.8 मिनट
- **भद्रा काल-** 2 मार्च- शाम 5.56 मिनट से 3 मार्च सुबह 5:23 तक
- **चंद्रग्रहण-** 3 मार्च- दोपहर 3.20 मिनट से 6.47 मिनट तक
- **चंद्रग्रहण का सूतक-** 3 मार्च-सुबह 9.27 मिनट से संध्या 6.48 तक

SIKSHA 'O' ANUSANDHAN

SAAT-2026

Empowering students for a brighter future

LAW PROGRAMMES
- B.A. LL.B. (H) - Integrated
- BBA LL.B. (H) - Integrated
- LL.B. (H) - 3 Years
- LL.M. - 1 Year

APPROVAL & RECOGNITIONS
- Approved by UGC and BCI
- Re-accredited by NAAC with A++ Grade
- Granted with Category-1 Graded Autonomy by UGC

NIRF INDIA RANKINGS 2025
- 10th Best in Law Category
- 15th Best in University Category

INTERNATIONAL RANKINGS 2026
- Ranked in QS World Rankings 2026
- Ranked in Times World Rankings 2026

To apply for admission through SAAT, Please visit: www.soa.ac.in

शिमला। उत्तराखंड में होली का त्योहार अपने अनूठे अंदाज में मनाया जाता है, लेकिन राज्य के कई गांव ऐसे भी हैं जहां रंगों का यह पर्व नहीं मनाया जाता। यहां के लोगों का मानना है कि होली खेलने से उनके कुलदेवता नाराज हो जाते हैं और प्राकृतिक आपदा का खतरा पैदा हो सकता है।

उत्तराखंड के 125 गांवों में नहीं खेली जाती होली, कुलदेवता के प्रकोप का डर

पिथौरागढ़ जिले में बसे हैं ये गांव

पिथौरागढ़ जिले के तल्ला डारमा, तल्ला जोहार और बागेश्वर जिले के मल्ला दानपुर क्षेत्र के लगभग 125 से अधिक गांवों में रंग वाली होली नहीं खेली जाती। ये इलाके कुमाऊं मंडल के दुर्गम, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध क्षेत्र हैं। यहां के निवासी न केवल होली से दूरी बनाए रखते हैं, बल्कि कुछ इलाकों में पूजा-पाठ के दौरान रंगीन कपड़े पहनने से भी परहेज किया जाता है।

क्यों नहीं मनाई जाती होली

स्थानीय मान्यताओंके अनुसार, इन गांवों के कुलदेवताओं को होली के रोमांटिक या फिल्मी गीत पसंद नहीं हैं। ग्रामीणों का मानना है कि अगर वे होली खेलेंगे तो कुलदेवता नाराज हो जाएंगे और प्राकृतिक आपदाओं का प्रकोप झेलना पड़ सकता है। सामा इलाके के एक दर्जन से अधिक गांवों में भी यही धारणा प्रचलित है कि रंग खेलने पर कुलदेवता प्राकृतिक आपदा के रूप में दंड देते हैं।

कैसे पहुंचा कुमाऊं में होली का त्योहार : जानकारों के मुताबिक, 14वीं शताब्दी में चंपावत के चांद वंश के राजा होली त्योहार को कुमाऊं क्षेत्र में लेकर आए थे। राजाओं ने ब्राह्मण पुजारियों के माध्यम से इसकी शुरुआत कराई। जिन क्षेत्रों में उन पुजारियों का प्रभाव पड़ा, वहां होली का प्रसार हुआ। जिन गांवों में आज भी होली नहीं मनाई जाती, वे ऐसे क्षेत्र हैं जहां सनातन परंपराएं पूरी तरह नहीं पहुंच पाईं।

चिपला केदार के श्रद्धालु भी नहीं खेलते होली

पिथौरागढ़जिले के तल्ला जोहरा क्षेत्र में चिपला केदार देवता में आस्था रखने वाले कई गांवों में भी होली नहीं खेली जाती। मान्यता है कि चिपला केदार न केवल रंगों से, बल्कि होली के रोमांटिक गीतों से भी नाराज हो जाते हैं। यहां देवता की पूजा और यात्रा के दौरान रंगीन कपड़े पहनने की भी अनुमति नहीं है। पुजारियों समेत सभी श्रद्धालु पूजा के समय केवल सफेद कपड़े पहनते हैं।

काशी में जलती चिताओं की भस्म से खेली गई होली

काशी के मणिकर्णिका घाट पर जलती चिताओं की राख से होली खेलते नागा साधु-संन्यासियों का नजारा शनिवार को मसाने होली में देखने को मिला। साधु-संन्यासी मणिकर्णिका घाट पहुंचे और पूजन किया। कोई गले में नरमुंडों की माला डाले था, तो कोई डमरू की थाप पर नाचता दिखाई दिया। मसाने की होली खेलने के लिए विदेशियों सहित 3 लाख से ज्यादा श्रद्धालु और पर्यटक काशी पहुंचे थे।

गोकुल की गोपियों ने खेली छड़ी मार होली : मथुराः गोकुल में धूमधाम से कन्हैया जी का डोला निकालकर छड़ीमार होली मनाई गई। देश-विदेश से आए हजारों लोग इस होली के साक्षी बने, गोपियों से उन्होंने भी छड़ी खाई और जमकर आनंद उठाया। मान्यता है कि कृष्ण के बाल स्वरूप को चोट न लगे, इसलिए यहां लाठियों की जगह छड़ियों से होली खेली जाती है।

खबर संक्षेप

पीलीभीत बाघ अभयारण्य में मिला बाघ का शव

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश में पीलीभीत बाघ अभयारण्य की माला रेंज में एक वयस्क नर बाघ मृत अवस्था में पाया गया। वन विभाग ने मामले को संदिग्ध मानते हुए जांच शुरू कर दी है।
डीएफओ ने बताया कि बाघ के शव को पोस्टमार्टम के लिए बरेली भेजा जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो सकेगा। प्रारंभिक जांच में बाघ के शरीर पर किसी बाहरी चोट के स्पष्ट निशान नहीं पाए गए हैं। डीएफओ के अनुसार, सामान्यतः बाघों की मृत्यु आपसी संघर्ष या शिकार के कारण होती है, लेकिन शरीर पर घाव न मिलने से वन विभाग इस मामले को संदिग्ध मान रहा है।
उन्होंने बताया कि 'प्रोजेक्ट टाइगर' के नोडल अधिकारी भी घटनास्थल का दौरा करेंगे, ताकि सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी में किसी संभावित चूक की जांच की जा सके। मौत के सही कारणों की पुष्टि के लिए बाघ का पोस्टमॉर्टम बरेली स्थित भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) में कराया जाएगा। डीएफओ भरत कुमार डीके ने बताया कि रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि बाघ की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई या इसके पीछे कोई अन्य वजह है। रविवार को प्रोजेक्ट टाइगर के नोडल अधिकारी भी मौके का दौरा करेंगे।

अमेरिका की सीआईए ने ट्रैक किया और इजरायल ने उड़ा दिया

ट्रंप और नेतन्याहू का 'सीक्रेट मिशन'

इजरायल ने शनिवार तड़के हवाई हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को मार डाला। ईरान ने भी खामेनेई के मौत की पुष्टि की है और 40 दिनों के राष्ट्रव्यापी शोक का ऐलान किया है। अमेरिका की सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी (सीआईए) ने ईरानी लीडरशिप की एक हाई-लेवल मीटिंग को ट्रैक किया और फिर इजरायल ने टारगेट पर हमला किया। अमेरिकी-इजरायली एक्शन से ईरान लहूलुहान हो गया और कई देशों के अमेरिकी एयरबेस पर ताबड़तोड़ मिसाइलें दाग दीं।

एजेंसी ▶▶ तेहरान

अमेरिका-इजरायल की ओर से शनिवार को हुए ईरान पर हमले की नींव दिसंबर के आखिर में पड़ी, जब इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मार-ए-लागो में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की। उस समय ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शन शुरू ही हुए थे और यह साफ नहीं था कि वे कितने बड़े बनेंगे। नेतन्याहू ने पिछली संयुक्त सैन्य कार्रवाई के बाद अगली रणनीति पर चर्चा की, जो मुख्य रूप से ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता पर केंद्रित थी और मई के आसपास की योजना थी, लेकिन कुछ ही दिनों में हालात बदल गए।

ईरानी अटैक में 3 अमेरिकी सैनिकों की मौत, इजरायल में 8 लोग मरे

ईरानी सरकार ने सख्ती से प्रदर्शन दबा दिए और हजारों लोगों के मारे जाने की खबरें आईं। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'मदद पहुंचने वाली है' और प्रदर्शनकारियों से सरकारी संस्थानों पर कब्जा करने की अपील की। 14 जनवरी को ट्रंप हमले का आदेश देने ही वाले थे, लेकिन उन्होंने कदम पीछे खींच लिया। इसके बजाय उन्होंने मिडिल ईस्ट में बड़ी सैन्य तैनाती की और इजरायल के साथ एक संयुक्त ऑपरेशन की गुप्त योजना बनानी शुरू की। आने वाले हफ्तों में मोसाद प्रमुख, इजरायली सैन्य खुफिया प्रमुख और आईडीएफ चीफ ऑफ स्टाफ वॉशिंगटन गए। वहीं 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' और 'ऑपरेशन रोअरिंग लायन' की रूपरेखा तैयार की गई। इसी दौरान ट्रंप ने यह भी परखा कि क्या सैन्य दबाव के जरिए ईरान से उनकी शर्तों पर समझौता कराया जा सकता है। फरवरी की शुरुआत में अमेरिका और ईरान के बीच ओमान में मुलाकात हुई। कुछ दिन बाद नेतन्याहू वॉशिंगटन पहुंचे ताकि बातचीत और संभावित संयुक्त हमले पर चर्चा हो सके।

ट्रंप के दूत जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ को शुरुआत से ही समझौते की संभावना कम लग रही थी, लेकिन उन्होंने बातचीत जारी रखी। ईरान को साफ बता दिया गया था कि अगर जल्दी ठोस प्रगति नहीं हुई तो सैन्य कार्रवाई होगी। जिनेवा बैठक से एक हफ्ते पहले अमेरिका और इजरायल ने हमले की संभावित तारीख तय कर ली थी- वही शनिवार, जब खामेनेई अपने सरकारी परिसर में नियमित बैठक करते थे। चुनौती यह थी कि उन्हें शक न हो और वे अंडरग्राउंड बंकर में न चले जाएं। एक इजरायली खुफिया अधिकारी के मुताबिक, मीडिया में खामेनेई की हत्या की संभावना वाली खबर से कुछ चिंता जरूर हुई, लेकिन उन्होंने अपनी योजना नहीं बदली।

वॉशिंगटन में बनी 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' और 'ऑपरेशन रोअरिंग लायन' की रूपरेखा

तीन मुद्दों पर नहीं बन पाई समिति

न्यूक्लियर प्रोग्रामः अमेरिका ने ईरान को नागरिक परमाणु कार्यक्रम के लिए मुफ्त ईंधन देने का प्रस्ताव दिया, बशर्ते वह यूरेनियम संवर्धन छोड़े. ईरान ने इनकार कर दिया.
बैलिस्टिक मिसाइल प्रोग्रामः ईरान ने अपनी मिसाइल क्षमता पर चर्चा से मना कर दिया।
क्षेत्रीय गुटों को फंडिंगः ईरान ने क्षेत्रीय मिलिशिया समूहों को मिलने वाली मदद पर भी बात नहीं की।

ईरान ने इन देशों को बनाया निशाना

- संयुक्त अरब अमीरात – दुबई और अबू धाबी क्षेत्र में मिसाइलें फायर
- बाहरैन – सेवा केंद्र और अमेरिकी नौसेना बेस पर मिसाइल का हमला।
- कुवैत – रक्षा प्रधान क्षेत्रों और अमेरिकी ठिकानों को निशाना।
- कतर – अमेरिकी एयर बेस सहित अन्य ठिकानों पर हमले का दावा।
- जॉर्डन – मिसाइलें पहुँचीं और इंटरसेप्ट भी हुईं।
- इज़राइल – मिसाइलें भेजने की भी खबरें हैं।
- साइप्रस की दिशा में मिसाइलें – ब्रिटेन के मिलिट्री बेस के पास मिसाइलें दागी गईं

जिनेवा की अंतिम बातचीत

गुरुवार को कुशनर और विटकॉफ जिनेवा पहुंचे। उन्हें पहले से अंदेशा था कि समझौता मुश्किल है, लेकिन उन्होंने बैठक की ताकि ईरान को लगे कि कूटनीति जारी है। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा, बातचीत का नियम है कि जल्दी समझ आ जाना चाहिए कि समझौता संभव है या नहीं। बैठक में ईरान अमेरिकी रुख के करीब भी नहीं आया।
आखिरी घंटे- जिनेवा के बाद ओमान के विदेश मंत्री वॉशिंगटन पहुंचे और आखिरी कोशिश की, लेकिन तब तक ट्रंप फैसला कर चुके थे। जब शुक्रवार को एक अरब अधिकारी ने विटकॉफ से पूछा कि क्या कोई हमला संभव है, तो उन्होंने सवाल को टाल दिया।
शनिवार सुबह खामेनेई ने अपने सहयोगियों की बैठक बुलाई, जैसा अनुमान था। उसी समय तेहरान में दो अन्य सुरक्षा बैठकों भी चल रही थीं।

भारत की उड़ानों पर भारी असर, 350 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द

अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमलों और खाड़ी क्षेत्र में एयरस्पेस बंद होने के बाद परिचालन बाधाएं दूसरे दिन भी जारी रहीं, जिसके चलते रविवार को इंडियन एयरलाइंस ने 350 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दीं। हवाई क्षेत्र बंद होने और सुरक्षा चिंताओं के चलते एयर इंडिया और इंडिगो ने भी उन उड़ानों को रद्द कर दिया जो इन एयरस्पेस का इस्तेमाल करती हैं। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने रविवार को एक्स पर पोस्ट कर बताया, मध्य पूर्व में चल रही जंग से उत्पन्न एयरस्पेस प्रतिबंधों के मद्देनजर 1 मार्च को भारतीय घरेलू एयरलाइंस द्वारा संचालित कुल 350 उड़ानें रद्द की गई हैं। इससे पहले रात में मंत्रालय ने एक्स पर कहा था कि ईरान और मध्य पूर्व के कुछ हिस्सों के ऊपर एयरस्पेस प्रतिबंधों के कारण रविवार को 444 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द होने की संभावना है। मंत्रालय ने 28 फरवरी को बताया था कि घरेलू एयरलाइंस की 410 उड़ानें रद्द हुई थीं।

ट्रंप का दावा, बोले- नया ईरानी नेतृत्व करना चाहता है बातचीत

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को दावा किया कि ईरान के खिलाफ जारी सैन्य ऑपरेशन में अब तक ईरान के 48 राजनीतिक और सैन्य लीडर्स को मार गिराया गया है. उन्होंने इस सैन्य अभियान को बेहद सफल बताते हुए कहा कि इसकी प्रगति उम्मीद से कहीं तेज है। ट्रंप ने एक चैनल से बातचीत में कहा, कोई भी हमारी सफलता पर यकीन नहीं कर सकता. एक ही झटके में 48 नेता खत्म हो गए हैं और अभियान बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। ट्रंप ने एक अलग बातचीत में कहा कि ईरान में अमेरिका की सैन्य कार्रवाई शेड्यूल से आगे है और बहुत अच्छी तरह आगे बढ़ रही है. राष्ट्रपति ट्रंप ने ये भी दावा किया कि ईरान का नया नेतृत्व अमेरिका से बातचीत के लिए संपर्क में है और उन्होंने संवाद के लिए सहमति दे दी है।

दुबई और शारजाह में ईरानी ड्रोन्स का कोहराम

ईरान ने संयुक्त अरब अमीरात पर ताबड़तोड़ हमला किया है। हमले के दूसरे दिन ईरान ने यूएई के शारजाह शहर को निशाना बनाया और इसे बैलेस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से पाट दिया. ईरानी हमले के बाद शारजाह में कई जगहों पर धुएं का गुबार निकलता देखा गया। यूएई के दूसरे बड़े शहर दुबई में भी दूसरे दिन ऐसा ही मंजर दिखा. और कई स्थानों पर ईरान ने हमला किया। शारजाह में एक शॉपिंग मॉल पर ईरानी शाहेद ड्रोन का मलबा गिरा। रिपोर्ट में मॉल के पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो जाने की खबर सामने आई है। शारजाह में एक बड़ा स्टोर हाउस भी इस ड्रोन्स के चपेट में आ गया। दुबई में रविवार को दिन भर धमाके होते रहे। ईरानी हमलों की वजह से दुबई में जेबेल अली पोर्ट में आग लग गई। पाम जुमेराह पर फेयरमॉन्ट होटल और बुर्ज अल अरब को हमले से नुकसान हुआ और यहां आग लग गई।

सिक्किम में ट्रक खाई में गिरा, तीन की मौत

गंगटोक। सिक्किम के ग्यालशिंग जिले में रविवार तड़के एक ट्रक खाई में गिर गया, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, ट्रक निर्माण सामग्री लेकर डेंटम से ग्यालशिंग जा रहा था, तभी टिकजेक वीर में यह हादसा हो गया।
पुलिस ने बताया कि ट्रक चालक प्रदीप छेत्री (40) और

घाटी को आतंकवाद मुक्त करें

समाज कट्टरपंथ के प्रति सतर्क रहे: राज्यपाल सिन्हा

एजेंसी ▶▶ जम्मू

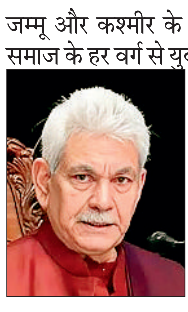

जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को समाज के हर वर्ग से युवाओं को कट्टरपंथी बनाने की कोशिश करने वाले और आतंकी तंत्र को बनाए रखने के प्रयास करने वाले तत्वों के प्रति सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने योग्यता के आधार पर चयन की बात भी की और आतंकवाद मुक्त जम्मू और कश्मीर बनाने के लिए सामूहिक प्रयास का आह्वान किया। पिछले कुछ वर्षों में शांति के क्षेत्र में हितधारकों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है, और अब अधिकांश आबादी स्थिरता और समृद्धि को प्राथमिकता दे रही है। सिन्हा ने फेडरेशन ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 'आत्मनिर्भर भारत' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, आज जम्मू-कश्मीर वंदे मातरम जैसे राष्ट्रीय एकता कार्यक्रमों में अग्रणी बनकर उभरा है। इस प्रगति को बाधित करने का सपना देखने वालों को नई वास्तविकता को स्वीकार करना होगा। इस अवसर पर उप राज्यपाल ने व्यापार रत्न सम्मान से लोगों को सम्मानित किया।

आतंकी सोच वालों से रहें सावधान

'समाज के हर वर्ग को उन तत्वों के प्रति सतर्क रहना चाहिए जो युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और आतंकी तंत्र को कायम रखने की कोशिश कर रहे हैं। सिन्हा ने गांवों और कस्बों में काम करने के तरीकों में क्रांति लाने, जीवन यापन को सुगम बनाने और व्यापार सुगमता के प्रयासों को रेखांकित किया और जम्मू-कश्मीर को एक वास्तविक बाजार शक्ति में स्थापित करने का संकल्प लिया।
लघु उद्यम घाटी की अर्थव्यवस्था के आधार- उन्होंने कहा,"लघु एवं सूक्ष्म उद्यम अब जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था का आधार हैं। हमने युवाओं और महिलाओं के लिए नए अवसर सृजित किए हैं, हजारों लघु एवं सूक्ष्म विनिर्माण उद्यम शुरू किए हैं जो परिवारों का भरण-पोषण करते हैं तथा समाज को स्थिरता प्रदान करते हैं। ये केंद्रशासित प्रदेश के व्यावसायिक परिदृश्य को आकार दे रहे हैं। जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी किए जाने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 2019 के बाद हुए ऐतिहासिक बदलाव और क्रांतिकारी प्रगति ने औद्योगिक विकास और लघु एवं मध्यम उद्यमों को नया आकार दिया है।

भाजपा के सत्ता से बाहर होने की उलटी गिनती शुरू- केजरीवाल

एजेंसी ▶▶ पुडुचेरी

दिल्ली की एक अदालत द्वारा आबकारी नीति मामले में आरोपमुक्त किए जाने के 48 घंटे बाद, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी के सत्ता से बाहर जाने की उलटी गिनती शुरू हो गई है। यहां जंतर-मंतर पर पार्टी की एक रैली को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने प्रधानमंत्री और शाह पर आबकारी नीति मामले में उन्हें फंसाने की साजिश रचने का आरोप लगाया। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भाजपा के 12 वर्षों के शासन में सभी क्षेत्रों का बुरा हाल हो गया है और सड़कों, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और स्वच्छता जैसी बुनियादी सुविधाओं की स्थिति खराब हो गई है। प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत' दृष्टिकोण पर निशाना साधते हुए केजरीवाल ने कहा कि लोग 'रहने योग्य भारत' चाहते हैं और उन्होंने मोदी द्वारा संबोधित 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम पर भी तंज कसते हुए कहा कि उन्हें 'नाटक' बंद करना चाहिए और परीक्षाओं में पेपर लीक को रोकने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

अदालत ने मेरी ईमानदारी को साबित किया

अदालत ने अपने हालिया 'ऐतिहासिक' फैसले में साबित कर दिया है कि वह /"कट्टर ईमानदार/" व्यक्ति हैं। दिल्ली की एक अदालत ने दो दिन पहले ही कथित आबकारी नीति मामले में अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और 21 अन्य को बड़ी राहत प्रदान की। कई राज्यों से आए पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं की सभा को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री को हर किसी से डर लगता है। उन्होंने कहा कि जब एक तानाशाह डरता है, तो यह उसके शासन के अंत का संकेत होता है।
भाजपा ने राष्ट्रीय राजधानी को बर्बाद कर दिया- केजरीवाल ने दिल्ली की भाजपा सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि पार्टी ने अपने एक साल के शासन में राष्ट्रीय राजधानी को बर्बाद कर दिया है, यहां की सड़कें टूटी हुई हैं, पानी की आपूर्ति दूषित है और वायु प्रदूषण के कारण लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। प्रधानमंत्री का देश से कोई मतलब नहीं है, वह केवल 'साजिशों' और मतदाता सूची में हेरफेर के जरिए सत्ता की ओर बढ़ रहे हैं।

राशिफल

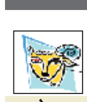
मेष – किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी।

वृष – धैर्यशीलता में कमी भी हो सकती है। संयत रहें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन के रखरखाव एवं वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ सकते हैं।

मिथुन – माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। लाभ में वृद्धि होगी।

कर्क – मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कुछ चिंता परेशान भी हो सकती हैं। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

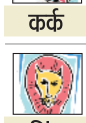
सिंह – आत्मविश्वास में कमी रहेगी। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है।

कन्या – आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

तुला – कला एवं संगीत में रुचि रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार होगा। कारोबार में भाग-दौड़ बढ़ेगी, परन्तु स्वास्थ्य के प्रति सचेत भी रहे।

वृश्चिक – संयत रहें। क्रोध से बचें। बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है।

धनु – आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन अशान्त भी रहेगा। आत्मसंयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।

मकर – माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। कारोबार से लाभ में वृद्धि होगी।

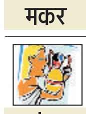
कुंभ – आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। फिर भी धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में सन्तुलित भी रहें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है।

मीन – आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत रहें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। पिता का साथ मिलेगा। किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है।

शब्द पहेली - 6154

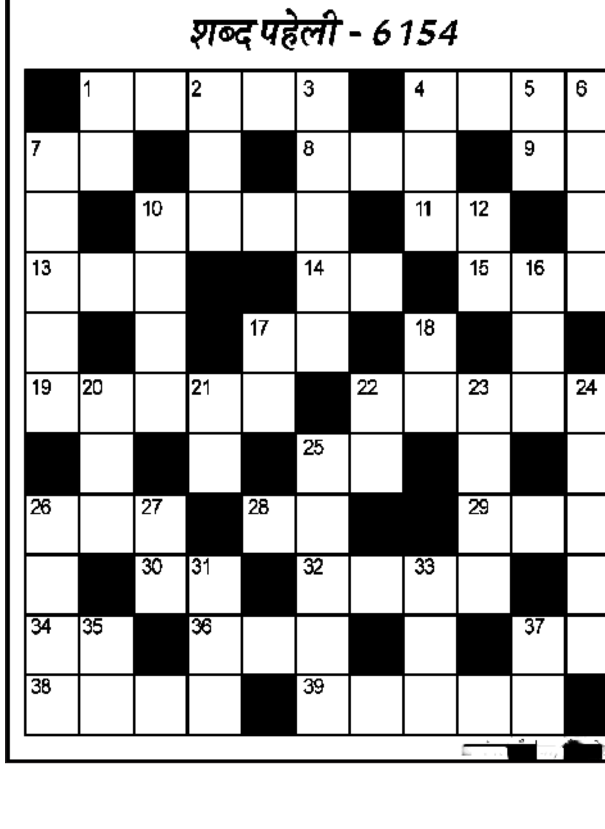

बाएँ से दाएं-
1.दयालु,उदार-5
4.गगन,आकाश-4
7.सरिता-2
8.चोगा,गाऊन-3
9.छुट्टी,अवकाश-2
10.आबे हयात,काबा कूप-4
11.रिहा-2
13.खाना,भोजन करना-3
14.जिद-2
15.हिम्मत,बल-3
17.कारागार-2
19.रइसे आजम,सूरी-5
22.दुत्कारना,डांटना-5
25.सराबोर-2
26.भोर,सवेरा-3
28.मूल्य,कीमत-2
29.महीन,बहुत छोटा-3
30.फूंक,दम,सुट्टा -2
32.झंकार,प्रतिध्वनि-4
34.उष्णता,ज्वर-2
36.ओट,चिलमन-3
37.छोटा टुकड़ा-2
38.सराबोर,सना हुआ-4
39.निर्माता,रचना करने वाला-5

ऊपर से नीचे
1.कैदी,बंधक-2
2.मुलायम-3
3.यात्री पोत,तैरता होटल-5
4.उर्दू में अभिवादन-3
5.पिटाई,चोट-2
6.नाजुकता-4
7.नया जीवन-5
10.मर्यादा-4
12.खाली,रिक्त-2
16.लाईन,पंक्ति-3
17.गर्मी का महीना-2
18.उदर-2
20.दीनहीन,दरिद्र-3
21.लश्कर,फौज-2
22.नष्ट,अद्वैतभाव-2
23.व्यवसाय,धंधा-4
24.नाम रखना -2,3
25.होशियार-5
26.सुर आलाप-2,2
27.अधिकार-2
31.प्रतिज्ञा-3
33.आकांक्षा,अभिलाषा-3
35.राह,मार्ग-2
37.टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली - 6153 का हल

सूडोकु नवताल 6164

★★★★☆ कठिन

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल 6163 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

सोलर पैनल से ज्यादा उत्पादन होने पर 2.60 रुपए प्रति यूनिट की दर से बिजली खरीदेगी पॉवर कंपनी

पॉवर कंपनी से मिलने वाली बिजली के दाम पांच रुपए और इससे ज्यादा

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में सोलर पैनल लगाने वालों का बिजली उत्पादन अगर ज्यादा होता है तो उनकी बिजली छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी 2.60 रुपए प्रति यूनिट के हिसाब से खरीदेगी। इसका हिसाब साल में एक बार होगा और उपभोक्ता की ज्यादा बिजली होने पर उनको पैसा मिलेगा। जहां तक पॉवर कंपनी से मिलने वाली बिजली का सवाल है तो सौ यूनिट की खपत करने पर करीब पांच रुपए यूनिट तक लग जाते हैं। ज्यादा खपत पर ज्यादा पैसे देने पड़ते हैं।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत बिजली के उपभोक्ता सोलर पैनल लगातर अपने घरों की छत पर बिजली का उत्पादन कर रहे हैं। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार से सब्सिडी भी दी जा रही है। जहां तीन किलोवाट के

लिए केंद्र सरकार से 78 हजार की सब्सिडी मिल रही है, वहीं राज्य सरकार भी इसके लिए 30 हजार रुपए दे रही है। तीन किलोवाट का सोलर पैनल लगाने की लागत करीब एक लाख 80 हजार तक आती है। ऐसे में उपभोक्ता को अपनी जेब से 70 से 72 हजार ही लगाने पड़ रहे हैं।

पॉवर कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि एक किलो वाट के सोलर पैनल में रोज करीब चार यूनिट बिजली बनती है। एक किलोवाट में 120 यूनिट बिजली मिल जाती है। ऐसे में तीन किलोवाट का सोलर पैनल लगाने पर 360 यूनिट बिजली का उत्पादन होता है। आमतौर पर जिनकी जितनी खपत है उसके हिसाब से ही उपभोक्ता सोलर पैनल का चयन करते हैं। लेकिन पॉवर कंपनी ज्यादा बिजली को खरीद भी रही है तो ऐसे में उपभोक्ता खपत से ज्यादा बिजली का उत्पादन करने के लिए भी सोलर लगा रहे हैं। पांच किलोवाट का सोलर पैनल भी लगाया जा रहा है।

अगर किसी उपभोक्ता की बिजली की खपत हर माह दो सौ यूनिट ही है और उसने तीन किलो वाट का सोलर पैनल लगाया है तो इसकी 12 से 15 सौ यूनिट की बिजली अगर साल भर में बचती है तो इसके पैसे पॉवर कंपनी देगी। लेकिन इसकी कीमत उपभोक्ता को महज 2.60 रुपए प्रति यूनिट के हिसाब से मिलेगी। पांच किलोवाट का सोलर पैनल लगाने पर हर माह पांच सौ यूनिट बिजली का उत्पादन होगा। अगर उपभोक्ता की खपत हर माह तीन सौ यूनिट होगी तो साल भर में दो हजार यूनिट से ज्यादा बिजली बचेगी। इसके उपभोक्ताओं को पैसे मिल जाएंगे। इससे उनका सोलर पैनल लगाने का खर्च निकल सकता है।

पॉवर कंपनी की बिजली पांच रुपए

पॉवर कंपनी जो बिजली उपभोक्ताओं को देती है। वह पांच रुपए यूनिट से कम नहीं पड़ती है। पहले सौ यूनिट का टैरिफ भले 4.10 रुपए है। लेकिन इसमें जहां दस पैसे प्रति यूनिट सेस के लगते हैं। वहीं इसी के साथ इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी 11 फीसदी है। ऐसे में 4.10 रुपए पर 45 पैसे इसके लग जाते हैं। इसके अलावा प्रति किलो वाट पर 20 रुपए शुल्क है। ये सब मिलाकर 4.85 रुपए होते हैं। एफपीपीएएस शुल्क अलग से लगता है। यह कभी पांच फीसदी तो कभी दस फीसदी से ज्यादा हो जाता है। ऐसे में सौ यूनिट की खपत पर पांच रुपए से ज्यादा ही लगते हैं। सौ यूनिट से ज्यादा की खपत पर कीमत और बढ़ जाती है।

अजय जामवाल ने संभाग कार्यशाला में दिया कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण

भाजपा विचारधारा आधारित संगठन कार्यकर्ता ही शक्ति का केंद्र

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में रविवार को पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान में रायपुर संभाग की कार्यशाला में क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने कहा, प्रशिक्षण वर्ग का उद्देश्य कार्यकर्ताओं के मनोबल को बढ़ाना और उन्हें सरकार की जनहितकारी योजनाओं का सजग प्रहरी बनाना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं के कौशल विकास और वैचारिक प्रबोधन के लिए इस महाभियान की रूपरेखा साझा करते हुए कहा, 10 मार्च से 31 मार्च तक देश के सभी ग्रामीण और शहरी मंडलों में अभ्यास वर्ग आयोजित किए जाएंगे। श्री जामवाल ने कहा, भाजपा एक विचार आधारित संगठन है, जहां कार्यकर्ता ही शक्ति का केंद्र है। उन्होंने आव्हान किया कि प्रशिक्षण के माध्यम से कार्यकर्ताओं को नीति, सिद्धांत, संगठनात्मक संरचना और जनसेवा के संस्कारों से समृद्ध किया जाए, ताकि वे समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं और पार्टी की नीतियों को प्रभावी ढंग से पहुंचा सकें। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण से कार्यकर्ता प्रखर एवं प्रवीण होते हैं और भाजपा कार्यकर्ता हमेशा कर्मठ, निष्ठावान एवं परिश्रमी होते हैं।

भाजपा प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन ने कहा, कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने के लिए विशेष रूप से 7 प्रमुख विषयों का चयन किया गया है, जिनमें वैचारिक अधिष्ठान के तहत भाजपा से हमारा जुड़ाव और हमारी विचारधारा, जनसंघ से लेकर भारतीय जनता पार्टी तक के गौरवशाली सफर पर चर्चा, भाजपा कार्यकर्ता की आदर्श कार्य-पद्धति, केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की रणनीति, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), सोशल मीडिया और आईटी का प्रभावी उपयोग और कार्यकर्ताओं की प्रतिभा और रुचि को निखारने के लिए रात्रिकालीन सांस्कृतिक सत्र। जिलास्तरीय वर्गों में अलग-अलग विषयों पर गहन चर्चा की जाएगी। भाजपा प्रदेश महामंत्री डॉ. नवीन मार्कंडेय ने कहा, प्रशिक्षण से कार्यकर्ता प्रखर होते हैं। विषय के अच्छे जानकार बनते हैं। भाजपा में प्रशिक्षिति कार्यकर्ता संगठन एवं सरकार के कार्यों को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाते हैं। उन्होंने संवाद करते हुए सभी पदाधिकारियों का मनोबल बढ़ाया और संगठनात्मक अनुशासन व समर्पण को सर्वोपरि रखने का संदेश दिया। कार्यशाला का संचालन भाजपा प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज ने किया एवं आभार प्रदर्शन भाजपा प्रदेश प्रवक्ता तथा प्रशिक्षण महाभियान टोली की सदस्य शताब्दी पांडेय ने किया। इस दौरान कार्यशाला में रायपुर संभाग के सभी जिलों के जिला प्रभारी, जिला अध्यक्ष सहित प्रशिक्षण महाभियान टोली के सदस्य मौजूद रहे।

पंकज झा ने कहा- भूपेश भी हुए मालामाल, भूपेश का जवाब- मेहनत का पैसा है, 'पनामा' या 'तावड़े' का माल नहीं

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

किसानों को धान के बोनस की अंतर की राशि मिलने पर सियासत हो रही है। मुख्यमंत्री के सलाहकार पंकज झा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है, विष्णु के सुशासन में भूपेश बघेल भी हुए मालामाल। इसके जवाब में भूपेश बघेल ने पलटवार करते हुए कहा है, यह किसानों की मेहनत का पैसा है। "पनामा" या "तावड़े" का माल नहीं है। किसानों को मिल रहे पैसे से आपको इतनी जलन क्यों? इसे माल क्यों कह रही है भाजपा। उल्लेखनीय है कि भूपेश बघेल के परिवार ने करीब 39 लाख का धान बेचा है।

पंकज झा ने लिखा है- हम जिसे सुशासन कहते हैं, उसका आशय होता है ऐसा शासन, जो किसी से भी भेदभाव न करे। समर्थक-विरोधी, जात-धर्म आदि किसी भी आधार पर अंतर किए बिना सबको न्याय सुलभ कराए, किसी कथित 'न्याय योजना' का एहसान जताए बिना। कल विष्णु देव साय की सरकार ने किसानों को धान के अंतर की राशि का एकमुश्त भुगतान किया है। आश्चर्य होगा आपको जान कर कि इस योजना के सबसे बड़े लाभार्थियों में शीर्ष पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी भी हैं। इतने बड़े लाभार्थी, जितना वे स्वयं मुख्यमंत्री होने के बावजूद 'पक्के में' न हो पाए थे। अर्थात उन्हें स्वयं भी 'न्याय' भाजपा सरकार में ही अधिक मिल पाया। स्वयं की सरकार में तो बघेल जी टुकड़ों में ही किसी तरह ले पाते थे, वह भी ढोल पीट-पीट कर। जब-जब राहुल जी के परिवार से कोई वसूली करने आता था, तब स्वयं को भी ले लेने का आदेश जारी होता था। ठीक है कि 'कच्चे में' तब उन्हें इतना मिल जाता रहा होगा कि फिर ऐसे पचीस-पचास लाख की आवश्यकता नहीं होती होगी उन्हें, पर अभी तो होली के मौके पर इतनी बड़ी करमुक्त राशि एकमुश्त मिल जाने पर उन्हें भाजपा सरकार के प्रति कृतज्ञ होना ही चाहिए।

धान के अंतर की राशि पर भाजपा और कांग्रेस में सियासत

प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनके परिजनों को मिले धान के भुगतान पर मुख्यमंत्री के सलाहकार पंकज झा का बयान स्तरहीन है। श्री बैज ने कहा, भूपेश बघेल पीढ़ी दर पीढ़ी के परम्परागत उन्नत कृषक हैं। उनके परिवार ने अपनी मेहनत से खेती कर धान उपजाया है, इसमें धान के भुगतान की राशि को जारी कर भाजपा क्या साबित करना चाहती है?

माल उगाया और बेचा तो माल आया : बघेल

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पटलवार करते हुए लिखा है- हां जी, हुए मालामाल। किसान हैं तो माल उगाया और बेचा तो माल आया।विष्णु देव सरकार ने खाद नहीं दिया, पर्याप्त बिजली नहीं दी, फिर भी हमने पसीना बहाया और धान उगाया। हमारी सरकार की कोशिश थी कि मेहनतकश किसानों को उनकी उपज का पैसा मिले। ईमानदारी से वादा निभाया तो हर किसान को पैसा मिलने लगा। भाजपा के 15 साल के राज में तो किसान आत्महत्या कर रहे थे। हमने किसानों को सम्मान दिया, हक का पैसा दिया। भाजपा किस मुंह से बात कर रही है। मोदीजी ने वादा किया था कि 2022 तक किसानों की आय दोगुनी कर देंगे। हो गई दोगुनी? और किसानों को मिल रहे पैसे से आपको इतनी जलन क्यों? इसे माल क्यों कह रही है भाजपा? ये "पनामा" या "तावड़े" का माल नहीं, किसानों की मेहनत का पैसा है जी। शर्मिंदा होना चाहिए भाजपा को।

खबर संक्षेप

सिर्फ 5000 शिक्षकों की भर्ती युवाओं के साथ धोखा

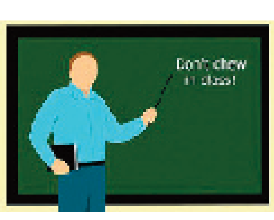

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सिर्फ 5000 शिक्षकों की भर्ती युवाओं के साथ धोखा है। भाजपा सरकार, शिक्षक बनने का इंतजार कर रहे प्रदेश के युवाओं के साथ धोखा कर रही है। सरकार बनते ही तत्कालीन शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने 33 हजार पदों पर भर्ती की घोषणा की, इससे पीछे हटते पिछले बजट में मंत्री ओपी चौधरी ने 20 हजार शिक्षक भर्ती की घोषणा की, उसके बाद मुख्यमंत्री ने 5,000 पदों में शिक्षक भर्ती की घोषणा की, अब 5,000 शिक्षक भर्ती में व्याख्याता कम्प्यूटर के 146 पद एवं योग प्रशिक्षक के 146 पदों को हटाकर 4,708 पदों पर भर्ती की अनुमति दी गई है। ये सीधा-सीधा 1 लाख सरकारी नौकरी देने का वादा पूरा होने का इंतजार कर रहे युवाओं के साथ धोखा है। श्री बैज ने कहा कि भाजपा सरकार के हठधर्मिता के चलते शिक्षक बनने का इंतजार कर रहे युवाओं के मन में निराशा का भाव आया है, जिस प्रकार से वादा करके वादाखिलाफी की जा रही है, ऐसे में तो हजारों विषय विशेषज्ञ युवा आने वाले समय में सरकारी नौकरी की उम्र सीमा पार कर जाएंगे और परीक्षा से वंचित हो जाएंगे, उनकी जिंदगी खराब हो जाएगी और भाजपा सरकार की मंशा तो नौकरी देने की नहीं है, इसलिए भाजपा के जितने मंत्री हैं उनके शिक्षक भर्ती को लेकर अलग-अलग दावे हैं।

होली पर्व पर 65 करोड़ रुपए से ज्यादा की शराब बिक्री का अनुमान

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

राजधानी में होली के दिन 65 करोड़ रुपए से अधिक की शराब बिक्री होने का अनुमान आबकारी विभाग के अधिकारियों को है। पिछले वर्ष होली में तीन दिन के भीतर पियक्कड़ 60 करोड़ रुपए से ज्यादा की शराब गटक गए थे। त्योहार को देखते हुए आबकारी विभाग ने अभी से तैयारी करते हुए शराब दुकानों में सभी ब्रांड की शराब स्टॉक करना शुरू कर दिया है। दुकानों में शराब की कमी न हो, इसके लिए बताया जा रहा है, आबकारी विभाग ने अतिरिक्त गाड़ियां किराए पर ली है।

अनुमान के मुताबिक, राजधानी में 35 प्रतिशत के करीब लोग होली के दिन शराब पीने के साथ पिलाने का काम करते हैं। होली के दिन ड्राई डे होने की वजह से शराब पीने-पिलाने के शौकीन अभी से शराब स्टॉक करने लगे हैं। आबकारी विभाग के अधिकारियों को इस बार होली में 65 करोड़ रुपए से ज्यादा शराब बिक्री होने का अनुमान है। जितनी शराब दुकानें हैं, उनके सुपरवाइजर से होली के एक सप्ताह पूर्व ही होली के लिए अनुमानित स्टॉक की जानकारी मंगाकर संबंधित दुकानों में शराब आपूर्ति शनिवार से शुरू कर दी है।

पिछले वर्ष 60 करोड़ रुपए से ज्यादा की शराब बिक्री हुई थी

होली के अवसर पर देशी की जगह अंग्रेजी शराब की डिमांड ज्यादा रहती है। सबसे ज्यादा डिमांड मध्यम दर्जे की शराब की मांग रहती है। होली में शराब की बिक्री प्रभावित न हो, इस बात को ध्यान में रखते हुए सभी शराब दुकानों में मध्यम दर्जे की चर्चित ब्रांड की शराब का स्टॉक किया जा रहा है। इसके अलावा गोवा स्टैंडर्ड की शराब का अतिरिक्त स्टॉक स्टोरेज करने की व्यवस्था की है।

सूत्रों के मुताबिक, होली के दौरान शराब की बिक्री बढ़ाने बार संचालकों पर भी शराब का अतिरिक्त कोटा उठाने कहा गया। बताया जा रहा है, बार संचालकों को सामान्य दिनों की अपेक्षा 25 प्रतिशत ज्यादा स्टॉक उठाने के लिए कहा गया है। पियक्कड़ों के लिए राहत की बात यह रहेगी कि होली के एक दिन पूर्व शाम 5 बजे तक शराब दुकान बंद कर दी जाती थी। इस बार होली के एक दिन पूर्व अपने निर्धारित समय तक शराब दुकानें खुली रहेंगी।

शराब कोचियों पर आबकारी और पुलिस की निगरानी

बुधवार को ड्राई डे रहेगा, इस बात का शराब कोचिए फायदा उठाने देशी के साथ अंग्रेजी शराब दुकानों से खरीदी कर स्टॉक जुटाने में लगे हैं। ड्राई डे के दिन शराब कोचिए किसी तरह से शराब की अवैध बिक्री नहीं कर पाएं। इसके लिए पुलिस के साथ आबकारी विभाग की टीम मुखबिर की मदद से कोचियों की अभी से धरपकड़ तेज कर दी है।

रेरा में हर साल थोक में सैकड़ों शिकायतें, 600 से ज्यादा मामले डंप

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ रेरा के 2018 से अस्तित्व में आने के बाद से ही लगातार हर साल थोक में सैकड़ों शिकायत बिल्डरों के खिलाफ मिल रही हैं। इन शिकायतों का हर साल निराकरण भी किया जा रहा है, लेकिन किसी भी साल सभी शिकायतों का निराकरण नहीं हो सका है। आठ सालों के रेरा के सफर में अब तक 38 सौ से ज्यादा शिकायतें मिली हैं, इसमें से 32 सौ से ज्यादा का निराकरण हो गया है, बाकी शिकायतें पेंडिंग है। अब तो सुप्रीम कोर्ट ने भी रेरा के औचित्य पर सवाल खड़ा कर दिए हैं।

प्रदेश में रेरा ने 2018 में कामकाज शुरू किया। इसके बाद से प्रदेश भर में रियल एस्टेट में जो भी योजनाओं बिल्डर प्रारंभ कर रहे हैं, उनका पंजीयन रेरा में जरूरी हो गया है। लगातार हर साल रेरा में थोक में योजनाओं का पंजीयन होता है। इसी के साथ बिल्डरों से घर लेने वाले ग्राहकों की शिकायतें भी रेरा में लगातार आती हैं। इनका रेरा की अदालत में सुनवाई के बाद निराकरण किया जाता है।

आठ साल में करीब चार हजार शिकायतें

रेरा के 2018 में प्रारंभ होने के बाद पहले ही साल रेरा में 225 शिकायतें बिल्डरों के खिलाफ दर्ज की गईं। इसमें से इस साल 139 शिकायतों का निराकरण किया गया शेष 89 शिकायतें पेंडिंग रहीं। अगले साल 2019 में 697 शिकायतें मिलीं। इनमें से 444 शिकायतों का ही निराकरण हो सका। ऐसे में दो साल की पेंडिंग शिकायतें 342 हो गईं। 2020 में 342 पेंडिंग शिकायतों और इस साल 352 नई शिकायतें मिलीं। इनमें से 282 का ही निराकरण होने पर पेंडिंग शिकायतों की संख्या बढ़कर 412 हो गईं। 2021 में 412 पेंडिंग शिकायतें और इस साल 392 नई शिकायतें आईं। इस साल 492 शिकायतों का निराकरण किया गया। ऐसे में पेंडिंग शिकायतों की संख्या घटकर 312 हो गईं। 2022 में पेंडिंग शिकायतें 312 और नई शिकायतें 298 आईं। इस साल 276 शिकायतों का निराकरण होने पर फिर से पेंडिंग शिकायतों की संख्या बढ़कर 334 हो गईं। 2023 में पेंडिंग शिकायतों के साथ ही नई शिकायतें 375 आईं। इस साल 238 शिकायतों का ही निराकरण होने पर पेंडिंग शिकायतों का आंकड़ा चार सौ के पार होकर 471 हो गया। 2

BAJAJ FINANCE

सोने के गहनों की नीलामी के लिए समाचार पत्र में सार्वजनिक सूचना
बजाज फाईनान्स लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालयः मुंबई - पुणे रोड, अकुर्दी, पुणे - 411035

BFL सभी ऋणियों और सर्वसाधारण को सूचित करता है कि गोल्ड लोन लेते समय ऋणी ने बतौर सेक्युरिटी अपने लोन खाते में सोने के गहने गिरवी रखे और बार-बार नोटिस दिए जाने के बावजूद जो ऋणी लोन की राशि चुकाने या आवश्यक मार्जिन देने में विफल रहे उनके गहने 'जहां है जैसा है और जो है जैसा है' आधार पर नीलाम किए जाएंगे। निविदा करने वालों से अनुरोध है कि नीचे दी गई शर्तों का पालन करें:

(क) क्यूआर कोड स्कैन कर सार्वजनिक सूचना (लोन, गहनों का सकल वजन, स्थान और नीलामी की तिथि) की सम्पूर्ण जानकारी देखें।
(ख) सार्वजनिक नीलामी से संबंधित निविदा के सभी नियम और शर्तें ("टी एण्ड सी") वेबलिंक http://172.30.1.235:3000/?WOUB2QG9WU के माध्यम से पढ़ें;
(ग) नियम और शर्तें समझ लें और उसके बाद ही नीलामी की तिथि या उससे पहले बतौर अग्रिम जमा राशि रु.25,000 फंड ट्रांसफर (एनईएफटी/आरटीजीएस/बजाज गोल्ड ऑक्शन ऐप) कर दें;
(घ) नीलामी के स्थान पर सुबह 10 बजे तक व्यक्तिगत उपस्थिति दर्ज करें; तथा
(ङ) नीलामी के स्थान पर अपना पहचान और पते का वैध प्रमाण लेकर आएं।
(च) नीलामी की दिन में दोपहर 12 बजे के बाद नीलामी में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
(छ) शाखा प्रबंधक/नीलामीकर्ता को बोली लगाने वालों की भागीदारी स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार है, यदि वे निर्धारित समय सीमा में भाग नहीं लेते हैं, चाहे वे अग्रिम राशि जमा राशि (ईएमडी) का भुगतान कर चुके हो।

TORCG
स्कैन करें

नीलामी के स्थान और तिथि में परिवर्तन, यदि कोई हो, तो उसकी सूचना नीलामी केंद्र पर प्रदर्शित की जाएगी। आपका निविदा करना उपरोक्त शर्तों पर सहमत होना माना जाएगा। यदि सार्वजनिक नीलामी से बिक्री निलंबित/निरस्त होती है तो बीएफएल ऋणी(ऋणियों) के कहने पर निजी तौर पर गहनों की बिक्री करने का अधिकार भी सुरक्षित रखती है। अतिरिक्त जानकारी के लिए हमसे इस ईमेल आईडी पर संपर्क करे - gold.auction@bajajfinserv.in

(10-04-26) अंबिकापुर - अंबेडकर चौक; PLI4GOL15478286, 16232049, 16654713. भिलाई - जीई रोड; PBX2GOL15427733, 16242595, 16269002, 16532641, 16577322. (13-04-26) बिलासपुर - अग्रसेन चौक; PGJ8GOL16183549, 16261879. बिलासपुर - सरकंडा; P42HGOL16268807, 16502223, 16601817, 16653671. (14-04-26) कटघोरा - BGL; P25EGOL15458552, 15554720, 16204585, 16412922, 16412906, 16431013, 16619414, 16621374. (15-04-26) कोरबा - सीएसईबी चौक; PEQ2GOL16325613, 16375199, 16494436. कोरबा - कोसाबाड़ी; PLI5GOL16421645. (16-04-26) मनेंद्रगढ़ - BGL; PV99GOL14979454, 15004929, 15030569, 15050079, 15095581, 15133701, 15451851, 15522435, 16168760, 16204484, 16444428, 16589983, 16617114, 16614659, 16617448, 16618068, 16707289. (17-04-26): मुंगेली - मेन रोड; POY9GOL16652272. रायपुर - जीई रोड; PCZ6GOL16269732, 16434530, 16676441. रायपुर - पचपेड़ीनाका; PLI9GOL16743614. (18-04-26) रायपुर - तेलीबांधा रोड; PF45GOL15435962, 15501302, 16265448, 16593935, 16700898, 16701883, 16742081, 16752416, 16740993. (20-04-26): रायपुर - पियांक टावर; PEN5GOL14976578. राजनांदगांव- जीई रोड; PEN6GOL16318985, 16567518, 16615332. व्यापार - विहार बिलासपुर; PLI7GOL15053682, 15217502.

बजाज फाईनान्स लिमिटेड

खबर संक्षेप

रॉयल एनफील्ड की बिक्री 11 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली। मोटरसाइकिल विनिर्माता रॉयल एनफील्ड की कुल बिक्री फरवरी में सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़कर 1,00,905 इकाई रही। फरवरी, 2025 में 90,670 वाहनों की बिक्री की थी। पिछले महीने कंपनी की घरेलू बिक्री 13 प्रतिशत बढ़कर 91,248 इकाई रही, जो एक साल पहले की समान अवधि में 80,799 इकाई थी।

टोयोटा की बिक्री में 20 प्रतिशत का इजाफा

नई दिल्ली। वाहन विनिर्माता कंपनी टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की कुल बिक्री फरवरी, 2026 में 20 प्रतिशत बढ़कर 34,034 इकाई रही। कंपनी ने पिछले साल इसी महीने में 28,414 वाहन बेचे थे। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने बयान में कहा कि पिछले महीने उसकी घरेलू बिक्री 16 प्रतिशत बढ़कर 30,737 इकाई रही, जो फरवरी, 2025 में 26,414 इकाई थी।

हुंडई की फरवरी में कुल बिक्री 12.6 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। हुंडई मोटर इंडिया की कुल वाहन बिक्री फरवरी, 2026 में सालाना आधार पर 12.6 प्रतिशत बढ़कर 66,134 इकाई रही है। हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (एचएमआईएल) ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। फरवरी में कंपनी की घरेलू बिक्री 9.8 प्रतिशत बढ़कर 52,407 इकाई रही, जबकि निर्यात 24.8 प्रतिशत बढ़कर 13,727 इकाई पर पहुंच गया।

टाटा मोटर्स पैसेंजर की कुल बिक्री 35% उछली

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स की कुल बिक्री फरवरी में सालाना आधार पर 35 प्रतिशत बढ़कर 63,331 इकाई हो गई। पिछले साल इसी महीने में यह 46,811 इकाई थी। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड ने शेयर बाजार को बताया कि पिछले महीने घरेलू बाजार में यात्री वाहनों की बिक्री 62,329 इकाई रही।

रेनॉ की बिक्री 31 फीसदी बढ़कर 3495 इकाई

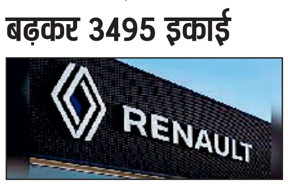

नई दिल्ली। वाहन विनिर्माता कंपनी रेनो की थोक बिक्री फरवरी, 2026 में 31 प्रतिशत बढ़कर 3,495 इकाई रही। कंपनी ने पिछले साल इसी महीने में 2,676 वाहन बेचे थे। रेनो इंडिया ने रविवार को बयान में कहा कि वर्ष 2026 के पहले दो महीनों में कंपनी ने अपनी सकारात्मक वृद्धि दर को बरकरार रखा है और पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 32 प्रतिशत की संचयी वृद्धि दर्ज की है।

दीपक गुप्ता ने गेल के चेयरमैन का पद संभाला

नई दिल्ली। ऊर्जा क्षेत्र के अनुभवी कार्यकारी दीपक गुप्ता ने देश की सबसे बड़ी गैस पारेषण और विपणन कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड के सीएमडी का पद संभाल लिया है। कंपनी ने बयान में कहा कि दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से मैकेनिकल इंजीनियर गुप्ता को प्राकृतिक गैस पारेषण, विपणन और बुनियादी ढांचा विकास का व्यापक अनुभव है। इससे पहले उन्होंने गेल में परिचालन, व्यवसाय वृद्धि और कॉरपोरेट प्रबंधन में प्रमुख नेतृत्व वाली भूमिकाएं निभाई हैं।

सोने के निवेशकों को बड़ा झटका,1 अप्रैल 2026 से देना होगा भारी टैक्स

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत में सोने में निवेश करने वालों के लिए एक अहम और सनसनीखेज नीतिगत तब्दीली होने जा रही है। सरकार ने बजट 2025-26 में सॉवरेन गोल्ड बांड स्कीम (एसजीबी) के टैक्स नियमों में बड़ा संशोधन कर दिया है, जिसका सीधा असर उन निवेशकों पर पड़ेगा जो स्टॉक एक्सचेंज के ज़रिए गोल्ड बॉन्ड खरीदते हैं। एसजीबी को 8 साल की मैच्योरिटी तक होल्ड करने पर कैपिटल गेन पूरी तरह टैक्स-फ्री रहता था चाहे बॉन्ड सीधे सरकार से खरीदा गया हो या सेकेंडरी मार्केट से। लेकिन 1 अप्रैल 2026 से यह राहत सिर्फ़ "मूल निवेशकों" तक सीमित रहेगी। सीधे आरबीआई के माध्यम से बॉन्ड सब्सक्राइब किए हैं, केवल वही मैच्योरिटी पर टैक्स-फ्री लाभ के हकदार होंगे।

- स्टॉक एक्सचेंज के जरिए गोल्ड खरीदने वालों पर पड़ेगा असर

सॉवरेन गोल्ड बांड स्कीम के टैक्स नियमों में हुआ बड़ा संशोधन

निवेशकों की दो कैटेगरी बनाई

इस नए नियम ने निवेशकों को दो कैटेगरी में तकसीम कर दिया है- प्राइमरी निवेशको को 2.5 फीसदी सालाना ब्याज के साथ मैच्योरिटी पर पूरा टैक्स-फ्री रिटर्न मिलेगा। सेकेंडरी मार्केट खरीदार को 2.5 फीसदी ब्याज तो हासिल होगा, लेकिन पूंजीगत मुनाफे पर टैक्स अदा करना पड़ेगा।

एक्सचेंज से खरीदने पर टैक्स फ्री नहीं

एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर कोई निवेशक 1 अप्रैल 2026 के बाद नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) या बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) से एसजीबी खरीदता है या उसे गिफ्ट के तौर पर प्राप्त करता है, तो मैच्योरिटी पर होने वाला मुनाफा अब टैक्स-फ्री नहीं माना जाएगा।

कैपिटल गेन पर टैक्स देना होगा

इस तब्दीली का सीधा असर आपकी कमाई पर पड़ेगा। मिसाल के तौर पर, अगर आपने एक्सचेंज से एक बॉन्ड 7,000 रुपए में खरीदा और मैच्योरिटी पर उसकी कीमत 11,000 रुपए हो गई, तो 4,000 रुपए के मुनाफे पर 12.5% की दर से लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) टैक्स लगेगा। मतलब आपको 500 रुपए सरकार को अदा करने होंगे। पहले यही पूरी रकम आपकी जेब में जाती थी।

एसजीबी का आकर्षण कम हो सकता है

विशेषज्ञों का मानना है कि इस फैसले से सेकेंडरी मार्केट में एसजीबी की लिक्विडिटी और आकर्षण कम हो सकता है। अब तक निवेशक एक्सचेंज पर रियायती दरों पर बॉन्ड खरीदकर टैक्स-फ्री मुनाफे की रणनीति अपनाते थे, जो अब अप्रभावी साबित होगी। कुल मिलाकर, सोने में निवेश की दुनिया में यह बदलाव एक अहम मोड़ साबित हो सकता है जहां हर निवेशक को अपनी स्ट्रैटेजी दोबारा सोचनी पड़ेगी।

मंत्रालय ने कहा, इस सुधार से कारोबार सुगमता की स्थिति बेहतर होगी

सीमा शुल्क के बाद में भुगतान की योजना 'ईएमआई' एक अप्रैल से होगी लागू

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने कहा है कि पात्र विनिर्माता आयातक (ईएमआई) योजना एक अप्रैल से लागू होगी, और ऐसे आयातक बिना सीमा शुल्क दिए अपने आयातित सामान निकाल सकेंगे।

वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा कि बाद में सीमा शुल्क भुगतान की सुविधा उन पात्र विनिर्माता आयातकों (ईएमआई) के लिए उपलब्ध होगी जो सीमा शुल्क, माल एवं सेवा कर (जीएसटी) अनुपालन, कारोबार, वित्तीय स्थिति अपने पिछले रिकॉर्ड से जुड़े तय मापदंड को पूरा करते हैं।

योजना में एमएसएमई भी शामिल

मंत्रालय ने कहा, ''इस सुधार से कारोबार सुगमता की स्थिति बेहतर होगी, अनुपालन संस्कृति मजबूत होगी, एईओ (अधिकृत आर्थिक परिचालक) कार्यक्रम में बड़े पैमाने पर भागीदारी को बढ़ावा देने और घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन देने में मदद मिलेगी।'' मौजूदा एईओ-टी1 (अधिकृत आर्थिक परिचालक-टी1) इकाई, जिनमें सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) भी शामिल हैं, जो पात्रता की शर्तें पूरी करते हैं, वे भी इस योजना के पात्र होंगे।

खास बातें

- आयातक बिना सीमा शुल्क दिए अपने आयातित सामान निकाल सकेंगे
- मापदंड पूर्ण करने वाले आयातकों को यह सुविधा मिल पाएगी
- पिछले रिकॉर्ड से जुड़े तय मापदंड को भी पूरा करना होगा

योजना 31 मार्च 2028 तक लागू रहेगी

इसमें आगे कहा गया, ''यह सुविधा एक अप्रैल, 2026 से उपलब्ध होगी, और 31 मार्च, 2028 तक लागू रहेगी।'' इस पहल के तहत, ईएमआई से आयातित सामान लिया जा सकेगा, लेकिन उस समय सीमा शुल्क नहीं देना होगा। इसके बजाय, लागू शुल्क का भुगतान 'आयात शुल्क का बाद में भुगतान नियम-2016' के तहत बाद में किया जा सकेगा। इससे विनिर्माता बेहतर तरीके से अपने नकदी प्रवाह और कार्यशील पूंजी का प्रबंधन कर सकेंगे।

आयातक एईओ-टी2 व टी3 दर्जा हासिल करे : योजना की अवधि के दौरान, पात्र विनिर्माता आयातकों से उम्मीद की जाती है कि वे धीरे-धीरे एईओ-टी2 या एईओ-टी3 का दर्जा हासिल कर लेंगे, जिससे एईओ कार्यक्रम के तहत उन्हें बेहतर सुविधा, तेज मंजूरी और प्राथमिकता वाला दर्जा मिल सके।

आवेदन एईओ पोर्टल पर एक मार्च से : ईएमआई योजना के तहत आवेदन एईओ पोर्टल पर एक मार्च, 2026 से किए जा सकते हैं। आम बजट 2026-27 में भरोसेमंद विनिर्माताओं के लिए बाद में सीमा शुल्क के भुगतान की नई सुविधा की घोषणा की गई थी।

राज्यों के बॉन्ड निर्गम में 'रीइश्यू' की हिस्सेदारी बढ़ी

कुल राज्य विकास ऋण (एसडीएल) उधारी में 'रीइश्यू' (पुनर्निर्गम) की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़कर 18.5 प्रतिशत हो गई है। यह पिछले सात साल का उच्चतम स्तर है। इससे पता चलता है कि राज्यों में अपनी बढ़ी हुई वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के लिए मौजूदा प्रतिभूतियों को फिर से खोलने का रुझान बढ़ रहा है।

रीइश्यू पर निर्भरता लगातार बढ़ी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आंकड़ों के आधार पर द्वारा संकलित जानकारी के अनुसार, राज्यों ने वित्त वर्ष 2025-26 में कुल 10,32,788.8 करोड़ रुपये के एसडीएल निर्गम में लगभग 1,90,970 करोड़ रुपये पुनर्निर्गम के जरिये जुटाए। यह अनुपात वित्त वर्ष 2019-20 में दर्ज 17.29 प्रतिशत से अधिक है और पिछले कम से कम सात वित्त वर्षों में सबसे ऊंचा स्तर है। पिछले दो साल के दौरान रीइश्यू पर निर्भरता लगातार बढ़ी है।

राज्यों ने उधारी बढ़ाई

वित्त वर्ष 2024-25 में इसकी हिस्सेदारी 12.2 प्रतिशत थी, जहां राज्यों ने कुल 10,73,330.197 करोड़ रुपये की उधारी में 1,30,827.11 करोड़ रुपये फिर से जारी किए थे। आंकड़ों के अनुसार, यह पिछले वर्षों के तुलना में काफी अधिक है। वित्त वर्ष 2023-24 में यह आंकड़ा 5.73 प्रतिशत, 2022-23 में 7.77 प्रतिशत, 2021-22 में 10.4 प्रतिशत और 2020-21 में 9.72 प्रतिशत था।

विदेशी निवेशकों ने फरवरी में शेयर बाजार में डाले 22,615 करोड़

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- यह 17 माह का उच्चस्तर रहा

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने फरवरी में भारतीय शेयर बाजार में 22,615 करोड़ रुपये डाले हैं, जो 17 माह का उच्चस्तर है। इसकी वजह अंतरिम भारत-अमेरिका व्यापार करार, घरेलू बाजार के मूल्यांकन में कमी और कंपनियों के तीसरी तिमाही के बेहतर नतीजे हैं।

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, फरवरी में लिवाली से पहले लगातार तीन माह तक एफपीआई बिकवाल रहे थे। एफपीआई ने जनवरी में 35,962 करोड़ रुपये, दिसंबर में 22,611 करोड़ रुपये और नवंबर में 3,765 करोड़ रुपये की निकासी की थी।

कुल मिलाकर, एफपीआई ने 2025 में भारतीय शेयर बाजार से शुद्ध रूप से 1.66 लाख करोड़ रुपये (18.9 अरब डॉलर) निकाले थे, जिससे यह एफपीआई के प्रवाह की दृष्टि से सबसे खराब वर्षों में से एक रहा। आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई ने फरवरी में 22,615 करोड़ रुपये का निवेश किया है। यह सितंबर, 2024 के बाद का सबसे ज़्यादा मासिक प्रवाह है। उस समय एफपीआई ने शेयरों में 57,724 करोड़ रुपये डाले थे।

वेंचुरा के शोध प्रमुख विनीत बोलिंजकर ने कहा कि यह प्रवाह द्वितीयक बाजार में खरीदारी से बढ़ा, जो 2025 की निकासी के बाद नए विदेशी भरोसे का संकेत है। एंजल वन लिमिटेड के वरिष्ठ बुनियादी विश्लेषक जावेद खान ने कहा कि तीन खास वजहों से एफपीआई प्रवाह को समर्थन मिला। इनमें भारत-अमेरिका व्यापार करार और भारतीय बाजार के मूल्यांकन में कमी शामिल है।

एफपीआई ने आईटी शेयरों में की भारी बिकवाली

कृत्रिम मेधा से होने वाली दिक्कतों की चिंताओं के बीच इस खंड से 10,956 करोड़ रुपये की निकासी हुई। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा, एंथ्रोपिक के झटके और क्षेत्र में लगातार कमजोरी के कारण एफपीआई ने आईटी शेयरों में भारी बिकवाली की।

एयर इंडिया बोइंग 787 विमानों के एफसीएम में कर रही है बदलाव

- जल नियंत्रण मॉड्यूल में परिवर्तन कर रही

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एयर इंडिया अपने अधिकांश ड्रीमलाइनर विमानों के 'फॉसेट कंट्रोल मॉड्यूल' (जल नियंत्रण मॉड्यूल) में बदलाव कर रही है। यह कदम अमेरिका के संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) के उस संशोधित निर्देश के बाद उठाया गया, जिसमें पानी के रिसाव की आशंका वाले मॉड्यूल को बदलने के लिए कहा गया था। इस रिसाव से विमान के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर बुरा असर पड़ सकता था। एफएए ने दो फरवरी को एक उड़ान सुरक्षा निर्देश (एडी) जारी किया था, जो कुछ बोइंग 787-8, 787-9 और 787-10 विमानों पर लागू होता है। इन विमानों को ड्रीमलाइनर के नाम से भी जाना जाता है। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया के बेड़े में 33 बोइंग 787 विमान हैं, जिनमें 26 पुराने 787-8 विमान शामिल हैं।

विमानों की सटीक संख्या पता नहीं : हालांकि, उन विमानों की सटीक संख्या का पता नहीं चल सका है जिनमें यह काम पूरा हो चुका है। इस मामले में एयर इंडिया और बोइंग की ओर से कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं आई है।

किया इंडिया की बिक्री में 10.3 फीसदी की वृद्धि

नई दिल्ली। वाहन विनिर्माता कंपनी किया इंडिया ने रविवार को बताया कि पिछले महीने उसकी बिक्री 10.3 प्रतिशत बढ़कर 27,610 इकाई रही, जो फरवरी, 2025 में 25,026 इकाई रही थी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि भारत में परिचालन शुरू करने के बाद से यह किसी भी वर्ष के फरवरी महीने में उसकी अब तक की सबसे अधिक बिक्री है। लगातार दूसरे महीने दोहरे अंक की मजबूत वृद्धि ब्रांड में ग्राहकों के निरंतर भरोसे को दर्शाती है। किया इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (बिक्री एवं विपणन) अतुल सूद ने कहा, ''हम केवल बाजार के रुझानों पर प्रतिक्रिया नहीं दे रहे हैं, बल्कि नवाचार, प्रीमियम डिजाइन, उन्नत प्रौद्योगिकी और ग्राहकों को बेहतर मूल्य प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित कर उन्हें नया आकार दे रहे हैं।''

ईरान संकटः यात्रा बुकिंग रद्द करने के मामलों में तेजी

नई दिल्ली। 'इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स' (आईएटीओ) ने रविवार को कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण हवाई क्षेत्र पर लगे प्रतिबंधों की वजह से यात्रा बुकिंग रद्द करने और तारीखें आगे बढ़ाने के अनुरोधों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।

इसका सबसे अधिक प्रभाव खाड़ी देशों के प्रमुख केंद्रों के माध्यम से भारत को यूरोप से जोड़ने वाले मार्गों पर पड़ा है। आईएटीओ के अध्यक्ष रवि गोसाईं ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि देशभर के ट्रैवल एजेंट यात्रियों की असुविधा को कम करने के लिए एयरलाइन और विदेशी भागीदारों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। इसके तहत वैकल्पिक मार्ग, बुकिंग में बदलाव और पैसा वापसी की सुविधा दी जा रही है। उन्होंने कहा, ''हालांकि, अभी अल्पकालिक अनिश्चितता बनी हुई है, लेकिन हमें उम्मीद है कि स्थिति जल्द स्थिर होगी।

पश्चिम एशिया में गहराते संकट के बीच शेयर बाजारों में गिरावट की आशंका

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- गिरावट इस बात पर निर्भर, संघर्ष कितने समय तक चलता है
- विदेशी निवेशकों के रुख से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित होगी

पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट के कारण सोमवार को शेयर बाजारों में नकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिलेगी।

हालांकि, बाजार में गिरावट इस बार पर निर्भर करेगी कि यह संघर्ष कितने समय तक चलता है। विश्लेषकों ने यह बात कही। अमेरिका और इजराइल ने शनिवार को ईरान पर हमला किया था। ईरानी सरकारी मीडिया ने रविवार सुबह पुष्टि की कि इस हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए हैं। भू-राजनीतिक स्थिति के अलावा, व्यापक आर्थिक आंकड़ों की घोषणा, वैश्विक बाजार के रुझान और विदेशी निवेशकों के रुख से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित होगी। होली के अवसर पर मंगलवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के शोध प्रमुख संतोष मीणा ने कहा, ''पश्चिम एशिया में बढ़े भू-राजनीतिक तनाव के बाद निवेशकों का उत्साह और भी कम हो गया है। मीणा ने कहा, ''भारत जैसी तेल आयातक अर्थव्यवस्था के लिए कच्चे तेल की ऊंची कीमतें मुद्रास्फीति, राजकोषीय संतुलन और ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों के लिए जोखिम पैदा करती हैं। यह बाहरी झटका बाजार के लिए एक तकनीकी रूप से कमजोर क्षण में आया है।''

कच्चे तेल की ऊंची कीमतें प्रभावित करेंगी बाजार को : मीणा ने कहा कि भू-राजनीतिक अनिश्चितता और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच सोमवार को बाजार गिरावट के साथ खुल सकते हैं।

बाजार नकारात्मक प्रतिक्रिया देगा

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, ''बाजार बहुत नकारात्मक प्रतिक्रिया देगा। यदि कच्चे तेल की कीमत लंबे समय तक ऊंची रहती है, तो हमारे व्यापार संतुलन और भुगतान संतुलन पर असर पड़ेगा, क्योंकि हम अपनी तेल जरूरतों का लगभग 85 प्रतिशत आयात से पूरा करते हैं।''

मारुति की फरवरी में कुल बिक्री 7.32 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी वाहन कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) की फरवरी में कुल बिक्री 7.32 प्रतिशत बढ़कर 2,13,995 इकाई हो गई। इससे पिछले साल फरवरी में कंपनी ने 1,99,400 वाहन बेचे थे। पिछले महीने घरेलू बाजार में उसकी कुल यात्री वाहनों की बिक्री थोड़ी बढ़कर 1,61,000 इकाई हो गई, जबकि फरवरी, 2025 में यह 1,60,791 इकाई थी। ऑल्टो और एस-प्रेसो वाले मिनी कार खंड की बिक्री मामूली बढ़कर 10,238 इकाई हो गई, जो एक साल पहले इसी महीने में 10,226 इकाई थी। बलेनो, सेलेरियो, डिजायर, इग्निस, स्विफ्ट और वैगनआर जैसे कॉम्पैक्ट कार खंड की बिक्री पिछले महीने घटकर 66,386 इकाई रह गई, जो फरवरी, 2025 में 72,942 इकाई थी।

जीएसटी संग्रह फरवरी में 8.1% से बढ़कर 1.83 लाख करोड़ रुपए

- आयात से प्राप्त राजस्व में वृद्धि रिकॉर्ड की गई
- घरेलू बिक्री में सुधार से बढ़ोतरी में मुख्य योगदान रहा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह फरवरी में सालाना आधार पर 8.1 प्रतिशत बढ़कर 1.83 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। आयात से प्राप्त राजस्व में उच्च वृद्धि और घरेलू बिक्री में सुधार का इस बढ़ोतरी में मुख्य योगदान रहा।

इस दौरान सकल घरेलू राजस्व 5.3 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.36 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि आयात से सकल राजस्व 17.2 प्रतिशत बढ़कर 47,837 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कुल शुद्ध जीएसटी संग्रह 1.61 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 7.9 प्रतिशत अधिक है। कुल रिफंड 10.2 प्रतिशत बढ़कर 22,595 करोड़ रुपये रहा। शुद्ध उपकर राजस्व 5,063 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल फरवरी में 13,481 करोड़ रुपये था। सितंबर, 2025 से लगभग 375 वस्तुओं पर जीएसटी दरों में कटौती की गई थी। साथ ही पांच, 12, 18 और 28 प्रतिशत के चार कर स्लैब को मिलाकर पांच और 18 प्रतिशत के दो स्लैब बनाए गए थे।

जीएसटी राजस्व मजबूत बना हुआ

ग्रांट थॉर्नटन भारत के भागीदार मनोज मिश्रा ने कहा कि चालू वर्ष में अब तक कुल संग्रह 8.3 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 20.27 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। ये आंकड़े बताते हैं कि उच्च आधार के बावजूद जीएसटी राजस्व मजबूत बना हुआ है।

रेगुलेटेड इंस्टीट्यूशन होने के कारण खुद को रेगुलेट नहीं कर सकता

एनएसई का आईपीओ खुद के प्लेटफॉर्म पर नहीं होगा सूचीबद्ध

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) जब पब्लिक होगा, तो वह अपने शेयर अपने प्लेटफॉर्म पर लिस्ट नहीं करेगा। ऐसा इसलिए क्योंकि भारतीय नियम इसकी इजाजत नहीं देते हैं। यह बात एनएसई के मैनेजिंग डायरेक्टर (एमडी) और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ) आशीष चौहान ने कही है।

- आईपीओ दूसरे प्लेटफार्म पर सूचीबद्ध किया जा सकता है

चौहान ने कहा, 'यह भारत का एक नियम है, और हमें इसका पालन करना होगा।' उन्होंने समझाया कि एक रेगुलेटेड इंस्टीट्यूशन होने के नाते एनएसई खुद को रेगुलेट नहीं कर सकता है। इसलिए उसे किसी दूसरे एक्सचेंज पर लिस्ट होना होगा। भारत के रेगुलेटरी फ्रेमवर्क के तहत, कॉन्फ्लिक्ट-ऑफ-इंटरेस्ट कारणों से स्टॉक एक्सचेंजों को अपने प्लेटफॉर्म पर खुद को लिस्ट करने की इजाजत नहीं है।

इनवेस्टमेंट बैंकों को पिच के लिए किया इनवाइट

एनएसई ने इनवेस्टमेंट बैंकों को एक रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल जारी किया है। इसमें उन्हें आईपीओ में रोल के लिए पिच करने के लिए इनवाइट किया गया है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में मामले से जुड़े लोगों के हवाले से कहा गया है कि एक्सचेंज मार्च 2026 के मध्य तक आईपीओ के लिए एडवाइजर चुनने का प्लान बना रहा है। एनएसई ने फरवरी महीने की शुरुआत में नॉन-इंडिपेंडेंट डायरेक्टर और एलआईसी के पूर्व एमडी तबलेश पांडेय की अध्यक्षता में आईपीओ कमेटी बनाई थी। साथ ही लिस्टिंग प्रोसेस की देखरेख के लिए रॉथ्सचाइल्ड एंड कंपनी को एक इंडिपेंडेंट एडवाइजर अपॉइंट किया था।

एनएसई में अभी 1,95,000 शेयरहोल्डर

एनएसई में अभी लगभग 195,000 शेयरहोल्डर हैं, जिनके पास कुल मिलाकर एक्सचेंज का 100 प्रतिशत हिस्सा है। चौहान ने आईपीओ को काफी हद तक प्रोसिजरल बताया, जिसका मकसद मौजूदा शेयरहोल्डर्स को लिक्विडिटी उपलब्ध कराना है, न कि विस्तार के लिए फंडिंग जुटाना। एक्सचेंज अपने ग्रोथ प्लान को पूरा करने के लिए काफी प्रॉफिट में है।

प्रस्ताव में ऑफर फॉर सेल रहेगा

एमडी ने आगे कहा कि एक्सचेंज को अपने आईपीओ का ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस तैयार करने और फाइल करने में कुछ महीने लगेंगे, जिसके बाद सेबी डॉक्यूमेंट को रिव्यू करेगा और आगे की मंजूरी देगा। प्रस्तावित आईपीओ में केवल ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) रहेगा, जिसमें मौजूदा निवेशक शेयरों को बिक्री के लिए पेश करेंगे। इसलिए एक्सचेंज को कोई नई कैपिटल हासिल नहीं होगी।

“ मानसिक स्वास्थ्य हमारे समग्र कल्याण का एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा है। आइए हम सब मिलकर ऐसा वातावरण बनाएँ, जहाँ मानसिक स्वास्थ्य पर बातचीत आम और सहज हो सके। ”

श्री नरेंद्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

Tele MANAS 14416

टेली मानस

भारत का राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की पहल

क्या आप किसी मानसिक स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे हैं?

कभी भी, कहीं से भी टेली मानस के माध्यम से सहायता पाएं।
24/7, 20+ भाषाओं में, पूरे भारत में उपलब्ध।

इन चिंताओं के लिए हमें कॉल करें:

- उदासी, चिंता या तनाव
- नींद की समस्या
- परीक्षा का तनाव
- परिवार से जुड़ी समस्याएँ
- आत्महत्या से जुड़े विचार
- नशे से संबंधित समस्याएँ
- रिश्तों में परेशानी
- याददाश्त से जुड़े मुद्दे
- पैसों की चिंता या अन्य मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ

“ पिछले 3 वर्षों में हमने 30 लाख से अधिक कॉल्स में सहायता की है। ”

टेली मानस ऐप डाउनलोड करें और स्व-देखभाल सामग्री तथा वेलनेस अभ्यास मॉड्यूल देखें।

CBC 17193/13/0006/2526

टेली मानस को कॉल करें

24/7

14416

टोल-फ्री नंबर

- 10 क्षेत्रीय भाषाओं + अंग्रेज़ी और हिंदी में उपलब्ध।
- दिव्यांग उपयोगकर्ताओं के लिए एक्सेसिबिलिटी फीचर्स।
- मिलिए ‘अस्मी’ से आपके सवालों, जानकारी और सहायता के लिए आपका चैटबॉट।

यहाँ स्कैन करें

टेली मानस के बारे में और जानने व ऐप डाउनलोड करने के लिए!

प्रथम पृष्ठ का शेष

पाक में कोहराम,...

सरकारी समाचार एजेंसी 'आईआरएनए' ने मेजर जनरल मोहम्मद पकपोर की मौत की घोषणा की, जिन्होंने पिछले साल जून में 12 दिन के युद्ध के दौरान इजराइल द्वारा गार्ड के पूर्व कमांडर की हत्या के बाद इस बल के शीर्ष कमांडर का पद संभाला था। आईआरएनए के अनुसार, अली शमखानी भी हमले में मारे गए। वह लंबे समय से ईरान के सुरक्षा तंत्र में एक प्रमुख और प्रभावशाली व्यक्ति रहे थे। सरकारी टीवी ने बताया कि खामेनेई के कार्यालय में हुई उनकी मौत यह दिखाती है कि वह लगातार जनता के बीच खड़े रहे और अपनी जिम्मेदारियां निभाने में आगे रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, 'इतिहास के सबसे दुष्ट लोगों में से एक खामेनेई मारा जा चुका है। उन्होंने चेतावनी दी कि भारी और सटीक बमबारी' जारी रहेगी, जो पूरे सप्ताह तथा उससे आगे तक चल सकती है। अमेरिका ने इस घातक हमले को यह कहते हुए उचित ठहराया कि यह ईरान की परमाणु क्षमताओं को निष्क्रिय करने के लिए आवश्यक है। हमलों के बाद जवाबी कार्रवाई शुरू करने वाले ईरान ने बदला लेने की चेतावनी दी है।

ईरान के मंत्रिमंडल ने कहा कि इस 'घोर अपराध का जवाब जरूर दिया जाएगा।

रिवोल्यूशनरी गार्ड ने खामेनेई की हत्या के बाद 'अब तक का अपना सबसे भीषण आक्रामक अभियान' शुरू करने की रविवार को धमकी दी। यह हमला ईरान में अमेरिकी हस्तक्षेप के एक नए और चौंकाने वाले अध्याय की शुरुआत है। इससे बदले की हिंसा और व्यापक युद्ध का खतरा बढ़ गया है और यह उस अमेरिकी राष्ट्रपति की सैन्य शक्ति का बड़ा प्रदर्शन भी है, जो 'अमेरिका प्रथम' के नारे के साथ सत्ता में आए और 'अनवरत युद्धों' से दूर रहने का वादा किया। ट्रंप प्रशासन के दूसरे कार्यकाल में पिछले आठ महीनों में ईरान पर हुए दूसरे हमले में खामेनेई की हत्या से नेतृत्व का बड़ा शून्य पैदा होना लगभग तय है, क्योंकि उनका कोई स्पष्ट उत्तराधिकारी नहीं है। खामेनेई के पास दशकों तक सत्ता में रहते हुए सभी प्रमुख नीतियों पर अंतिम निर्णय लेने का अधिकार था। वह ईरान के धार्मिक प्रतिष्ठान और अर्द्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड का नेतृत्व करते थे, जो देश की सत्ता के दो प्रमुख केंद्र हैं। उनकी मौत की खबरें आने पर तेहरान में कुछ लोगों ने खुशी मनाई। तेहरान में प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कुछ निवासी छतों से नारे लगा रहे थे, सीटी बजा रहे थे और खुशी व्यक्त कर रहे थे।

बेटी-दामाद, पोता-...

के पवित्र महीने रमजान के दौरान चलाया गया। अधिकारियों के अनुसार, यह अभियान कई महीनों से योजना बनाकर शुरू किया गया।

15 माओवादियों ने...

इनाम घोषित थे। इनमें एक स्टेट कमेटी मेंबर विकास उर्फ सुदर्शन भी शामिल है, जो 25 लाख रुपए का इनामी था। इसके अलावा दो डिविजनल कमेटी मेंबर 8-8 लाख के इनामी और पांच एरिया कमेटी मेंबर 5-5 लाख के इनामी शामिल हैं। इन नक्सलियों ने समर्पण के साथ अपने 14 अत्याधुनिक हथियार भी पुलिस को सौंपे हैं। जमा किए गए हथियारों में 3 एके-47 राइफल, 2 एसएलआर, 2 इंसास राइफल, 4 303 राइफल, 3 12-बोर बंदूकें शामिल हैं।

आत्मसमर्पण वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ, जिसमें विवेकानंद सिन्हा अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (नक्सल विरोधी अभियान, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, एसटीएफ एवं एसआईबी), हिमांशु लाल पुलिस महानिरीक्षक (नार्दर्न रेंज), संबलपुर, ओडिशा), अमरेश मिश्रा पुलिस महानिरीक्षक (ग्रामीण जोन, रायपुर), बीएस ध्रुव पुलिस महानिरीक्षक (एसआईबी), विनय कुमार लंगेह कलेक्टर, जिला महासमुंद, प्रहलाद सहाय मीना पुलिस अधीक्षक, जिला बरगढ़ (ओडिशा), अभिलाष पुलिस अधीक्षक, जिला बलांगीर (ओडिशा), प्रभात कुमार पुलिस अधीक्षक (जिला महासमुंद) उपस्थित रहे।

9 महिलाएं और 6 पुरुष शामिल-

आत्मसमर्पित नक्सलियों के दल में 9 महिलाएं और 6 पुरुष शामिल हैं। ये सभी ओडिशा राज्य कमेटी के अंतर्गत बरगढ़-बलांगीर-महासमुंद डिविजन में सक्रिय थे। मुख्य रूप से तेलंगाना और छत्तीसगढ़ के बीजापुर, सुकमा व नारायणपुर जिलों के निवासी ये नक्सली पिछले कई वर्षों से सीमावर्ती इलाकों में सक्रिय थे। सबसे वरिष्ठ सदस्य विकास साल 1985 से संगठन में जुड़ा हुआ था। बरगढ़-बलांगिर-महासमुंद डिवीजन के 15 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। इनमें 25 लाख के इनामी स्टेट कमेटी मेंबर

विकास उर्फ सुदर्शन सहित मंगेश, बाबू और मनोज जैसे बड़े कैडर शामिल हैं। समर्पित नक्सलियों में प्रमीला, करुणा, रोजा, रोशनी (एरिया कमेटी मेंबर) और राधिका, मीना, दीपना, रीना, सोनू, पांडु व रनीला (पार्टी मेंबर) भी शामिल हैं।

नक्सल-मुक्त बस्तर...

हैं, जिन पर कुल 73 लाख रुपए का इनाम घोषित था। अत्याधुनिक हथियारों के साथ उनका यह आत्मसमर्पण इस बात का प्रमाण है कि भटके हुए युवाओं का विश्वास अब सुशासन, सुरक्षा और विकास की राह पर लौट रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में हम नक्सलवाद के पूर्णतः खात्मे की ओर अग्रसर हैं। भयमुक्त और विकसित-सुरक्षित छत्तीसगढ़ बनाना ही हमारा अटल संकल्प है।

पायलट प्रोजेक्ट के...

तो बच्चों को कृषि क्षेत्र से जोड़ने के लिए उद्यानकी और वानिकी कॉलेज भी खोला जा रहा है। डाइट कॉलेज भी जल्द ही खुल जाएगा। खासतौर पर सड़क और बिजली का काम हुआ है।

डॉ.द्विवेदीः सूरजपुर क्षेत्र में कौन सा धंधा बेहतर है रेत या कोयले का ?

श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़ेः सूरजपुर क्षेत्र से कोयला अधिक निकलता है लेकिन इसमें गड़बड़ी या कालाबाजारी की शिकायत बहुत ज्यादा नहीं है। जहां तक रेत की बात है तो अवैध उत्खनन की शिकायत नहीं मिली है। और रेत को एक धंधे के रूप में ना देखते हुए आवश्यकता के तौर पर अधिक देखे जाने की जरूरत है। प्रदेश भर में पीएम आवास बन रहे हैं तो इसके लिए रेत जरूरी हो जाती है। अवैध उत्खनन और परिवहन पर लगाम लगाने के लिए शासन प्रशासन स्तर पर भी पूरी कोशिश की जाती है। जहां भी गड़बड़ी पाई जा रही है वहां सख्त कार्रवाई हो रही है।

डॉ. द्विवेदीः अपने विभाग के बारे में 2 साल की उपलब्धि के बारे में कुछ बता पाएंगी ?

श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़ेःकोई भी योजना आती है तो वह पूरे प्रदेश के लिए और वहां की जनता के लिए होती है। मिनी आंगनवाड़ी खोले गए हैं तो छोटे आंगनबाड़ियों को बड़ा किया गया है। नए आंगनबाड़ी भवन बनाए गए हैं, जहां मरम्मत की जरूरत थी वहां के लिए भी अलग से राशि स्वीकृत की गई है। कई आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की भर्ती जिला और प्रदेश स्तर पर की गई है। सरगुजा और बस्तर संभाग में खास तौर पर कुपोषण को दूर करने पर काम किया जा रहा है। प्रदेश भर में कुपोषण मुक्ति योजना पर काम करते हुए अभियान चलाया जा रहा है। सरगुजा और बस्तर के चार-चार जिलों को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर इस योजना में शामिल किया गया है। यहां अतिरिक्त पोषण उपलब्ध कराए जाएंगे। महिलाओं को छोटे उद्यमी के तौर पर सामने लाने की कोशिश हो रही है और इसके लिए अलग से लोन की व्यवस्था भी हो रही है।

डॉ.द्विवेदीःपोषण आहार योजना में बदलाव को किस रूप में देखती हैं और भाजपा सरकार इसमें क्या कर रही ?-

श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़ेःपोषण आहार योजना में बदलाव कांग्रेस सरकार ने किया था। स्व सहायता समूह से रोटी छीनने का काम करते हुए इसे निजी कंपनियों के हवाले किया गया था । रेडी टू ईट योजना जो महिलाओं के माध्यम से बनकर सभी जगह पहुंचती थी इसे छीन लिया गया था। भाजपा सरकार इसमें बदलाव कर रही है। फिलहाल 6 जिलों में फिर से स्व सहायता समूह को पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर काम सौंपा गया है। जल्द ही इसे प्रदेश के सभी जिलों में लागू किया जाएगा। रानी दुर्गावती योजना भी लागू की जा रही है क्योंकि भाजपा महिलाओं की चिंता अधिक करती है। बुजुर्गों के लिए डे केयर सेंटर भी सभी जिलों में खोले जा रहे हैं। यहां भोजन के साथ ही भजन कीर्तन और दूसरी व्यवस्था होंगी। श्रवण और बाधित सेंटर भी सूरजपुर में जिले में खोला जा रहा है।

डॉ. द्विवेदीः ट्रिपल इंजन की सरकार होने के बाद भी नगर पालिका चुनाव में सूरजपुर में भाजपा की हार कैसे हो गई ?

श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े :इस हार को स्वीकार करते हुए यह मानना होगा कि कहीं कोई चूक रह गई होगी। हमारे कार्यकर्ताओं ने पूरी मेहनत की थी। जहां गलती हुई होगी उसे सुधार कर फिर जनता के बीच में जाएंगे।

भद्रा-ग्रहण के रंग...

प्रारंभ होगा, जो 3 मार्च सुबह 5:23 बजे तक रहेगा। 2 मार्च को शाम 05:56 से पूरी रात भद्रा प्रभावी रहेगी। भद्रा में होलिका दहन वर्जित है, किंतु यदि भद्रा पूरी रात हो, तो भद्रा मुख :शेष पेज 3 पर

को त्यागकर दहन का विधान है। भद्रा मुख का समय 2 मार्च को मध्यरात्रि पश्चात 2 बजकर 38 मिनट से प्रारंभ हो जाएगा। सुबह 5.23 मिनट तक भद्रा समाप्ति तक भद्रा मुख व्याप्त रहेगा। इसके पूर्व आज मध्यरात्रि पश्चात 1 बजकर 37 मिनट से 2 बजकर 38 मिनट का होलिका दहन किया जा सकेगा।

कल बंद रहेंगे मंदिरों के पट-

हाटकेश्वरनाथ महादेव मंदिर मुख्य पुजारी सुरेश गिरी गोस्वामी ने कहा, चंद्रग्रहण होने के कारण सोमवार को होलिका दहन किए जाने के पश्चात भी मंगलवार को होली नहीं खेली जाएगी। मंदिरों के पट बंद रहेंगे और मूर्तियों को कुश के कपड़े से ढका जाएगा। अगले दिन बुधवार को ही भगवान को रंग लगाया जाएगा। शहर के लगभग प्रत्येक मंदिर प्रबंधन द्वारा भक्तों को इस संदर्भ में सूचित कर दिया गया है।

हवन की राख से खेली जाएगी होली-

बाबा उदय नाथ के अनुयाई, जिनकी संख्या लगभग 20-30 हजार से ज्यादा है। वे सभी और उसके अलावा प्रदेश के विभिन्न स्थानों से आए हिंदू संगठन, संघ और गौसेवक भी इस

आयोजन में शामिल हुए हैं। ब्रम्ह मुहूर्त में हवन की पूर्णाहुति दी जाएगी। फिर इसी आहुति की राख से तिलक लगाकर शांति पूर्ण ढंग से गौ शाला परिसर में होली खेली जाएगी। तीन दिन तक विशेष भंडारे का आयोजन किया गया है।

मध्यरात्रि पश्चात दहन-

भद्रा व्याप्त होने के कारण मध्यरात्रि पश्चात ही दहन किया जाएगा। मध्यरात्रि पश्चात 1.37 मिनट से 2.37 तक का समय उचित है।

- पं.मनोज शुक्ला, महामाया मंदिर, रायपुर

दुर्गम इलाकों का सहारा बनी मोबाइल मेडिकल यूनिट, 24 सौ शिविरों में 40 हजार मरीजों को मिला उपचार

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

दूरस्थ इलाकों में रहने वाले ग्रामीणों के लिए मोबाइल मेडिकल यूनिट चिकित्सकीय उपचार का सहारा बन रही है। कोंडागांव, बलरामपुर, कांकेर के दूरस्थ गांव में अब तक 24 सौ से ज्यादा शिविर लगाकर 40 हजार से ज्यादा मरीजों का इलाज किया गया है। पीएम-जनमन योजना के तहत मोबाइल मेडिकल यूनिट का संचालन किया जा रहा है। राज्य में पीएम-जनमन परियोजना के परियोजना निदेशक चेतन शर्मा के मुताबिक, अब तक प्रदेशभर में आयोजित इन शिविरों के माध्यम से 40 हजार से अधिक मरीज लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि इन एंबुलेंस के जरिए मरीजों को उचित उपचार और परामर्श प्रदान किया गया है। 57 एमबीबीएस डॉक्टरों, इतनी ही संख्या में नर्सों और लैब तकनीशियनों की मेडिकल टीमें मौसमी बीमारियों से लेकर पुरानी बीमारियों तक, विभिन्न स्वास्थ्य स्थितियों का समाधान कर रही हैं। आवश्यक उपकरणों से लैस एमएमयू 'पहियों पर अस्पताल' के समान हैं, जो 25 प्रकार के लैब परीक्षणों की सुविधा दे रही हैं। मोबाइल मेडिकल यूनिट्स ने विशेष रूप से दुर्गम इलाकों और संवेदनशील क्षेत्रों को लक्षित किया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी नागरिक स्वास्थ्य सेवा से वंचित न रहे। मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से अब तक ओरछा, बड़े राजपुर, कुसमी, शंकरगढ़, अंतागढ़, भानुप्रतापपुर, बोडला, मैनपुर, देवभोग, छुरा, नगरी, पाली, पोड़ी उपरोड़ा, गौरेला और पिथौरा में शिविर लगाकर जांच की गई। एमएमयू के माध्यम से ग्रामीण इलाकों में त्वचा रोग, बीपी, शुगर के साथ बुखार सहित अन्य संक्रामक बीमारियों का इलाज किया जा रहा है। एमएमयू प्रजनन और बाल स्वास्थ्य सेवा, मातृ देखभाल, प्रसव पूर्व देखभाल, उच्च जोखिम वाले गर्भधारण की पहचान और रेफरल, तथा प्रसवोत्तर जांच की सुविधा दी जा रही है।

इसी तरह बच्चों में कुपोषण की स्क्रीनिंग, परामर्श, डायरिया, एआरआई, निमोनिया, अस्थमा और खसरे से जुड़ी जटिलताओं का उपचार किया जा रहा है।

जेल से छूटने के बाद फिर चेन स्नैचिंग, हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

जेल से छूटने के बाद चेन स्नैचिंग करने के आरोप में पुरानी बस्ती पुलिस ने एक हिस्ट्रीशीटर को घटना के एक सप्ताह बाद गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पुलिस गिरफ्त में आया शातिर आदतन चैन स्नेचर है। हाल के दिनों में चैन स्नेचिंग के आरोप में जेल में बंद बदमाश छूटकर आया था। उसके बाद पुनः चेन स्नैचिंग की थी।

एमएमआई अस्पताल की चिकित्सक डॉ. शशि किरण नेताम की शिकायत पर पुलिस ने खम्हारडीह निवासी रितेश नेताम को गिरफ्तार किया है। महिला डॉक्टर ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि 20 फरवरी को वह भाठागांव स्थित वॉलफोर्ट सिटी के पास मॉर्निंग वॉक करने निकली थी। इसी दौरान अज्ञात बदमाश पीछे की तरफ से महिला डॉक्टर के करीब पहुंचा और डेढ़ तोला सोने की चेन झपट्टा मारकर लूटकर दीवार फांदकर फरार हो गया। पुलिस ने रितेश को घटनास्थल पर मिले सीसीटीवी फूटेज के आधार पर पहचान कर गिरफ्तार किया है। रितेश के खिलाफ सिविल लाइंस, तेलीबांधा तथा माना में चोरी तथा चेन स्नैचिंग के आधा दर्जन मामले दर्ज हैं।

Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
छाती, एजर्ली एवं सांस से जुड़ी सभी बीमारियों का आधुनिक एवं विशेषज्ञ उपचार एक ही स्थान पर
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल 24 घंटे आपात चिकित्सा
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं: लेजर हेयर रिमूवल, हाइड्रोफेशियल, कार्बन फेशियल, केमिकल पीलिंग, रेडियोफ्रिक्वेंसी, एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

मोतियाबिंद आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
प्रसूति, नवजात, शिशु रोग, बांझपन, सोनोग्राफी, आयुष्मान कार्ड
बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन, अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

HMS ARSH-RAHAT
आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श-राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है।
आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते है तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
94060-21769

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं? चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान है? या जले या चोट के निशान है?

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- होटल नटराज में काम करने के लिए अनुभवी हाउस कीपिंग एवं वेटर स्टाफ की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें होटल नटराज अग्रसेन चौक बिलासपुर 99778 61508 , 07752411112 (40078)

आवश्यकता है- टेलीकॉलर (युवती), मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव (युवक) एकाउंटिंग बीजी अनुभवी (युवती) की आवश्यकता है वेतन+ इंसेंटिव योग्यता अनुसार (1वर्ष अनुभवी) बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- AVS Enterprises सोलर कम्पनी सीएमडी चौक, बिलासपुर 7000410007 (40062)

आवश्यकता है- मोबाइल दुकान मे काम करने हेतु अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार समय सुबह 10 बजे से रात 9 बजे तक सम्पर्क करें- 9827491999 (40063)

आवश्यकता है- टीडीएस, जीएसटी, आडिट एवं एकाउण्ट संबंधित की जानकारी वाले एकाउण्टेंट की आवश्यकता है। आफिस पता बिल्हा, बिलासपुर सम्पर्क करें- 9329977330 (40066)

Required - Lions Public SCHOOl Kharhaekuda Madwarani Korba (C.G.) CBSE Affiliation No. 3330422 Requires PGT- 2 (Sports-Scout Guide, IT Head) TGT- 3 (SST, Sanskrit, Computer) PRT- 3 (Hindi, Maths, EVS) PPRT- 3 Office Staff- 02 Interview on 12 & 13 March 2026 Time 10 AM to 2 PM, Venue- Lions Public School Madwarani Dist. Korba (C.G.) English medium candidates qualified as per CBSE norms should only apply alongwith two recent photographs, with all the required testimonials before 8/3/2026 E mail at- lionspublic-schoolkharharku-da@gmail.com or Whatsapp 62612 97651 (20983)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

आवश्यकता हैं
आया बाई (हॉस्पिटल एवं घरेलु कार्य हेतु)
नर्सिंग स्टॉफ
काउन्टर स्टॉफ
अग्रवाल चिल्ड्रन हॉस्पिटल मगरपारा रोड, बिलासपुर
संपर्क करेः- सुबह 11 से 01 बजे तक 07752-226296, 402543

आवश्यकता है- शहर के विभिन्न संस्थानों में दिन एवं रात ड्यूटी हेतु गार्ड एवं आफिस स्टाफ लड़का, लड़की चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार। बायोडाटा एवं आधार कार्ड के साथ सम्पर्क करें- 93006 72005, 9827192131 (1489)

आवश्यकता है- ड्राइवर, मजदूर/ वर्कर, एवं दर्जी (जो घर से काम कर सके, कपड़ा काटने, तकिया सिलना) सम्पर्क करें- खण्डेल कॉटन वेस्ट एंटरप्राइजेज, जोरापारा, सरकंडा, सीपत रोड, बिलासपुर 9993756005, 9109437273 (40064)

आवश्यकता है- FMCG डिस्ट्रीब्यूटर (lays, कुरकुरे और अन्य) में इंटर्नशिप हेतु ऑफिस, सेल्स, गोदाम कार्य हेतु पुरुष, महिला स्टाफ की आवश्यकता है सम्पर्क करें- चोपड़ा बिल्डिंग FCI रोड तारबाहर, बिलासपुर 91119 70228 8959080574 (40057)

आवश्यकता है- किराना दुकान मे कार्य करने हेतु 5 लड़कों की आवश्यकता है वेतन 4 अंको में सम्पर्क करें- सीपी किराना स्टोर D-71, राज कुमार राजेश कुमार के सामने, व्यापार विहार, बिलासपुर 9907178656 (548)

आवश्यकता है- होलसेल एवं दवाई दुकान में कार्य हेतु लड़के, ड्राईवर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, सेल्समैन माल लाने ले जाने हेतु आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7869797088, 8770939973 (40047)

आवश्यकता है- कुरदुर वैली रिसार्ट बेलगहना बिलासपुर में उपप्रबंधक हेतु योग्य अनुभवी व्यक्ति चाहिए। वेतन 10000, बायोडाटा आइडी सहित पता- जयपाल टॉवर-2 शॉप नं.-8, स्टार चिल्ड्रन के पीछे, अग्रसेन चौक बिलासपुर 81030 02273 (40072)

आवश्यकता है- टेन्ट हाऊस में काम करने के लिए सुपरवाइजर की अतिशीघ्र आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 80019 75775 (2998)

आपके सपनों का आशियाना जल्द होगा आपका... पढ़ते रहे हरिभूमि क्लासिफाइड सब कुछ है यहां

बेचना है

बेचना है- कमर्शियल/ आवासीय 71504 वर्गफीट प्लाट खमतराई बिलासपुर में, शिवम विहार कॉलोनी 30×55, सूर्या विहार विहार कॉलोनी के पास 44×80, नगोई बायपास के पास 60×58.2 प्लाट बेचना है। सम्पर्क- 9300878897, 9575788444 (40065)

बेचना है- न्यूनतम कीमत पर सर्वसुविधायुक्त स्वतंत्र मकान वास्तु अनुरूप बना, सेंट फ्रांसिस स्कूल से नजदीक, नेहरू चौक से 2km एवं रिंग रोड नं.2 से 500m दूरी अमेरी में सम्पर्क- 9575555811, 8103121458 (40076)

बेचना है-जूना बिलासपुर मेन रोड बालाजी सेल्स एवं रमेश थ्रेड के बीच में 215 वर्गफुट डबल स्टोरी स्वतंत्र दुकान सम्पर्क करें- प्रिन्स नावेल्टी गोल बाजार बिलासपुर 98271 68452 9300625174 9827466134 (3103)

बेचना है- यदुनन्दन नगर तिफरा में TNCP प्लाट 40×60= 2400 वर्गफिट डबल रोड का सेमी कमर्शियल, बंगला, किराया चाल, कॉम्पलेक्स हेतु उत्तम बेचना है मूल्य 2000 रुपए प्रति वर्गफिट सम्पर्क करें- 98263 14444 (40067)

बेचना है- देवरीखुर्द में 6000 वर्गफुट हॉल+ आंगन+ 17 कमरे का सर्वसुविधायुक्त ट्रिपल रोड कीमत 1.80 करोड़ एवं सिरगिट्टी गोविंद नगर में 1350 वर्गफुट डबल रोड प्लॉट 26लाख में। सम्पर्क करें- 7354288861 (40074)

बेचना है- बिलासपुर की सबसे बड़ी आवासीय कालोनी यदुनन्दन नगर तिफरा के अन्दर मेन रोड पर 1500 वर्गफिट प्लाट पर बना डबल रोड 2BHK मकान+ 1दुकान+ गार्डन+ पार्किंग कीमत 51लाख सम्पर्क- 9826314444 (40068)

बेचना है- सर्वमंगला पेट्रोल पम्प के पीछे आशा नगर उस्लापुर में डाइवर्टेड डबल स्टोरी का नक्शा पास भूमि 60×50 में 60फुट उत्तर मुखी फ्रंट 25फीट सीमेन्ट रोड पर बेचना है सम्पर्क- 93003 33519 (40061)

बेचना है- 55×40= 2200 वर्गफुट मेन डामर रोड पर पुराना मकान बना हुआ ग्राम मोहरा में जमीन की कीमत में मटियारी के पास बेचना है कीमत 1200 फुट सम्पर्क करें- 9827938236, 87709 63388 (40083)

बेचना है- रेसिडेंशियल प्लॉट, सीपत मेन रोड से 50 फिट अन्दर बहतराई रोड में सरकंडा थाना के पास बिलासपुर में 4160 वर्गफिट प्लॉट बेचना है वास्तविक खरीददार ही सम्पर्क करें- 7869193933 (40060)

बेचना है- सवा दो एकड़ खेती भूमि (फ्रंट 185 फिट) ग्राम मोहभट्ठा में सरगांव बस स्टैण्ड के पीछे से कड़ी जाने वाली पक्की रोड पर, बेचना है। खरीददार ही सम्पर्क करें- 8319133785 (40075)

बेचना है- 10×14 दुकान मेन रोड पर मिशन हॉस्पिटल रोड राजू दोसा के सामने, दीदी गारमेन्ट लिखा (2) 12×16 श्रीराम प्लाजा सिटी कोतवाली पास सन्त कंवरराम मार्केट के सामने (12लाख) सम्पर्क- 8349711515 (40077)

बेचना/किराया

बेचना/किराया- बिलासपुर में तिफरा में बने टाइल्स हब में बाहुबली टाइल्स, सिद्धी विनायक टाइल्स के पास सर्वसुविधायुक्त जगह बेचना है अथवा किराये पर उपलब्ध है । टाइल्स शोरूम हेतु उपयुक्त सम्पर्क करें- 9826191897 (40080)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

किराया

किराया- व्यापार विहार ग्वालानी चेंबर के थर्ड फ्लोर में 400 वर्गफीट ऑफिस, टॉयलेट, चेंबर, AC, फैन किराए से देना है 15,000+1000 मो. 98931 30580 (40069)

शैक्षणिक

प्रवेश प्रारम्भ - मैट्रस विश्वविद्यालय, मुक्त दूरवर्ती शिक्षा, शासकीय सेवा मान्य, प्रवेश प्रारम्भ DCA, PGDCA, BCA, MCA, BA, BSc, BCom, MA, MSc, MCom, BBA, MBA, MSW, BLib, MLib अन्तिम तिथि 15मार्च, सम्पर्क- राजेन्द्र नगर चौक बिलासपुर 8959264581, 9516036581 (40085)

कृषि उपकरण

कृषि उपकरण - 2/4 चक्का हाईड्रोलिक ट्राली, वाटर टेंकर 3000, 4500, 5000 लीटर, पैराकटीया मशीन, गेहूं थ्रेसर, धान थ्रेसर, ट्रेक्टर माडल एव, मोटर मॉडल सबसे कम दामों पर सभी कृषि उपकरण पुराना ट्राली एक्सचेंज ऑफर सम्पर्क- किसानएग्रो गतौरी रतनपुर रोड बिलासपुर 9827892413 7999789224 (40079)

हमारा अशियाना
META PROPERTIES
3BHK VILLA & PLOTS AVAILABLE
VIP CITY, Saddu, Vidhan Sabha, Raipur, C.G.
812 000 8290
Khanna Advt.

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

आपके सपनों का आशियाना जल्द होगा आपका... पढ़ते रहे हरिभूमि क्लासिफाइड सब कुछ है यहां

दुबई हवाई अड्डे पर सिंधू व कोच सुरक्षित, स्थित तनावपूर्ण व डरावनी

एजेंसी ▶▶| दुबई

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने रविवार को दुबई हवाई अड्डे पर स्थिति को 'तनावपूर्ण और डरावना' बताया क्योंकि जहां खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच वह और उनके इंडोनेशियाई कोच रुके हुए थे और उसके पास एक धमाका हुआ। ईरान के मिसाइल हमलों के बाद खाड़ी देशों के कुछ हिस्सों में धमाकों की खबरें आई हैं जिसमें संयुक्त अरब अमीरात भी शामिल है। इसके बाद कई विमान कंपनियों को या दो अपनी उड़ानें रद्द करनी पड़ी या मार्ग बदलना पड़ा।

शनिवार से दुबई में फंसी हुई सिंधू व कोच

सिंधू को तीन मार्च से शुरू होने वाली ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप में हिस्सा लेना है और वह शनिवार से अपने इंडोनेशियाई कोच इरवांस्याह आदि प्रतामा के साथ दुबई में फंसी हुई हैं क्योंकि क्षेत्र में मिसाइल हमलों के बीच वायुक्षेत्र को बंद किया गया है। सिंधू ने बताया, ''जैसे ही हमारा विमान दुबई में उतरा तो हमारे नियंत्रण से बाहर की चीजें होने लगीं। थोड़ी देर बाद वायु क्षेत्र बंद कर दिया गया और पिछले कुछ घंटे बहुत तनाव वाले रहे। हम ऊपर से इंटरसेप्शन की आवाजें सुन सकते थे।''उन्होंने कहा, कुछ घंटों बाद दुबई हवाई अड्डे पर हम जहां छिपे हुए थे उसके बहुत पास एक धमाका हुआ।

कई विमान कंपनियों ने उड़ाने रद्द की या मार्ग बदला

घटना की पुष्टि की कहा, बाल-बाल बचे

सिंधू के इंडोनेशियाई कोच इरवांस्याह आदि प्रतामा ने भी घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि वह बाल-बाल बचे। इरवांस्याह ने कहा, ''हवाई अड्डे पर धमाका हुआ था इसलिए हम इस समय यहीं फंसे हुए हैं। उन्होंने हमें होटल में रखा है। हम ठीक हैं लेकिन फिर भी थोड़ी चिंता है। हम ऑल इंग्लैंड के लिए जाना चाहते हैं। मुझे उम्मीद है कि हम आज उड़ान ले पाएंगे क्योंकि सिंधू का मैच बुधवार को है।'

एयर इंडिया ने अपनी सभी सेवा रद्द की

एयर इंडिया ने खाड़ी देशों के बड़े स्थलों के लिए अपनी सभी सेवा रद्द करने का ऐलान किया है जबकि दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने वायु क्षेत्र पाबंदियों की वजह से संचालन अनिश्चित समय के लिए रोक दिया है। इस बीच विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने कहा कि वह बैडमिंटन इंग्लैंड के साथ पश्चिम एशिया में चल रही भूराजनैतिक स्थिति से पैदा होने वाली यात्रा चुनौतियों पर करीब से नजर रख रहा है।

सिंधू ने दूतावास का आभार जताया

सिंधू ने इस मुश्किल समय में मदद के लिए दुबई में भारत के महावाणिज्य दूत का भी शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा, ''हम सब अब सुरक्षित हैं और दुबई हवाई अड्डे के स्टाफ और दुबई अधिकारियों की लगातार कोशिशों की वजह से हमें अधिक सुरक्षित जगह पर ले जाया गया है।''

खिलाड़ियों की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता

बीडब्ल्यूएफ ने बयान में कहा, ''सभी खिलाड़ियों, अधिकारियों और सहयोगी स्टाफ की सुरक्षा और भलाई हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।'' बीडब्ल्यूएफ ने कहा कि वह खिलाड़ियों के आगमन में देरी की स्थिति में प्रतियोगिता कार्यक्रम की समीक्षा और संभावित आपात स्थिति के लिए तैयार है। भारत के अधिकतर खिलाड़ी पहले ही बर्मिंघम पहुंच चुके हैं लेकिन सिंधू सहित कुछ खिलाड़ी बदलते भूराजनैतिक संकट से प्रभावित हैं।

सभी जोड़ी बर्मिंघम पहुंच चुकी, उन्नति भारत में

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी, पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन, युवा आयुष शेट्टी, गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली की महिला युगल जोड़ी बर्मिंघम पहुंच चुके हैं। मालविका बंसोड़ भी पहुंच गई हैं लेकिन उन्नति हुड्डा अब भी भारत में हैं क्योंकि नयी दिल्ली से बर्मिंघम के लिए उनकी सीधी उड़ान आखिरी समय में रद्द हो गई थी।

खबर संक्षेप

जयसूर्या श्रीलंका टीम के मुख्य कोच का पद छोड़ेंगे

कोलंबो। सनथ जयसूर्या ने टी20 विश्व कप में श्रीलंका के खराब प्रदर्शन के बाद टीम के मुख्य कोच का पद छोड़ने का फैसला किया है। सह मेजबान श्रीलंका सुपर आठ चरण में अपने सभी मैच हार गया। ग्रुप चरण में टीम को जिम्बाब्वे से हार मिली जबकि उसने ऑस्ट्रेलिया तथा कमजोर माने जाने वाले ओमान और आयरलैंड के खिलाफ जीत दर्ज की। निवार को पाकिस्तान के खिलाफ श्रीलंका की हार के बाद जयसूर्या ने संवाददाताओं से कहा, ''मेरा अनुबंध जून में खत्म हो रहा है लेकिन मैं उससे पहले चला जाऊंगा। पद छोड़ने के अपने फैसले को लेकर मैं श्रीलंका क्रिकेट से बात करूंगा।''एकदिवसीय विश्व कप 1996 में श्रीलंका की खिताबी जीत के दौरान टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे जयसूर्या ने कहा, ''हमें बेहतर करना चाहिए था, मुझे दुख है और मैं प्रशंसकों से माफी मांगता हूं।'' उन्होंने कहा कि वानिंदु हसरंगा, मथीशा पथिराना और कुसाल मेंडिस की चोटों से श्रीलंका को काफी नुकसान हुआ।

लुकाकू के गोल से नेपोली का जीत इंतजार खत्म

मिलान। रोमेलु लुकाकू ने शनिवार को यहां हेलास वेरोना के खिलाफ मैच की आखिरी किक पर सत्र का अपना पहला गोल किया जिससे नेपोली का जीत का इंतजार खत्म हुआ। सत्र से पूर्व लगी जांघ की गंभीर चोट के कारण अब तक सत्र में सिर्फ 41 मिनट खेलने वाले लुकाकू ने इंजरी टाइम के छठे मिनट में गोल करके नेपोली को अंक तालिका में अंतिम स्थान पर चल रहे हेलास वेरोना पर 2-1 से जीत दिलाई। लुकाकू ने अपना पिछला गोल पिछले साल 23 मई को किया था जिसके बाद कुछ महीने उनके लिए बहुत बुरे बीते। जांघ में चोट लगने के कुछ समय बाद सितंबर 2025 में 58 साल की उम्र में उनके पिता का अचानक निधन हो गया। यह नेपोली की सभी प्रतियोगिताओं में चार मैच में पहली जीत थी। गत सीरी ए चैंपियन टीम अभी लीग तालिका में तीसरे स्थान पर है और शीर्ष पर चल रहे इंटर मिलान से 14 अंक पीछे है जिसने जिनोआ को 2-0 से हराया।

चंडीगढ मैराथन में 3500 धावकों ने भाग लिया

चंडीगढ। इथियोपिया के ओल्बाना एन येडेट और मेस्केरेम तेस्फाये फिकाडू ने चंडीगढ इंटरनेशनल मैराथन में क्रमशः पुरूष और महिला वर्ग में फुल मैराथन जीती जबकि 3500 धावकों ने इसमें भाग लिया। हाफ मैराथन (21 किलोमीटर) में भारत के हरमनजोत सिंह और इथियोपिया की टीसेहे डेसालेन ने क्रमशः पुरूष और महिला वर्ग में खिताब जीते। दस किलोमीटर में साहिल कपूर ने पुरूष वर्ग में और सोनिया ने महिला वर्ग में जीत दर्ज की।

सुपर आठ मुकाबले में इंडीज को पांच विकेट से दी शिकस्त

'संकटमोचक' संजू की पारी के दम पर वेस्टइंडीज को हराकर भारत सेफा में

- वेस्ट इंडीज ने पहले खेलते हुए चार विकेट पर 195 रन बनाए
- सेमाफाइनल में भारत का मुकाबले पांच मार्च को इंग्लैंड से
- दूसरा सेमीफाइनल चार मार्च को दक्षिण अफ्रीका का न्यूजीलैंड से
- भारत के फॉर्म में चल रहे सभी बल्लेबाज नाकाम रहे

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

संजू सैमसन ने 'संकटमोचक' की भूमिका निभाते हुए नाबाद 97 रन बनाये जिसकी मदद से भारत ने 'क्वार्टर फाइनल' की तरह रहे टी20 विश्व कप के सुपर आठ मुकाबले में रविवार को वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया जहां पांच मार्च को उसका सामना इंग्लैंड से होगा। दूसरे सेमीफाइनल में चार मार्च को दक्षिण अफ्रीका की टक्कर न्यूजीलैंड से होगी।

वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर चार विकेट पर 194 रन बनाए। खचाखच भरे ईडन गार्डंस पर भारत के फॉर्म में चल रहे सभी बल्लेबाज नाकाम रहे लेकिन संजू ने संभवतः अपने कैरियर की सबसे यादगार पारी खेलकर वेस्टइंडीज के जीत के अश्वमेधी अभियान में नकेल कसी। अभिषेक शर्मा (11 गेंद में 10 रन) एक बार फिर न सिर्फ बल्ले से नाकाम रहे बल्कि उन्होंने दो कैच भी टपकाये जबकि ईशान किशन भी दस रन बनाकर आउट हो गए।

संजू फिनिशर की भूमिका निभाकर लौटे

कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 16 गेंद में 18 और तिलक वर्मा ने 15 गेंद में 27 रन बनाए। वहीं हार्दिक पंड्या 14 गेंद में 17 रन ही बना सके। वहीं संजू ने 50 गेंद की पारी में 12 चौके और चार छक्के लगाए और सलामी बल्लेबाज के रूप में उतरकर 'फिनिशर' की भूमिका निभाकर लौटे। भारत ने चार गेंद बाकी रहते जीत दर्ज की। संजू ने 19वें ओवर में रोमारियो शेफर्ड को स्क्वेयर लेग में छक्का लगाया और अगली गेंद पर चौका जड़ दिया।

टीम ने संजू का किया अभिवादन

इसके साथ ही इस मैदान पर 2016 टी20 विश्व कप जीतने वाली कैरेबियाई टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई। जीत के बाद स्टैंड से ' मां तुझे सलाम' और 'चक दे इंडिया' जैसे गानों के बीच सैमसन घुटने के बल बैठे, हेलमेट उतारा और ईश्वर को याद किया। भारतीय टीम ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। संजू ने तीसरे विकेट के लिये सूर्यकुमार के साथ 58 रन की साझेदारी की। इसके बाद तिलक के साथ 26 गेंद में 42 रन जोड़े।

इंडीज की शुरूआत अच्छी रही

पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर वेस्टइंडीज ने चार विकेट पर 195 रन बनाए। रोस्टन चेस ने दो जीवनदान का पूरा फायदा उठाते हुए 25 गेंद में 40 रन बनाये। उन्होंने शाइ होप के साथ पहले विकेट के लिये 68 रन की साझेदारी की। होप ने 33 गेंद में 32 रन बनाये। दोनों ने अच्छी शुरूआत करते भारतीय गेंदबाजों पर दबाव बनाया। भारत ने हालांकि 12वें ओवर में वापसी की जब जसप्रीत बुमराह ने दो विकेट चटकाये।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर श्रृंखला क्लीन स्वीप की

हीली ने शतक से वनडे क्रिकेट को कहा अलविदा

एजेंसी ▶▶| होबार्ट

कप्तान एलिसा हीली ने 158 रन की पारी खेलकर शानदार अंदाज में वनडे क्रिकेट को अलविदा कहा जिससे ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को यहां तीसरे और आखिरी महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में विश्व चैंपियन भारत को 185 रन से हराकर श्रृंखला 3-0 से क्लीन स्वीप की।

पैंतीस साल की हीली का यह अंतिम वनडे मैच था जिनके 158 रन और बेथ मूनी के नाबाद 106 रन की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद सात विकेट पर 409 रन का बड़ा स्कोर बनाया। इस 410 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 45.1 ओवर में 224 रन पर ऑल आउट हो गई और तीन मैचों की सीरीज 0-3 से गंवा बैठी। हीली छह मार्च से भारत के खिलाफ पर्थ में एकमात्र गुलाबी गेंद का टेस्ट खेलने के बाद अपने शानदार अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह देंगी। हीली ने 126 वनडे मैचों में 3777 रन बनाए हैं जिसमें आठ शतक और 19 अर्धशतक शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया ने फीबी लिचफील्ड (14) का विकेट जल्दी खो दिया लेकिन हीली और जॉर्जिया वोल (52 गेंद पर 62 रन) ने दूसरे विकेट के लिए 134 रन की साझेदारी करके पारी को संभाला। हीली और मूनी ने भी तीसरे विकेट के लिए 145 रन की साझेदारी करके ऑस्ट्रेलिया को विशाल स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। अपना 126वां मैच खेल रही हीली ने आठवां एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ा जिसमें उन्होंने 27 चौके और दो छक्के मारे।

राणा ने छटके दो विकेट

भारत के लिए स्नेह राणा (66 रन पर दो विकेट) ने दो विकेट लिए। श्री चरणी (106 रन पर दो विकेट) ने भी दो विकेट चटकाए लेकिन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में 100 से अधिक रन लुटाने वाली सिर्फ तीसरी गेंदबाज बनीं। भारत ने लक्ष्य का पीछा करते हुए लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए।

मंधाना खाता भी नहीं खोल पाई

उप कप्तान और फॉर्म में चल रही स्मृति मंधाना खाता भी नहीं खेल सकीं और दूसरे ओवर में आउट होने वाली पहली खिलाड़ी रहीं। जिसके बाद प्रतिका रावल (27) और जेमिमा रोड्रिग्स (42) ने दूसरे विकेट के लिए 54 रन जोड़े। लेकिन आठवें ओवर में प्रतिका के आउट होने के बाद मुश्किलें बढ़ गईं।

पूर्व कप्तान सविता पूनिया ने निजी कारणों से लिया नाम वापस

महिला विश्व कप क्वालीफायर हॉकी के लिए 20 सदस्यीय टीम घोषित

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

अनुभवी गोलकीपर और पूर्व कप्तान सविता पूनिया ने निजी कारणों से महिला विश्व कप क्वालीफायर से नाम वापस ले लिया है जबकि हॉकी इंडिया ने रविवार को मिडफील्डर सलीमा टेटे की कप्तानी में 20 सदस्यीय टीम घोषित की। एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालीफायर आठ से 14 मार्च तक हैदराबाद में होना है। मेजबान भारत, इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, कोरिया, इटली, उरुग्वे, वेल्स और ऑस्ट्रिया अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 के तीन क्वालीफिकेशन स्थानों के लिए चुनौती पेश कर रहे हैं। टीम को दो पूल में बांटा गया है जिसमें इंग्लैंड, कोरिया, इटली और ऑस्ट्रिया पूल ए में हैं जबकि मेजबान भारत, स्कॉटलैंड, उरुग्वे और वेल्स को पूल बी में रखा गया है। सूत्रों के मुताबिक सविता ने पारिवारिक कारणों से ब्रेक लिया है। एक सूत्र ने बताया, 'सविता टूर्नामेंट से पहले राष्ट्रीय शिविर का हिस्सा नहीं थीं क्योंकि उन्होंने पारिवारिक वजहों से नाम वापस ले लिया था। इसलिए उनके नाम पर विचार करने का कोई कारण नहीं था।'' अनुभवी सलीमा टीम की अगुआई करती रहेंगी। बंसरी सोलंकी और बिचू देवी खारीबाम गोलकीपिंग की जिम्मेदारी साझा करेंगी।

- प्रतियोगिता 8 मार्च से 14 मार्च तक हैदराबाद में खिली जाएगी

टीम इस प्रकार है:

गोलकीपरः बंसरी सोलंकी, बीचू देवी खारीबम। डिफेंडरः सुशीला चानू पुखरामबम, निक्की प्रधान, मनीषा चौहान, उदिता, इशिका चौधरी। मिडफील्डरः नेहा, सलीमा टेटे, सुनीता टोप्पो, साक्षी राणा, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, रुतजा ददासो पिसल, दीपिका सोरेंग। फारवर्डः नवनीत कौर, इशिका, लालरेमसियामी, ब्यूटी डुंगडुंग, बलजीत कौर और अन्नू।

पाकिस्तान शाहीन्स और इंग्लैंड लायंस के बीच दूसरा वनडे रद्द

एजेंसी ▶▶| कराची

पाकिस्तान शाहीन्स और इंग्लैंड लायंस के बीच चल रही सीरीज का दूसरा वनडे मैच शनिवार को अबुधाबी में इलाके में मौजूदा सुरक्षा हालात की वजह से रद्द कर दिया गया। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि आज खेला जाने वाला मैच रद्द कर दिया गया है और सभी खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों को एहतियात के तौर पर अपने होटल में अंदर रहने का निर्देश दिया गया है। अबुधाबी में बिगड़ते हालात को देखते हुए इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की सलाह के बाद यह फैसला लिया गया। अधिकारी ने कहा, ''कोई अभ्यास सत्र भी नहीं होगा और टीम को अंदर रहने की सलाह दी गई है।'' उन्होंने यह भी कहा कि खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है। पीसीबी और ईसीबी लगातार संपर्क में है और हालात पर करीब से नजर रखे हुए हैं।

चेक गणराज्य के डेविड नवारा को बराबरी पर रोका

गुकेश को प्राग शतरंज महोत्सव में नवारा ने बराबरी पर रोका

एजेंसी ▶▶| प्राग (चेक गणराज्य)

- भारत के गुकेश को अभी पहली जीत का इंतजार

विश्व चैंपियन डी गुकेश का पहली जीत का इंतजार जारी रहा जब यहां प्राग अंतरराष्ट्रीय शतरंज महोत्सव के चौथे दौर में उन्हें चेक गणराज्य के डेविड नवारा ने बराबरी पर रोक दिया। नीदरलैंड के जोर्डन वान फोरेस्ट ने उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक याकुबोएव को हराकर चार मैच में तीसरी जीत के साथ बढ़त बना ली है लेकिन गत चैंपियन भारत के अरविंद चिदंबरम को जर्मनी के विन्सेंट केमर के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। दस खिलाड़ियों की इस प्रतियोगिता की दो अन्य बाजियां ड्रॉ रहीं जो अमेरिका के हेन्स मोके नीमैन और ईरान के परहम माघसूदलू तथा स्पेन के डेविड एंटोन गुइजारो और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के बीच खेली गईं। प्रतियोगिता में अब जब पांच दौर का खेल बाकी है तब वान फोरेस्ट तीन अंक के साथ शीर्ष पर हैं।

दिव्या के डेढ़ अंक

अब्दुसत्तोरोव और नवारा के ढाई अंक हैं जबकि उनसे आधा अंक पीछे याकुबोएव, केमर और गुइजारो हैं। चिदंबरम, गुकेश, नीमैन और माघसूदलू के डेढ़ अंक हैं। इस बीच चैलेंजर वर्ग में विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख ने शीर्ष पर चल रही चेक गणराज्य की वेनक्लाव फिनेक को बराबरी पर रोका जबकि सूर्य शेखर गांगुली ने मेजबान देश के स्टीफन हर्बेक से ड्रॉ खेला। दिव्या के डेढ़ जबकि गांगुली का एक अंक है। फिनेक के तीन अंक हैं।

टीम पूरी क्षमता से प्रदर्शन करने में नाकाम रही : आगा

हमने दबाव में सही फैसले नहीं लिए: पाक कप्तान

एजेंसी ▶▶| पाल्लेकल (श्रीलंका)

पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा का कहना है कि उन्होंने टी20 विश्व कप में दबाव में सही फैसले नहीं लिए और वे अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन करने में नाकाम रहे। पाकिस्तान ने अपने आखिरी सुपर आठ चरण के मैच में सह मेजबान और पहले ही बाहर हो चुकी श्रीलंका को पांच रन के मामूली अंतर से हराया। लेकिन यह जीत उन्हें सेमीफाइनल में पहुंचाने के लिए काफी नहीं थी। आगा ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''अगर आप पूरा टूर्नामेंट देखें तो हमने उम्मीद से कम प्रदर्शन किया है। 20 ओवर के मैच में हमने 18 ओवर बहुत अच्छे से खेले और दूसरी टीम को दो ओवर अच्छे से खेलने दिए गए। लेकिन आखिरी तीन ओवर में रणनीति पर अच्छी तरह अमल नहीं किया।

टूर्नामेंट में दबाव ज्यादा होता है

आगा ने कहा, ''और यही बात मैंने उनसे कही, जब हम दबाव में हों तो हमें बेहतर फैसले लेने होंगे। क्योंकि असल में आप दबाव में गलतियां करते हैं। और आईसीसी टूर्नामेंट में, दबाव ज्यादा होता है क्योंकि आप दुनिया की सबसे अच्छी टीमों के खिलाफ खेल रहे होते हैं।''

हर मैच जरूरी होता है

कप्तान ने कहा, ''हर मैच जरूरी होता है क्योंकि अगर आप एक मैच हार जाते हैं तो ऐसा लगता है कि आप टूर्नामेंट से बाहर हो जाते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि जब आप दबाव में होते हैं तो आपको अच्छे फैसले लेने होते हैं।'' आगा को लगता है कि पाकिस्तान के लिए समय की जरूरत है कि वे दबाव की स्थितियों में अपने खेल में सुधार करें।

गेंदबाजी बेहतर पर क्रियान्वयन में चूके

आगा ने कहा, ''हमने पहले इससे भी बेहतर गेंदबाजी की है। हमारी गेंदबाजी इकाई काफी बेहतर है। लेकिन हम ठीक से कार्यान्वयन करने में चूक गए। ''पाकिस्तानी के कप्तान ने खराब प्रदर्शन की पूरी जिम्मेदारी ली।

हार के लिए हम जिम्मेदार थे

कप्तान ने कहा, ''हम इसकी पूरी जिम्मेदारी लेंगे। क्यों नहीं? क्योंकि हम टीम चुनने में शामिल थे और खिलाड़ियों के लिए हम जिम्मेदार थे। मैं जिम्मेदारी लूंगा और मुझे यकीन है कि कोच भी लेंगे। उन्होंने कहा कि दबाव की स्थितियों में फैसले लेना पाकिस्तान के लिए एक बड़ी समस्या थी जिसे आईसीसी टूर्नामेंट में बेहतर नतीजों के लिए सुलझाना होगा।

भारत के साथ विदेशों में भी परीक्षाएं आयोजित करता है सीबीएसई

मिडिल ईस्ट देशों में परीक्षा रद्द लेकिन यहां पूर्ववत जारी रहेंगे

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

इजरायल-ईरान युद्ध के बीच सीबीएसई ने मिडिल ईस्ट के देशों में होने वाली 10वीं और 12वीं कक्षाओं की परीक्षा को रद्द कर दिया है। बोर्ड ने यह निर्णय बहरीन, ईरान, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में बढ़ते युद्ध के कारण स्थिति को देखते हुए लिया है। ये परीक्षाएं केवल मिडिल-ईस्ट देश के छात्रों के लिए रद्द की गई है। छत्तीसगढ़ सहित पूरे भारत में परीक्षाएं पूर्ववत आयोजित होंगी। इसमें किसी तरह का कोई बदलाव नहीं होगा। गौरतलब है कि सीबीएसई ने इन देशों में छात्रों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए, सोमवार को होने वाली 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा को रद्द करने का फैसला किया है। यह फैसला मिडिल ईस्ट के छात्रों के लिए है, जहां युद्ध और सुरक्षा की स्थिति चिंताजनक हो गई है। वहीं, बोर्ड ने इस फैसले को लेकर स्पष्ट किया है कि होली के बाद नई परीक्षा तिथियों की घोषणा की जाएगी। छात्रों और अभिभावकों को अब नई तिथियों का इंतजार रहेगा, जिससे वे अपनी पढ़ाई और परीक्षा की तैयारी को फिर से सही तरीके से कर सकें।

सीबीएसई ने इस कठिन समय में उन छात्रों और उनके परिवारों के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए यह कदम उठाया है, जो युद्ध से प्रभावित हैं। बोर्ड ने कहा कि सुरक्षा की स्थिति में सुधार के बाद जल्द ही नई तिथियों का ऐलान किया जाएगा। इस निर्णय से मिडिल ईस्ट में रहने वाले छात्रों को राहत मिली है।

माना-तूता जंगल बचाओ आंदोलन का छठवां दिन

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

माना-तूता जंगल में फिल्मसिटी परियोजना के लिए प्रस्तावित पेड़ों की कटाई के विरोध में चल रहे जनआंदोलन का छठवां दिन निगरानी समिति की अथक सक्रियता के साथ बीता। जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के जिलाध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे, जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर शहर के अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन, कांग्रेस नेता पंकज शर्मा एवं प्रवीण साहू के संयुक्त आव्हान पर रविवार को निगरानी समिति ने पिछड़ा वर्ग आयोग की पूर्व सदस्य किरण सिन्हा के साथ क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों के साथ मिलकर पूरा दिन जंगल में बिताया। निगरानी समिति के सदस्यों कृणाल सिन्हा, सारिका साहू, गोपाल बाजपेई गोवर्धन साहू, तुलेश साहू, लव यादव सहित अन्य ने श्रीमती किरण सिन्हा एवं स्थानीय व्यक्तियों के साथ जंगल के विभिन्न हिस्सों में सतर्कता के साथ नजर रखी। वे दिनभर जंगल में बैठकर, घूमकर किसी भी चोरी-छिपे कटाई या अवैध गतिविधि पर कड़ी निगरानी करते रहे। श्रीमती सिन्हा ने इस दौरान कार्यकर्ताओं को प्रोत्साहित किया और कहा कि पिछड़े वर्गों की महिलाएं एवं ग्रामीण समुदाय पर्यावरण संरक्षण में सबसे आगे हैं, क्योंकि जंगल हमारी आजीविका और संस्कृति का आधार है।

फिल्मसिटी परियोजना के लिए पेड़ काटने का विरोध

यह निगरानी पिछले दिनों की गतिविधियों धरना, चिपको आंदोलन, रक्षा सूत्र, सद्बुद्धि यज्ञ, नगाड़ा जागृति, हसदेव योद्धाओं का समर्थन की निरंतरता है, जो अब प्रत्यक्ष जंगल सुरक्षा पर केंद्रित हो गई है जिला अध्यक्ष श्री बंजारे का कहना है कि सरकार की ओर से अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई, इसलिए स्थानीय स्तर पर जंगल की रक्षा खुद करनी होगी।

रंगों का त्योहार होली पूरे देश में उत्साह के साथ मनाया जाता है, लेकिन वृंदावन में इससे जुड़ी एक खास परंपरा ने समाज की सोच को बदलने का काम किया है।

रंगों का त्योहार होली पूरे देश में उत्साह के साथ मनाया जाता है, लेकिन वृंदावन में इससे जुड़ी एक खास परंपरा ने समाज की सोच को बदलने का काम किया है।

यहां विधवा महिलाएं भी खेलती हैं खुलकर होली, कोई नहीं कर सकता रोक-टोक

उद्देश्य उन महिलाओं को सम्मान और खुशी लौटाना था, जो सामाजिक परंपराओं के कारण अकेलेपन और उपेक्षा का जीवन जी रही

नई दिल्ली। यहां अब विधवा महिलाएं भी खुलकर होली के उत्सव में भाग लेती हैं और फूलों व रंगों से त्योहार मनाती हैं। जो महिलाएं पहले सामाजिक नियमों के कारण त्योहारों से दूर रखी जाती थीं, वे अब दोबारा खुशियों के साथ जीवन का उत्सव मना रही हैं।वृंदावन में विधवाओं की होली मनाने की शुरुआत औपचारिक रूप से वर्ष 2013 में हुई थी। इस पहल को सुलभ इंटरनेशनल ने आगे बढ़ाया, जिसका उद्देश्य उन महिलाओं को सम्मान और खुशी लौटाना था, जो लंबे समय से सामाजिक परंपराओं के कारण अकेलेपन और उपेक्षा का जीवन जी रही थीं।

सदियों पुरानी सोच को चुनौती

दरअसल, पीढ़ियों से देश के कई हिस्सों में विधवाओं को रंगीन कपड़े पहनने या त्योहारों में शामिल होने से रोका जाता था। उनसे उम्मीद की जाती थी कि वे सादगी और विरक्ति का जीवन बिताएं। वृंदावन की इस होली ने सदियों पुरानी सोच को चुनौती दी। पहली बार विधवा महिलाओं ने गुलाल लगाया, रंग-बिरंगी साड़ियां पहनीं और दूसरों की तरह उत्सव में शामिल होकर समाज को एक नई दिशा दिखाई।

सुप्रीम कोर्ट ने विधवाओं की कठिन परिस्थितियों पर व्यक्त की थी चिंता

साल 2012 में सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया ने वृंदावन में रहने वाली विधवाओं की कठिन परिस्थितियों पर चिंता व्यक्त की थी। इस पहल से सामाजिक सुधार के प्रयासों को गति मिली और कई संगठनों को उनकी जिंदगी बेहतर बनाने के लिए ठोस कदम उठाने की प्रेरणा मिली। वृंदावन में विधवाओं की होली बेहद आध्यात्मिक माहौल में मनाई जाती है।

सम्मान और सशक्तीकरण का प्रतीक

महिलाएं मंदिरों और आश्रमों में एकत्रित होती हैं, फूलों की पंखुड़ियां उड़ाती हैं, गुलाल लगाती हैं, भक्ति गीत गाती हैं और भगवान श्री कृष्ण को समर्पित भजनों पर नृत्य कर उत्सव का आनंद लेती हैं। यह समारोह अक्सर रंगभरी एकादशी के आसपास आयोजित होता है, जो भगवान कृष्ण से जुड़ा एक महत्वपूर्ण धार्मिक पर्व है। चूंकि वृंदावन को श्री कृष्ण की बाल लीलाओं की भूमि माना जाता है, इसलिए यहां होली का विशेष महत्व है। इस उत्सव में विधवाओं की भागीदारी अब सामाजिक परिवर्तन, सम्मान और सशक्तीकरण का प्रतीक बन चुकी है।

रोचक खबरें

मुर्गी को हमेशा अपने साथ रखती है ये महिला प्रोफेसर

ओटोवा। आज हम आपको एक ऐसी महिला प्रोफेसर के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसने कुत्ता या बिल्ली नहीं, बल्कि एक मुर्गी को अपना पालतू बनाया हुआ है और वो उसपर एक रिसर्च भी कर रही है। महिला का कहना है कि उसकी मुर्गी बहुत बुद्धिमान है और वह मेरी भावनाओं को समझ सकती है। ये महिला कनाडा की रहने वाली है और मनोविज्ञान की एक प्रोफेसर है। दरअसल, ये महिला प्रोफेसर इस बात का अध्ययन कर रही है कि पालतू जानवरों के साथ संबंध स्वस्थ विकास में कैसे मददगार होते हैं और इसीलिए उन्होंने अपने पास एक अनोखा थेरेपी एनिमल रखा है, एक भावनात्मक सहारा देने वाली मुर्गी जो उन्हें दैनिक जीवन में मदद करती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सोनिया कोंग नाम की इस महिला प्रोफेसर ने बताया कि उन्होंने उस 11 महीने की मुर्गी का नाम सैटरडे रखा था, क्योंकि उसी दिन उन्होंने उसे ब्रिटिश कोलंबिया के प्रिंस जॉर्ज के बाहर एक फार्म से गोद लिया था। वह कहती हैं, 'मुझे लगता है कि ये मुर्गी बहुत बुद्धिमान है। वो मेरी भावनाओं को समझ सकती है। जब मैं उदास होती थी, तो वो बस वहीं लेटी रहती थी, मुझे देखती रहती थी, यह समझने की कोशिश करती थी कि क्या हो रहा है- तुम क्यों रो रही हो?' यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है।' दिलचस्प बात ये है कि महिला ने पंख वाले उस प्यारे से जीव के लिए एक खास डायपर भी बनाया है, ताकि वो उनके साथ शहर भर में घूम सके। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उत्तरी ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय में पढ़ाने वाली सोनिया फिलहाल एक ऑनलाइन सर्वेक्षण के माध्यम से ये शोध कर रही हैं कि पालतू जानवर किशोरों के सामाजिक और भावनात्मक विकास को कैसे प्रभावित करते हैं। वह हांगकांग के चीनी विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर ट्रेसी वोंग के साथ मिलकर ये अध्ययन कर रही हैं।सोनिया के माता-पिता अभी भी अपनी बेटी के इस नए पालतू जानवर के विचार को स्वीकार करने की कोशिश कर रहे हैं।

खोज

वैज्ञानिक रह गए दंग!

100 साल बाद खुला अंटार्कटिका के खूनी झरने का रहस्य

वॉशिंगटन। दुनिया के सबसे ठंडे और वीरान महाद्वीप पर एक ऐसी जगह है, जिसे देखकर अच्छे-अच्छों के पसीने छूट जाएं। बात हो रही है अंटार्कटिका की मैकमुर्डो ड्राय वैली की, जहां टेलर ग्लेशियर से एक धारा नीचे की ओर गिरती है, जो बिल्कुल इंसानी खून जैसी दिखती है। 1911 से ही यह 'खूनी झरना' वैज्ञानिकों के लिए एक अबूझ पहेली बना हुआ था। लेकिन, अब इस रहस्य से भी पर्दा उठ चुका है।

झरने के नीचे छिपा है 20 लाख साल पुराना राज!

शुरुआत में वैज्ञानिकों को लगा कि यह किसी लाल शैवाल का कमाल है, लेकिन इस 'खूनी झरने'का अब जो सच सामने आया है, उसने विज्ञान जगत में हलचल मचा दी है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, ग्लेशियर के करीब 1,300 फीट नीचे एक विशाल खारे पानी की झील है, जो 20 लाख सालों से बाहरी दुनिया से कटी हुई थी।

इसलिए लाल हो गया पानी

बताया जा रहा है कि इस झील के पानी में नमक की मात्रा बहुत अधिक है, और यह आयरन से लबालब भरा है। जैसे ही आयरनयुक्त पानी बर्फ की दरारों से निकलकर हवा यानी ऑक्सीजन के संपर्क में आता है, केमिकल रिएक्शन होने की वजह से इसमें जंग लग जाता है, और लोहे के ऑक्सीडेशन के कारण पानी का रंग सुर्ख लाल हो जाता है।

क्या एलियंस की खोज में मिलेगी मदद?

सबसे हैरानी की बात यह है कि इस झील में बिना ऑक्सीजन और सूर्य की रोशनी के भी सूक्ष्म जीव जिंदा हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर अंटार्कटिका की इन जानलेवा परिस्थितियों में जीवन पनप सकता है तो मंगल और बृहस्पति के चंद्रमा यूरोपा पर भी जीवन की संभावना है। कुल मिलाकर यह सिर्फ झरना नहीं, बल्कि दूसरे ग्रहों पर जीवन खोजने की एक खिड़की है।

छुपन-छुपाई का एक्सपर्ट है ये जीव, नजरों को यूं देता है धोखा

नई दिल्ली। आपने आजतक कई तरह के जीव देखे होंगे। प्रकृति ने हर जीव को अपनी जिंदगी बचाने के लिए हथियार दिए हैं। किसी के पास तेज नाख़ून होते हैं तो कोई अपनी स्पीड से दुश्मनों को चकमा देता है। लेकिन, गेको (एक तरह का गिरगिट) आपकी आंखों के सामने होकर भी आपको नजर नहीं आएगा। जिस तरह से आपके घर के पास पाया जाने वाला गिरगिट अपना रंग बदल कर दुश्मनों को चकमा देता है, उसी तरह ये गेको अपने वातावरण में ऐसे घुल जाता है कि फिर नजर ही नहीं आता। जंगल में गए एक शख्स ने इसका उदाहरण अपने कैमरा में कैद कर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, जिसमें एक गेको ने खुद को पेड़ की डाल में ऐसे ढाल लिया कि उसे देख पाना नामुमकिन था। वीडियो वायरल हो गया है।

कार्डबोर्ड खाने का शौकीन है ये शख्स, हर डिश में मिलाता है टुकड़े

न्यूयार्क। टीएलसी के मशहूर शो माई वियर्ड एडिक्शन में एक ऐसा शख्स शामिल हुआ, जिसे कार्डबोर्ड खाने की लत है। शख्स अपने हर डिश में इसके टुकड़े मिलाता है। वो अपना खाना घरवालों से छिपाकर बनाता है। उसने बताया कि भूरे बॉक्स वाले कागज को खाने में सबसे अच्छा लगता है। वो पहले इन बोर्ड को धोता है फिर सुखाता है और तब खाता है। अमेरिका के मेम्फिस से ताल्लुक रखने वाले टेरी नाम के एक शख्स को कार्डबोर्ड खाने की लत है। वह बचपन से ही इस आदत में फंसे हुए हैं और अब 39 साल की उम्र में भी यह जारी है। शो के एपिसोड में टेरी ने अपनी पूरी कहानी बताई, जो लोगों को स्तब्ध कर गई. टेरी बताते हैं कि उनकी यह लत 6 साल की उम्र में शुरू हुई। एक दिन उन्होंने कार्डबोर्ड का टुकड़ा मुंह में डाला और उसे स्वादिष्ट लगा.। तब से उन्होंने इसे जारी रखा है। अब वह हर खाने में कार्डबोर्ड मिलाते हैं। सुबह अंडे बनाते समय 'स्पेशल इंग्रीडिएंट'के तौर पर कार्डबोर्ड के छोटे टुकड़े छिड़कते हैं, जो उन्हें 'सबटल फ्लेवर' देता है। उनका फेवरेट ब्राउन बॉक्स वाला कार्डबोर्ड है। वह कहते हैं कि इसमें कई तरह के कार्डबोर्ड होते हैं, लेकिन रेगुलर ब्राउन बॉक्स सबसे अच्छा लगता है। टेरी इस आदत को घरवालों से छिपाते हैं। अपनी मां के साथ रहते हुए भी वह सुबह जल्दी उठकर खाना बनाते हैं ताकि कोई ना देखे। कार्डबोर्ड को पहले अच्छे से धोते हैं, सुखाते हैं और फिर छोटे-छोटे टुकड़ों में तोड़कर खाते हैं। कभी-कभी उसे गीला करके क्रिस्पी बनाते हैं।

60 करोड़ साल पुराना एक आंख वाला जीव!

वॉशिंगटन। वैज्ञानिकों ने पाया कि इंसानी आंखों के तार 600 मिलियन साल पुराने एक समुद्री जीव से जुड़े हैं। हमारा यह पूर्वज एक 'साइक्लोप्स' (एक आंख वाला) जीव था, जिसकी सिर के ऊपर सिर्फ एक प्रकाश-संवेदी आंख थी। जब यह जीव ज्यादा सक्रिय हुआ, तो उसी एक आंख से विकसित होकर दो आंखें बनीं। आज हम अपनी आंखों से दुनिया के रंग, चेहरे और नजारे देखते हैं। लेकिन, क्या आपने कभी सोचा है कि इंसानी आंखों की शुरुआत कहां से हुई? नई रिसर्च के मुताबिक, इसकी जड़ें करीब 60 करोड़ साल पहले रहने वाले एक छोटे से समुद्री जीव से जुड़ी हो सकती हैं, जिसकी सिर्फ एक आंख थी। लुंड यूनिवर्सिटी और ससेक्स विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि सभी वर्टेब्रेट यानी रीढ़ वाले जीव एक ऐसे पूर्वज से विकसित हुए, जिसके सिर के ऊपर एक सिंगल लाइट-सेंसिंग अंग था। यह स्टडी साइंस जर्नल करंट बायोलॉजी में प्रकाशित हुई है।

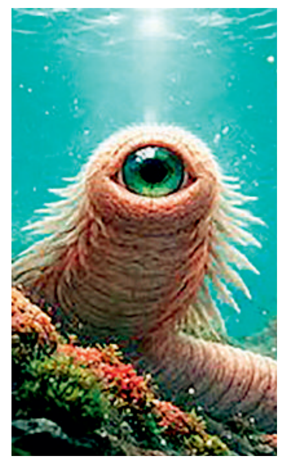

एक साधारण जीव से जटिल आंख तक

रिसर्च में जिस जीव का जिक्र है, वह छोटा और नरम शरीर वाला था और प्राचीन समुद्रों में रहता था। यह पानी में तैरते प्लैंकटन को फिल्टर करके भोजन करता था और ज्यादातर स्थिर जीवन जीता था। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस विकास क्रम की शुरुआती प्रजातियों में शायद दो आंखें थीं। लेकिन ,ये आंखें साफ तस्वीर देख पाती थीं या सिर्फ रोशनी पहचानती थीं, यह स्पष्ट नहीं है। समय के साथ, जब यह जीव कम सक्रिय जीवन जीने लगा, तो दो आंखों की जरूरत कम हो गई और वे संरचनाएं खत्म हो गईं।

मिडलाइन पर बनी एक साधारण आंख

दो आंखों के खत्म होने के बाद सिर के बीचों-बीच कुछ लाइट-सेंसिटिव कोशिकाएं बचीं। समय के साथ इन कोशिकाओं ने मिलकर एक साधारण 'मीडियन आई' का रूप ले लिया। यह आंख सिर्फ रोशनी और अंधेरे का फर्क समझ सकती थी, लेकिन साफ तस्वीर बनाने की क्षमता इसमें नहीं थी। यह बदलाव दिखाता है कि विकास की प्रक्रिया सीधी नहीं होती। कई बार शरीर की संरचनाएं जरूरत के हिसाब से बदलती और फिर नए रूप में सामने आती हैं।

पनामा की जमीन ने उगला 1000 साल पुराना खजाना

पनामा सिटी। पनामा में इतिहास से जुड़ी एक बहुत बड़ी खोज सामने आई है। यह खोज पनामा के नाटा क्षेत्र में हुई है। जमीन के नीचे दबी हुई एक बहुत पुरानी कब्र यहां से मिली है। बताया जा रहा है कि यह कब्र करीब एक हजार साल से भी ज्यादा समय पुरानी है। इस कब्र में इंसान के कंकाल मिले हैं। उनके साथ सोने के गहने और सुंदर डिजाइन वाले मिट्टी के बर्तन भी रखे मिले हैं।

ये कब्र जिस जगह से मिली है, उसे एल कान्यो आर्कियोलॉजिकल साइट के नाम से जाना जाता है। यहां करीब बीस साल से खुदाई का काम चल रहा है। अब तक इसी जगह से इस तरह की नौ कब्रें मिल चुकी हैं। जानकारों का कहना है कि ये कब्रें आम लोगों के लिए नहीं थीं। यहां केवल बहुत ऊंचे पद और प्रभाव वाले लोगों को ही दफनाया जाता था। नई कब्र में मिले व्यक्ति के चारों तरफ सोने के हार, कंगन और कानों के गहने रखे हुए थे। इससे साफ होता है कि वह व्यक्ति अपने समाज में बहुत शक्तिशाली और सम्मानित रहा होगा।

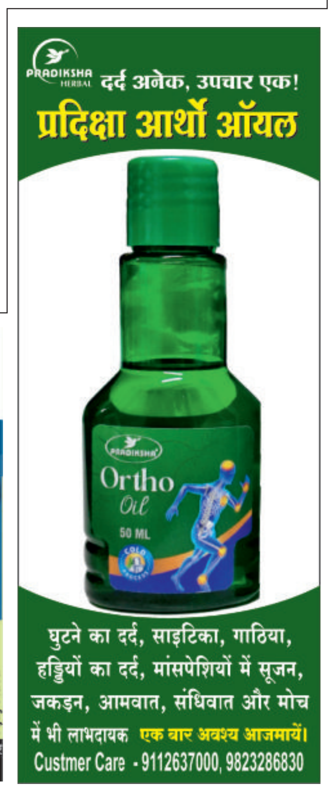

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com